राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने मिलाए हाथ पेट्रोल-डीजल.......

मंत्रियों के स्टाफ पर सीएम फडणवीस ने कसी नकेल...... 12

वर्ष : 16 | अंक : 53 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 27 जून, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

नीट परीक्षा में धांधली की व्यापक स्तर पर हो जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा-नीट में हो रही कथित धांधली को लेकर राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनटीए) पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया और कहा कि जिस एनटीए को इस परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है वह भ्रष्टाचारी एजेंसी बन गयी है और युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की एनटीए ह्यराष्ट्रीय भ्रष्टाचार एजेंसीह्व बन चुकी है। नीट परीक्षा होती है तो भ्रष्टाचार से जुड़ी नई-नई चीजें सामने आती हैं। एनटीए जो भी परीक्षा कराती है, उसका डेटा लीक हो जाता है। एनटीए अविश्वनीय बन चुकी है और यह परीक्षा एजेंसी किसी भी परीक्षा को पारदर्शी तरीके से आयोजित नहीं कर पा रही है इसलिए इसके अधिकारियों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एनटीए के जरिए हो रही नीट परीक्षा के आयोजन में भ्रष्टाचार अत्यंत गंभीर तरीके से सामने आ रहा है। केन्द्रीय जांच ब्यूरों (सीबीआई) ने महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसमें कुछ लोग गिरफ्तार हुए हैं और इसमें गंभीर बात यह है कि प्राथमिकी में पैसा लेकर ओएमआर शीट बदलने की बात सामने आई है। नीट परीक्षा के माध्यम से बच्चे डॉक्टर बनते हैं जो देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती है। इस प्राथमिकी के बाद एनटीए फिर शक के घेरे में है, लेकिन उसके खिलाफ अब तक कोई बड़ी जांच नहीं बिठाई गयी है। कांग्रेस

की मांग है कि एनटीए की जांच हो और नीट परीक्षा पारदर्शिता तरीके से आयोजित कराई जानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि सीबीआई कह रही है कि इस मामले में एनटीए का कोई अधिकारी शामिल नहीं है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि फिर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज क्यों कराया गया है। इस मामले में तीन लोग फरार बताए जा रहे हैं तो दो लोगों को जमानत कैसे मिल गई। उन्होंने कहा कि यह संभव ही नहीं है कि परीक्षा में इतनी बड़ी गड़बड़ी हो और इसमें किसी अधिकारी की मिलीभगत नहीं हो। उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, ह्यशिक्षा बजट को कम किया जा रहा है, एक भी परीक्षा सही से आयोजित नहीं की जा रही है, विद्यालयों और विश्वविद्यालयों की हालत खराब है, नीट जैसी परीक्षाओं में धांधली की जा रही है। आखिर हम देश की स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को कहां पहुंचा रहे हैं। सीयूईटी पेपर का डेटा प्राइवेट कॉलेज के पास पहुंच रहा है। पेपर होने के बाद प्राइवेट कॉलेज अभिभावकों के पास एडमिशन के लिए कॉल करते हैं।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C

न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना	80,405
चांदी	1,1000
संसेक्स	80,220
निफ्टी	24,472

संक्षिप्त खबरें

भारत ने ब्रिक्स समूह में की ईरान पर किए गए हमलों की निंदा, मोदी शामिल होंगे सम्मेलन में

नई दिल्ली। ईरान पर हुए इजरायली ताबड़तोड़ हमलों पर भारत ने अपना स्टैंड साफ कर दिया है। भारत ने ब्रिक्स (बिक्र्स) देशों के समूह के साथ मिलकर ईरान पर हमलों की निंदा की। ब्रिक्स ने इन हमलों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया है। बता दें कि भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की ओर से जारी बयान से खुद को 10 दिन पहले अलग किया था, जिसमें इजरायल की ओर से किए गए सैन्य हमलों की निंदा की गई थी। अब भारत ने मामले में अपना रुख साफ कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5-6 जुलाई को रियो डि जेनेरो (ब्राजील) में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं।

राजनाथ ने एससीओ के बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया

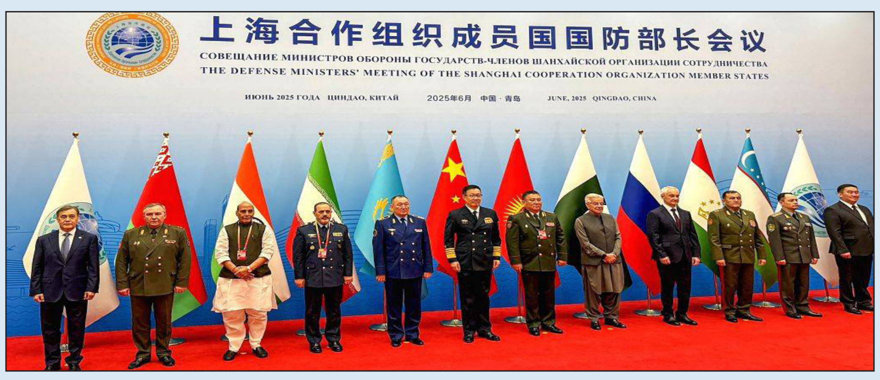

किंगदाओ/नई दिल्ली, एजेंसी

किंगदाओ/नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद के दोषियों, वित्तपोषकों व प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और इससे निपटने में दोहरा मापदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान समर्थित सीमापार से जारी आतंकवाद पर भारत की चिंताओं को स्पष्ट रूप से संबोधित नहीं करने के लिए एससीओ के बयान पर हस्ताक्षर नहीं करने का निर्णय लिया। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि एससीओ आम सहमति के तहत काम करता है, लिहाजा दस्तावेज का समर्थन करने से सिंह के इनकार के परिणामस्वरूप एससीओ रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य जारी किए बिना ही समाप्त हो गया। उन्होंने कहा कि सीमापार से जारी आतंकवादी गतिविधियों समेत आतंकवाद से निपटने के लिए कोई स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं है। सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आतंकवाद से निपटने के मामले में दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए एससीओ सदस्य देशों को एकजुटता के साथ इस खतरे की निंदा करनी चाहिए। भारत और चीन के अलावा एससीओ में पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। पाकिस्तान का परोक्ष उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि कुछ देश आतंकवादियों को पनाह देने के लिए सीमापार आतंकवाद को नीतिगत साधन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने आतंकवाद से बचाव और सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। उन्होंने कहा, पहलगाम आतंकी हमले के दौरान, पीड़ितों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मार दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, ह्यपहलगाम हमले का तरीका भारत में लश्कर-ए-तैयबा के पिछले आतंकवादी हमलों के जैसा था। भारत की आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति उसके कार्यों से प्रदर्शित होती है। उन्होंने कहा, इस नीति में आतंकवाद से खुद का बचाव करने का हमारा अधिकार भी शामिल है। हमने दिखा दिया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे। सिंह ने कहा कि एससीओ सदस्यों को आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए। उन्होंने इस खतरे से सभी रूपों में लड़ने के भारत के संकल्प की पुष्टि की। रक्षा मंत्री ने युवाओं में कट्टरपंथ को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने का भी आह्वान किया। सिंह ने कहा कि दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और साइबर हमलों से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये खतरे सभी देशों के सामने हैं और इनसे निपटने के लिए पारदर्शिता, आपसी विश्वास और सहयोग पर आधारित एकीकृत प्रयासों की जरूरत है। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत, अफगानिस्तान में शांति, सुरक्षा व स्थिरता से संबंधित अपनी नीति पर अडिग रहा है। रक्षा मंत्री एससीओ रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को चीन के बंदरगाह शहर किंगदाओ पहुंचे थे।

राजनाथ सिंह ने किंगदाओ में रूस के रक्षा मंत्री से मुलाकात की

किंगदाओ/नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को अपने रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव के साथ बातचीत की, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य और द्विपक्षीय रक्षा तथा रणनीतिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह बैठक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन से इतर हुई। सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस बातचीत को ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने कहा, किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक से इतर रूस के रक्षा मंत्री आंद्रे बेलौसोव से मिलकर खुशी हुई। हमने भारत-रूस रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने पर ज्ञानवर्धक विचार-विमर्श किया। ऐसा समझा जा रहा है कि सिंह ने पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद से भारत को चुनौती पर बात की। माना जा रहा है कि दोनों मंत्रियों ने एक जुलाई को रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में भारतीय नौसेना की रूस निर्मित गाइडेड मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस तमाल के आगामी जलावतरण पर भी चर्चा की। जलावतरण समारोह की अध्यक्षता पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन- चीफ वाइस एडमिरल संजय जे सिंह करेंगे। सिंह एससीओ सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार शाम को किंगदाओ पहुंचे। भारत और चीन के अलावा एससीओ में पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।

मुर्मू ने सर गंगा राम अस्पताल में अत्याधुनिक कैंसर चिकित्सा केंद्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां सर गंगा राम अस्पताल (एसजीआरएच) में अत्याधुनिक कैंसर चिकित्सा केंद्र का उद्घाटन किया और रोगियों से बातचीत की। अस्पताल के अधिकारियों ने इस कार्यक्रम को गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति की उपस्थिति ने सात दशकों से अधिक समय से बहुमूल्य, सस्ती व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की संस्था की विरासत को मान्यता दी। अस्पताल की ओर से जारी एक बयान के अनुसार कैंसर केंद्र में चिकित्सा, शल्य चिकित्सा और विकिरण ऑन्कोलॉजी के साथ-साथ कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध है। बयान में कहा गया है कि इसका उद्देश्य कैंसर के निदान, उपचार व दीर्घकालिक देखभाल के लिए एक ही स्थान पर सुविधाएं प्रदान करना है। मुर्मू ने एक स्मृति पट्टिका का अनावरण भी किया और परिसर का दौरा किया। सर गंगा राम ट्रस्ट सोसाइटी के अध्यक्ष डॉक्टर डी. एस. राणा ने कहा कि कैंसर देखभाल केंद्र का उद्घाटन सुलभ स्वास्थ्य सेवा के अस्पताल के दृष्टिकोण के तहत उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। राणा ने कहा, ह्यपिछले 50 वर्षों से, 25 प्रतिष्ठित डॉक्टरों का प्रबंधन बोर्ड अस्पताल का संचालन कर रहा है। हमें अपने स्वास्थ्य सेवा मॉडल पर गर्व है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का हालचाल जाना। मुर्मू ने सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और उनके पिता के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी और मुलाकात की तस्वीर साझा की। अधिकारियों ने बताया कि शिबू सोरेन (81) पिछले पांच दिन से अस्पताल में हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन को पार्टी के संस्थापक संरक्षक के रूप में जाना जाता है। मुर्मू 18 मई, 2015 से 13 जुलाई, 2021 तक झारखंड की राज्यपाल थीं। वह सर गंगाराम कैंसर सेंटर का उद्घाटन करने के लिए अस्पताल पहुंची थीं। एक्स पर राष्ट्रपति के कार्यालय द्वारा की गई एक अन्य पोस्ट के अनुसार, मुर्मू ने गंगाराम कैंसर सेंटर में अत्याधुनिक सुविधाओं को देखा और रोगियों से बातचीत की।

सम्मेलन | देश में संघवाद की बात कर सभी राज्यों के साथ समानता की बात करते हैं.......................

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी, किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि हिंदी किसी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि यह सभी भारतीय भाषाओं की सखी है और देश में किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए। केंद्र सरकार के आधिकारिक भाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने सभी राज्य सरकारों से चिकित्सा और इंजीनियरिंग शिक्षा स्थानीय भाषा में प्रदान करने की पहल करने भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सभी राज्य सरकारों को प्रशासनिक कामकाज में भारतीय भाषाओं का उपयोग करने में मदद करेगा। गृह मंत्री ने कहा, "मेरा पूर्ण विश्वास है कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है।" शाह ने कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं मिलकर देश की संस्कृति के स्वाभिमान को और बढ़ा सकती हैं। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि गुलामी की मानसिकता से सभी को मुक्ति मिलनी चाहिए और जब तक कोई व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेगा या अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेगा, तब तक वह व्यक्ति गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, "किसी भाषा का विरोध नहीं है। किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए। लेकिन अपनी भाषा का गौरव बढ़ाने की ललक होनी चाहिए, अपनी भाषा बोलने की ललक होनी चाहिए, अपनी भाषा में सोचने की ललक होनी चाहिए।" शाह ने कहा कि जहां तक देश का सवाल है, भाषा सिर्फ संचार का माध्यम नहीं है, यह राष्ट्र की आत्मा है। शाह ने कहा, "भारतीय भाषाओं को जीवंत रखना और उन्हें समृद्ध बनाना महत्वपूर्ण है। हमें आने वाले दिनों में सभी भारतीय भाषाओं, विशेषकर राजभाषा के लिए हरसंभव प्रयास करने चाहिए।"

युवाओं के लिए ह्यनशाह्व सबसे बड़ी समस्या, सरकार नार्को-कार्टेल पर सख्तः शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस पर कहा कि नशा हमारे युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार नशा तस्करी करने वाले गिरोहों (नार्को-कार्टेल) के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है और नशे की लत में फंसे युवाओं को सामान्य जीवन में वापस लाने के लिए काम कर रही है। 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा विरोधी और अवैध तस्करी दिवस के अवसर पर अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर पोस्ट कर यह बात कही। हर साल 26 जून को विश्व स्तर पर नशा विरोधी दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य नशे से मुक्त समाज के लिए कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करना है। शाह ने पोस्ट में कहा, ड्रग्स हमारे युवाओं के लिए सबसे बड़ा संकट है। मोदी सरकार इस खतरे से निपटने के लिए अन्य सरकारों के साथ काम कर रही है और नार्को-कार्टेल के लिए काम कर रही है और नशे की लत में फंसे युवाओं को सामान्य जीवन में वापस ला रही है। इस साल का अभियान ब्रेक द साइकल, स्टॉप ऑर्गनाइज्ड क्राइम है, जो ड्रग ट्रैफिकिंग और संगठित अपराध को रोकने के लिए लंबे समय तक समन्वित कार्रवाई की जरूरत पर जोर देता है। इसके लिए मूल कारणों को दूर करना, रोकथाम में निवेश करना और स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक व्यवस्थाओं को मजबूत करना जरूरी है। भारत सरकार ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जून, 2025 में देशव्यापी जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के अनुसार, अब तक 15.78 करोड़ से अधिक लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया है, जिसमें 5.26 करोड़ युवा और 3.31 करोड़ महिलाएं शामिल हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सचिव ने एक्स पर कहा, ह्यविभाग बड़ी संख्या में नागरिकों, खासकर छात्रों और युवाओं तक पहुंच रहा है ताकि नशीली दवाओं की समस्या से लड़ने के लिए जागरूकता और सहयोग बढ़ाया जा सके। विश्व नशा रिपोर्ट 2025 के मुताबिक, संगठित नशा तस्करी समूह वैश्विक संकटों का फायदा उठाकर कमजोर वर्गों को निशाना बना रहे हैं। साल 2023 में 31.6 करोड़ लोगों ने नशे का सेवन किया, जो 15-64 आयु वर्ग की 6 प्रतिशत आबादी है। भांग (24.4 करोड़), ओपिओइड (6.1 करोड़), एम्फेटामाइन (3.07 करोड़), कोकीन (2.5 करोड़) और एक्स्टसी (2.1 करोड़) सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले नशीले पदार्थ हैं। भारत में नशे के खिलाफ सख्त कानून है। नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 गैर-चिकित्सीय नशे के उपयोग को रोकता है और इलाज चाहने वालों को छूट देता है। साल 1988 का अवैध तस्करी कानून दोहराने वाले तस्करों को हिरासत में लेने की शक्ति देता है। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 दवाओं के उत्पादन और वितरण को नियंत्रित करता है।

ऑपरेशन सिंधु: ईरान से 272 भारतीयों, तीन नेपाली नागरिकों को निकाला गया

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने इजराइल के साथ संघर्ष के बाद ईरान से 272 भारतीय और तीन नेपाली नागरिकों को निकाला है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारतीयों को लेकर एक विशेष विमान ईरानी शहर मशहद से आधी रात के बाद दिल्ली पहुंचा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "ऑपरेशन सिंधु अपडेटः 272 भारतीय और 3 नेपाली नागरिकों को ईरान से एक विशेष विमान के जरिये निकाला गया, जो 26 जून को 00:01 बजे (25 जून आधी रात 12 बजे के बाद) मशहद से नई दिल्ली पहुंचा। ऑपरेशन सिंधु के तहत 3426 भारतीय नागरिकों को ईरान से स्वदेश लाया गया है।" भारत ने बुधवार को ईरान से 296 भारतीय नागरिकों और चार नेपाली नागरिकों को निकाला था। भारत ने मंगलवार को ईरान और इजराइल से 1,100 से अधिक नागरिकों को निकाला था। उसने इजराइल से 594 भारतीयों की स्वदेश वापसी कराई जिनमें से 400 से अधिक के लिए भारतीय वायु सेना के सी-17 हेवी-लिफ्ट विमान का उपयोग किया गया। साथ ही, 161 भारतीयों को अम्मान से एक चार्टर्ड उड़ान में वापस लाया गया। वे सड़क मार्ग से इजराइल से जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए गए विवरणों के अनुसार, मंगलवार को दो चार्टर्ड उड़ानों में कुल 573 भारतीयों, तीन श्रीलंकाई और दो नेपाली नागरिकों को ईरान से निकाला गया। पिछले कई दिन में ईरान से निकाले गए भारतीय नागरिकों को कई अन्य उड़ानों से वापस लाया गया है। एक सप्ताह से अधिक समय पहले इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से दोनों देशों ने एक-दूसरे के शहरों और सैन्य तथा रणनीतिक ठिकानों पर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। भारत ने 18 जून से ईरानी शहर मशहद, आर्मेनिया की राजधानी येरेवन और तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात से संचालित चार्टर्ड उड़ानों के जरिए अपने नागरिकों को निकाला है। ईरान ने मशहद से तीन चार्टर्ड उड़ानों की सुविधा के लिए 20 जून को हवाई क्षेत्र प्रतिबंध हटा दिए थे।

अंतरिक्ष में एक बच्चे की तरह चहलकदमी, खाना-पीना सीख रहा हूं

- शुभांशु शुक्ला ने स्पेसएक्स के ड्रैगन यान से भेजा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष से स्पेसएक्स के ड्रैगन यान से संदेश भेजा है। एक्सिओम मिशन-4 के साथ वे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर जा रहे हैं। उन्होंने संदेश में कहा कि वे वहां बच्चों की तरह नई चीजें सीख रहे हैं। एक्सिओम-4 मिशन न केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि है, बल्कि भारत की वैश्विक तकनीकी शक्ति के रूप में उभरती स्थिति का प्रमाण है। शुभांशु शुक्ला ने स्पेस से धरती के लोगों को नमस्कार किया। उन्होंने कहा कि वे और उनका क्रू अंतरिक्ष में आकर खुश हैं। उन्होंने अंतरिक्ष की यात्रा को अद्भुत बताया। उन्होंने कहा कि यह एक छोटा कदम है, लेकिन भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में एक स्थिर और ठोस कदम है, अंतरिक्ष में चहलकदमी करना और खाना-पीना, एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं। शुभांशु ने बताया कि यह उनके लिए एक सपने जैसा था। उन्होंने पृथ्वी को ऊपर से देखा और माइक्रोग्रैविटी में तैरने का अनुभव किया। लॉन्च के 10 मिनट बाद उन्होंने सूरज और तारों को देखा। शुभांशु ने बताया कि अंतरिक्ष यात्रा उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा कि लॉन्च के बाद जब मैंने पृथ्वी को नीचे से देखा, तो ऐसा लगा जैसे कोई चित्रकार ने नीला और हरा रंग मिलाकर एक कैनवास बनाया हो। माइक्रोग्रैविटी में तैरना मजेदार है, लेकिन शुरूआत में थोड़ा अजीब लगा।

फिनटेक के साथ फास्टैग इकोसिस्टम का किया जाएगा विस्तार, बढ़ेंगी सुविधाएं: गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फास्टैग इकोसिस्टम में न केवल टोलिंग के लिए है बल्कि पूरे देश में निर्बाध डिजिटल यात्रा अनुभवों के आधार के रूप में अपार संभावनाएं भी इसमें मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि फिनटेक और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग के जरिए हमारा लक्ष्य फास्टैग की उपयोगिता को एक मजबूत मंच देना है, जो उपयोगकर्ता की सुविधा को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि 98.5 फीसदी टोल पेमेंट के साथ, नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) फास्टैग प्रोग्राम 1,728 टोल प्लाजा पर संचालित होता है। इसके अलावा, 38 से ज्यादा बैंकों ने डिजिटल भुगतान का समर्थन करते हुए 11.04 करोड़ फास्टैग जारी किए हैं। केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह कारों के लिए 3,000 रुपए की कीमत वाले फास्टैग वार्षिक पास की शुरूआत की घोषणा की है, जो इस साल 15 अगस्त से प्रभावी होंगे। फास्टैग सिस्टम के इनोवेटिव एप्लीकेशन का पता लगाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्रमोटेड कंपनी इंडियन हाईवेज एंड मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) द्वारा दिल्ली में फिनटेक कंपनियों के साथ एक वर्कशॉप आयोजित की गई थी। वर्कशॉप का उद्देश्य विकास के अगले चरण का समर्थन करने के लिए नियामक अनुपालन, शिकायत निवारण, सुरक्षा और फास्टैग के गैर-टोल एप्लीकेशन जैसे पहलुओं पर अग्रणी फिनटेक प्लेयर्स से जानकारी जुटाना था।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 27 जून, 2025

नैनीताल हाईकोर्ट हैरानः ये कैसा महंत, विवाह एक से, लिव इन दूसरी के साथ और तीसरी को छेड़ने पर जेल में बंद

नैनीताल, एजेंसी।
हाईकोर्ट ने हरिद्वार में प्रसिद्ध चंडी मंदिर का प्रबंधन अगले आदेश तक बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति को सौंपते हुए मंदिर के चढ़ावे की चोरी हुई रकम के मामले में रीना बिष्ट के अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद उसे अग्रिम जमानत दी है। नैनीताल हाईकोर्ट ने हरिद्वार में प्रसिद्ध चंडी मंदिर का प्रबंधन अगले आदेश तक बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति को सौंपते हुए मंदिर के चढ़ावे की चोरी हुई रकम के मामले में रीना बिष्ट के अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद उसे अग्रिम जमानत दी है साथ ही उसे सुरक्षा देने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई में वीसी के माध्यम से हरिद्वार के डीएम और एसएसपी भी उपस्थित हुए। रीना बिष्ट ने अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र दायर कर कहा था कि थाना श्यामपुर, हरिद्वार में शिकायतकर्ता की ओर से कहा गया था कि चंडीघाट हरिद्वार निवासी रोहित गिरी (चंडी मंदिर का तत्कालीन महंत) के साथ शिकायत कर्ता का विवाह हुआ था। अगस्त 2021 में रोहित गिरी ने बताया कि आज मन्दिर में

तुम्हारी बडी बहन की पुरानी परिचित रीना बिष्ट आई थी। उसने बताया कि उसकी पहली लव मैरिज गुमानीवाला ऋषिकेश के प्रतिष्ठित भटट परिवार में हुई थी किन्तु पति ने बिना तलाक के ही प्रार्थिनी को मार पीट कर छो? दिया जिस कारण वह मजबूरी में दिल्ली में काम करने चाली गई जहां तलाकशुदा एमबीबीएस डाक्टर से उसने विवाह कर लिया। उसके दूसरे पति ने भी उसे उपेक्षित करके रखा हुआ है। उसकी दयनीय हालत देखकर मैने उसे तुम्हारा फोन नम्बर दिया है। फोन पर रीना बिष्ट ने भी यही सब कहा जिस पर रीना बिष्ट को उसने घर पर रख लिया। 2022 में प्रार्थिनी को एक डायरी मिली जिसमें रोहित गिरी की हैंड राइटिंग में रीना के नाम पांच लाख पचास हजार रूपये की एफडी बनाने की बात लिखी थी। पूछने पर रोहित गिरी ने कहा कि रीना ने मेरे साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाकर वीडियो बना लिया था इस कारण उसे पैसे दे रहा था। जनवरी 2025 में रीना व रोहित ने अपने अवैध रिश्ते से अपनी बेटी को जन्म दिया। इस बीच 14 मई 2025 को पंजाब पुलिस ने रोहित गिरी को किसी महिला के साथ छेडखानी के मामले में गिरफ्तार कर लिया। इसका फायदा उठाकसर प्रार्थिनी को मन्दिर के चढ़ावे की लूट के फर्जी मामले में फंसाने का डर दिखाकर प्रार्थिनी से माँ चण्डी देवी के आजीवन ट्रस्टी के पद से त्यागपत्र जबरन लेने व रोहित गिरी को तुरन्त तलाक देने का दबाव बनाया और अपने सहयोगियों से मिलकर मन्दिर की सम्पत्ति को खुर्दबुर्द करने का आपराधिक ष?यंत्र रचा। प्रार्थिनी के भाई के होली ऐंजल स्कूल के बच्चों से प्राप्त फीस की धनराशि के साथ बैंक से निकाले धन कुल सवा चार लाख रूपयो को हल्ला मचा कर मन्दिर के लाखो रूपये की लूट बताने लगे। सुनवाई के बाद कोर्ट ने रीना की अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार करते हुए मंदिर का प्रबंधन फिलहाल बीकेटीसी को सौंपने के निर्देश दिए। मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस राकेश थपलियाल ने भक्तों की आस्था के केंद्र में ऐसी हरकतो पर सख्त नाराजगी जताते हुए समस्त सम्बंधित लोगों के मंदिर परिसर में प्रवेश पर रोक लगाने की जरुरत बताई। उन्होंने कहा कि ये कैसे महंत हैं जो शादी शुदा होते हुए भी दूसरी जगह लिव इन में रह रहे हैं और तीसरी जगह महिला से छे?छा? में कहीं जेल में बंद हैं। उन्होंने कहा कि वे मंदिर की पवित्रता से खिलवा? बर्दाशत नहीं करेंगे।

व्यापारी ग्राहकों का कर रहे इंतजार, बाजार है सुनसान

अल्मोड़ा, एजेंसी।
मानसून शुरू होते ही अल्मोड़ा के बाजारों में सन्नाटा पसरने लगा है। बारिश ने जहां लोगों को घरों पर रहने को मजबूर कर दिया है वहीं व्यापारियों का व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। बारिश से लोगों को गर्मी से राहत तो मिली है लेकिन इससे व्यापारियों के चेहरे पर मायूसी है। मंगलवार को नगर की माल रोड, चौक बाजार, लाला बाजार, जौहरी बाजार, कचहरी बाजार सहित मुख्य बाजार में कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक, फर्नीचर, जूता व्यवसायी ग्राहकों का इंतजार करते नजर आए। दुकानों पर काफी कम ग्राहकों पहुंचने से व्यापारी मायूस हुए। कपड़ा व्यवसायी साहिल कुमार ने बताया कि मानसून के चलते व्यापार ठप हो गया है। ऑनलाइन बाजार से भी उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। फड व्यवसायी मनोज कुमार ने कहा कि बारिश के चलते उनका काम प्रभावित हो रहा है। बताया सामान्य दिनों में वह कॉस्मेटिक उत्पाद बेच कर प्रतिदिन दो हजार रुपये से अधिक की कमाई कर लेते है। अब बारिश के चलते ग्राहक बाजार ही नहीं पहुंच रहे हैं। मानसून के चलते जिले में पर्यटक भी कम संख्या में पहुंच रहे हैं। इससे होटल और ट्रांसपोर्ट व्यापार भी प्रभावित हो रहा हैं।

संक्षिप्त समाचार

कमरे में फंदे पर लटकी मिली किशोरी

रुद्रपुर, एजेंसी। ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र के अरविंदनगर में एक किशोरी पंखे में लगाए फंदे पर लटकी मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को सूचना देने के साथ ही शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम को भिजवा दिया। अरविंदनगर निवासी सुनील विश्वास के मकान के की दूसरी मंजिल पर पीलीभीत के गंगाराम अपनी बेटी के साथ रहते हैं। गंगाराम सिडकुल की एक कंपनी में काम करते हैं। उनकी एक बेटी की शादी हो चुकी है। पत्नी कुसुम और छोटी बेटी शिखा (17 साल 9 महीने) और बेटा विष्णु पीलीभीत में रहते हैं। 31 मई को कुसुम दोनों बच्चों के साथ रुद्रपुर आई थी। स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह निजी अस्पताल में भर्ती थी। मंगलवार शाम पड़ोस में रहने वाली लड़की ने शिखा को कमरे के पंखे पर फंदे से लटका देख परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। एसएसआई महेश कांडपाल, एसआई महिला नेहा ध्यानी ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। बड़ी बहन ने पुलिस को बताया कि शिखा ने इस साल 12वीं की परीक्षा दी थी। वह दो दिन से बीमार मां की सेवा में अस्पताल में थी। मंगलवार सुबह वह कमरे में आई थी। सीओ, प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की जानकारी की जा रही है।

अनीता के मूंज घास के उत्पादों की प्रदेश के बाहर भी धूम

खटीमा, एजेंसी। झनकट स्थित उलधन गांव निवासी अनीता देवी के मूंज घास के उत्पादों की उत्तराखंड के बाहर भी धूम है। काजल महिला समूह की अध्यक्ष अनीता देवी ने बताया कि वह 20 सालों से मूंज घास के उतपाद जैसे टोकरियां, पूजा की थाल, पैन स्टैंड, कोस्टर, रोटी बास्केट आदि बना रही हैं। वह देहरादून के अलावा लखनऊ आदि जगह प्रतिवर्ष लगने वाली प्रदर्शनियों में अपने उत्पादों के स्टॉल लगाती हैं। मूंज घासों के उत्पादों के लिए देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उन्हें सम्मानित भी कर चुके हैं। वह बताती हैं कि मूंज घास के उत्पादों की काफी मांग रहती है। यदि सही ऑर्डर मिले तो प्रतिमाह 50 हजार रुपये की आमदनी भी हो जाती है। वह बताती हैं कि काजल महिला समूह में उनके साथ 10 महिलाएं जुड़ी हैं। अधिक काम मिलने पर क्षेत्र की अन्य महिलाएं भी कार्य करती हैं।

ई-रिक्शा के रूट व रेट निर्धारित करने की मांग

काशीपुर, एजेंसी। शहर में ई-रिक्शा चालकों के रूट व रेट निर्धारित करने की मुकुल मानव ने महापौर से मांग की। पत्र में बताया कि काशीपुर महानगर क्षेत्र में हजारों की संख्या में ई-रिक्शा सड़कों पर सरपट दौड़ रहे हैं। इनमें अधिकतर का पंजीयन परिवहन विभाग में नहीं है। बताया चालक रूट निर्धारित न होने से किसी भी दिशा में ई-रिक्शा लेकर चल देते हैं जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। इसके अलावा कोई रेट निर्धारित न होने से चालक मनचाहा किराया सवारियों से वसूलते हैं। उन्होंने महापौर दीपक बाली से ई-रिक्शा चालकों के रूट व रेट निर्धारित करने और ई-रिक्शा चालकों को संरक्षण देने वाली तथाकथित यूनियनों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

लो-वोल्टेज की समस्या से निजात दिलाने की मांग

खटीमा, एजेंसी। ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में लो-वोल्टेज की समस्या से निजात दिलाने की मांग को लेकर मंगलवार को लोगों ने एसडीओ को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने विद्युत ट्रांसफार्मरों का लोड बढ़ाने और झूलते तारों की समस्या को दूर करने की मांग की। एसडीओ अंबिका यादव को ज्ञापन सौंपते हुए लोगों ने कहा कि गर्मी के बीच ग्रामीण क्षेत्रों और शहर के विभिन्न वार्डों में बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या आ रही है जिससे लोगों को काफी असुविधा हो रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में झूलते बिजली के तार खतरे का सबब बने हुए हैं। वहां पर भुवन जोशी, किशोर जोशी, महेश राणा, सभासद प्रकाश शर्मा, दीपक खोलिया, चंदन जोशी, भगवान दास, किशन सिंह, दिवाकर भट्ट आदि थे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का हल्द्वानी में भव्य स्वागत

नैनीताल, एजेंसी।
उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर हल्द्वानी पहुंचे। हल्द्वानी आर्मी हैलीपेड पर राज्यपाल ने उनका स्वागत किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर हल्द्वानी पहुंचे। हल्द्वानी आर्मी हैलीपेड पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की ओर से कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्या, सांसद अजय भट्ट, हल्द्वानी मेयर गजराज बिष्ट, वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष दीपक महरा, आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आईजी रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी वंदना, एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा सहित अन्य अधिकारियों ने उपराष्ट्रपति का अभिनंदन किया।

माननीय 20 मिनट में शहर से गुजरे, जनता दो घंटे फंसी रही, एक घंटा वाहनों को रोका

नैनीताल, एजेंसी।
वैसे हल्द्वानी के लिए जाम आम बात है। आए दिन लगता है, लेकिन वीआईपी मूवमेंट ज्यादा दर्द दे जाते हैं। बुधवार को भी यही सब दिखा। काठगोदाम रोड पर नैनीताल से आने वाले वाहनों को तिकोनिया पर रोक दिया गया। साढ़े दस बजे से एक घंटे तक सड़क पर यातायात रोका गया। माननीय का तय कार्यक्रम 10ः30 बजे। आगमन एक घंटे बाद 11ः30 बजे। दोनों समय पर पुलिस पूरी तरह पाबंद। साढ़े दस बजते ही तिकोनिया के दोनों तरफ रोड को जीरो जोन कर दिया। माननीय हेलीपैड पर दस मिनट रूके, 20 मिनट में शहर पार किया। जनता एक घंटे तक तो जस की तस वाहनों में फंसी रही और एक घंटे उसे जाम से निकलने में लग गए। कुल 20 मिनट का विजिट दो घंटे की दिक्कत के बराबर हो गया। दोपहर तक शहर जाम की चपेट में रहा। वैसे हल्द्वानी के लिए जाम आम बात है। आए दिन लगता है, लेकिन वीआईपी मूवमेंट ज्यादा दर्द दे जाते हैं। बुधवार को भी यही सब दिखा। काठगोदाम रोड पर नैनीताल से आने वाले वाहनों को तिकोनिया

पर रोक दिया गया। साढ़े दस बजे से एक घंटे तक सड़क पर यातायात रोका गया। नैनीताल रोड पर वाहन काठगोदाम तक लाइन लग गई तो हल्द्वानी की तरफ तिकोनिया से कालूसिद्ध मंदिर तक। लिंक रोड का तो हाल मत पूछिए। जो जहां फंसा वह वही थमकर रह गया। न साइड से निकल सकता था और न ही लिंक रोड पकड़ सकता था। जाम में वाहनों की संख्या बढ़ती चली गई। वाहनों में फंसे बच्चे परेशान हो गए। वाहन सवार लोग झल्ला गए। जब करीब 11ः40 बजे एक लंबी चौड़ी फ्लीट तिकोनिया चौराहा पर देखी तो फंसे लोगों ने राहत की सांस ली। मगर इस बीच तिकोनिया में वाहन रोके जाने की वजह से नवाबी रोड भी जाम से पट गया। कालाढूंगी रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ा रहा। काठगोदाम चौराहा से वाहनों को गौलापार की तरफ भेजा गया। मुखानी क्षेत्र भी जाम से जूझ गया। शहर में जाम की स्थिति दोपहर तक बनी रही। कालू सिद्ध मंदिर से लेकर रोडवेज तक जाम लगा। इसके अलावा रामपुर रोड और बरेली रोड पर भी यही स्थिति दिखी।

विचार-नवाचार की स्वाभाविक और जैविक प्रयोगशाला हैं शिक्षण संस्थानः उपराष्ट्रपति

नैनीताल, एजेंसी।
कुमाऊं विवि के 50वें स्थापना दिवस पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनख? ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान विचार और नवाचार के स्वाभाविक व जैविक प्रयोगशाला हैं। उपराष्ट्रपति स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कुमाऊं विवि की फैकल्टी को संबोधित कर रहे थे। कुमाऊं विवि के 50वें स्थापना दिवस पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनख? ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्रियां या प्रमाणपत्र प्राप्त करने की जगह नहीं हैं। अन्यथा वर्चुअल लर्निंग और परिसर आधारित लर्निंग में अंतर क्यों होता। शैक्षणिक संस्थान विचार और नवाचार के स्वाभाविक व जैविक प्रयोगशाला हैं। उपराष्ट्रपति स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कुमाऊं विवि की फैकल्टी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, आपके साथियों के साथ बिताया गया समय आपके सोचने के तरीके को परिभाषित करता है। यह स्थान वह परिवर्तन उत्पन्न करने के लिए हैं, जिसकी आवश्यकता है। विचार आते हैं,

लेकिन विचारों पर विचार होना भी जरूरी है। अगर कोई विचार असफलता के डर से आता है तो आप नवाचार या प्रयोग नहीं करते। तब हमारी प्रगति रुक जाती है। विश्वविद्यालय वे स्थान हैं, जहां दुनिया हमारे युवाओं से ईर्ष्या करती है, उनके पास न केवल अपना भविष्य गढ़ने का अवसर है, बल्कि भारत की नियति गढ़ने का भी। इसलिए कृपया आगे बढ़िए। उपराष्ट्रपति ने कारपोरेट उत्पाद की एक टैगलाइन का उदाहरण देते हुए युवाओं को आगे ब?ने के लिए प्रेरित किया। बोले- टैगलाइन 'जस्ट डू इट' आप जानते होंगे, मगर मैं उसमें कुछ और जोड़ना चाहूंगा- 'डू इट नाउ'। कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने कहा कि विवि पांच दशक से ज्ञान और नवाचार का स्तंभ बनकर खड़ा है। विवि ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि विवि के पूर्व छात्र विश्वभर में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। उनका कहना है कि कुमाऊं विवि देश का पहला ऐसा संस्थान है जिसने परीक्षा सामग्री की गोपनीय छपाई के लिए एक पारदर्शी और वित्तीय रूप से मितव्ययी ओपन टेंडर प्रक्रिया लागू की है। यही नहीं विवि ने डायरेक्टोरेट ऑफ विजिटिंग प्रोफेसर्स की स्थापना की है। संवाद नैनीताल पहुंचे शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य में 38 लाख छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। राज्य के सभी राजकीय उच्च शिक्षण संस्थानों को एक पे? मां के नाम अभियान से जोड़ा जा रहा है। इस दौरान सभी शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के साथ ही छात्र-छात्राएं भी अपने संस्थान के परिसर, घर व सार्वजनिक स्थानों पर एक पौधे का रोपण करेंगे। कहा कि प्रदेश के छात्र-छात्राओं को पोर्टल पर पंजीकरण करने में किसी प्रकार की समस्या न हो इसका विशेष ख्याल रखा गया है। सभी विवि ने शैक्षणिक कैलेंडर जारी किए हैं। मोटर मार्ग से मूवमेंट के दौरान नैनीताल पुलिस ने वीवीआईपी रूट में आ रही एंबुलेंस और निजी वाहन में सवार दो मरीजों को स्कॉर्ट कर अस्पताल पहुंचाया जिसके बाद मरीजों को उपचार मिला। बुधवार को नैनीताल में एक पर्यटक की तबीयत बिगड़ जाने के कारण तत्काल उचित उपचार के लिए एंबुलेंस से हल्द्वानी भेजा गया। इसी दौरान उप राष्ट्रपति का हल्द्वानी से नैनीताल वाले मार्ग पर वीवीआईपी मूवमेंट चल रहा था।

जागेश्वर धाम के दर्शन को पहुंची 101 वर्षीय अम्मा

जागेश्वर अल्मोड़ा, एजेंसी।
जागेश्वर धाम में इन दिनों लगातार श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही में बढ़त है। मंगलवार को एक 101 वर्षीय वृद्धा भी धाम के दर्शन करने पहुंचीं और उन्होंने अन्य श्रद्धालुओं के साथ दर्शन कर पूजा की। 101 वर्षीय अम्मा का दूर से धाम पहुंचना चर्चा में रहा। मंगलवार को भी जागेश्वर धाम में भक्तों की भीड़ लगी रही। इन भक्तों में एक 101 वर्षीय अम्मा देवकी देवी भी शामिल रहीं। देवकी देवी ने मंदिरों में जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। बताया गया कि देवकी देवी वर्तमान में अपने बच्चों के साथ गाजियाबाद में रहती हैं और वहां से अपनी बहू के साथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचीं। अम्मा का पैतृक घर देघाट में है। इनके अलावा उप परिवहन आयुक्त दिनेश चंद्र पटोही भी जागेश्वर धाम पहुंचे और उन्होंने

सपरिवार धाम में रुद्राभिषेक किया। इनके साथ ही अन्य श्रद्धालुओं ने पंडित चंद्रशेखर भट्ट के सानिध्य में जागेश्वर, हनुमान, नवग्रह, पुष्टि देवी, महामृत्युंजय, केदार नाथ इत्यादि मंदिरों में पूजा-अर्चना की।

डोल आश्रम पहुंचे वरिष्ठ नागरिक

अल्मोड़ा, एजेंसी।
वरिष्ठ नागरिक जन कल्याण समिति हल्द्वानी दो दिवसीय भ्रमण पर डोल आश्रम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शहर फाटक स्थित प्राचीन विष्णु मंदिर के दर्शन भी किए। इस मौके पर महामंत्री डीके पांडे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंदर सिंह निगल्टिया, प्रताप सिंह जंतवाल, विष्णु सिंह रावत, एडी डोर्बी, मोहन चंद्र बुडलाकोटी, एलएम लोहनी, शंकर दत्त तिवारी, मोहन सिंह जंतवाल, केके कबड़वाल, हेमचंद्र जोशी सहित कई लोग मौजूद रहे।

पंजाब में 15 वर्षों से गोशाला में बंधक बनाकर रखा नारायणबगड़ का युवक, वीडियो वायरल होने पर लगा पता

चमोली, एजेंसी।
एक एनजीओ ने बुधवार को सोशल मीडिया पर चमोली जनपद के एक युवक का वीडियो प्रसारित किया। जिसमें उसे भैंसों के तबेले में बंधक बनाकर कार्य कराने के बारे में बताया गया। पंजाब की एक गोशाला में पिछले 15 वर्षों से नारायणबग?(चमोली) के राजेश लाल को बंधक बनाकर रखने का मामला सामने आया है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो मामले का खुलासा हुआ। वायरल वीडियो का प्रशासन ने संज्ञान लिया। बुधवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी थराली ने कौब (भुलियाड़ा) गांव पहुंचकर राजेश के परिजनों से मुलाकात कर कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। एक एनजीओ ने बुधवार को सोशल मीडिया पर चमोली जनपद के

एक युवक का वीडियो प्रसारित किया। जिसमें उसे भैंसों के तबेले में बंधक बनाकर कार्य कराने के बारे में बताया गया। मानसिक रूप से परेशान राजेश लाल वीडियो में खुद को नारायणबग? निवासी बताकर मालिकों द्वारा अभद्र व्यवहार, मारपीट एवं गाली गलौज किए जाने की बात कह रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद डीएम के निर्देश पर उपजिलाधिकारी पंकज भट्ट राजेश लाल के घर पहुंचे।

डीयू सिलेबस से हटेगा पाकिस्तान-चीन और इस्लाम का चैप्टर शिक्षकों ने कहा- छात्रों की भू-राजनीतिक समझ होगी कमजोर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम से पाकिस्तान, चीन, इस्लाम और राजनीतिक हिंसा जैसे अहम विषयों को हटाने की सिफारिश को लेकर शिक्षकों में भारी नाराजगी है। विश्वविद्यालय की अकादमिक मामलों की स्टैंडिंग कमेटी की हालिया बैठक में इन बदलावों पर चर्चा हुई, जिसमें इन विषयों को या तो पूरी तरह हटाने या उनकी जगह नए पाठ्यक्रम लाने की बात कही गई। स्टैंडिंग कमेटी और अकादमिक काउंसिल की सदस्य डॉ. मोनामी सिन्हा ने जानकारी दी कि पाकिस्तान और विश्व, समसामयिक विश्व में चीन की भूमिका, इस्लाम और अंतरराष्ट्रीय संबंध, पाकिस्तानः राज्य और समाज, धार्मिक राष्ट्रवाद और राजनीतिक हिंसा जैसे कोर्स या तो हटाए जा रहे हैं या बड़े पैमाने पर संशोधित किए जा रहे हैं। डॉ. सिन्हा ने चेताया कि इन विषयों को हटाना शैक्षणिक गहराई और भू-राजनीतिक समझ को कमजोर करने वाला कदम होगा। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति की चुनौतियों में पाकिस्तान एक स्थायी विषय है। छात्रों को इस पर अध्ययन की गहराई से समझ मिलनी चाहिए। पाकिस्तान के महिमामंडन को हटाने का निर्देश पिछले दिनों कुलपति योगेश सिंह ने सभी विभागाध्यक्षों को पाठ्यक्रम की समीक्षा कर पाकिस्तान के अनावश्यक महिमामंडन को हटाने का निर्देश दिया था। यह बयान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद आया था। भूगोल और समाजशास्त्र पाठ्यक्रम में भी बदलाव की सिफारिश सिर्फ राजनीतिक विज्ञान ही नहीं, भूगोल और समाजशास्त्र जैसे विषयों में भी बदलाव की सिफारिश की गई है। एमए भूगोल के पहले सेमेस्टर में आंतरिक संघर्ष और धार्मिक हिंसा से जुड़े यूनिट को हटाने की बात की गई है। इसमें प्रसिद्ध समाजविज्ञानी पाल ब्रास के लेख को भी हटाने की सिफारिश हुई है। समाजशास्त्र में मार्क्स, वेबर और दुर्खीम पर आधारित थ्योरी पेपर की आलोचना करते हुए उसमें भारतीय विचारकों और संयुक्त परिवार संरचना को शामिल करने की बात उठी है। समान-लैंगिक परिवारों पर आधारित कैथ वेस्टन की रीडिंग को भी हटाने का प्रस्ताव आया, क्योंकि भारत में समलैंगिक विवाह वैध नहीं हैं। शिक्षक संगठनों ने जताई आपत्ति डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (डीटीएफ) की सचिव डॉ. आभा देव ने इन बदलावों को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि विभागों की अकादमिक स्वायत्तता को खत्म किया जा रहा है। पाठ्यक्रमों को आस्था के आधार पर बदला जा रहा है, न कि वैज्ञानिक अध्ययन और शिक्षण पद्धति के आधार पर। ये बदलाव छात्रवृत्ति को नुकसान पहुंचाएंगे। अकादमिक काउंसिल के निर्वाचित सदस्य मितुराज धूसिया ने स्टैंडिंग कमेटी की भूमिका पर सवाल उठाया और कहा कि यह कमेटी सुझाव दे सकती है लेकिन विभागों को कोर्स हटाने का सीधा निर्देश नहीं दे सकती।

श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा- किसी भी स्तर पर न हो अन्याय, वर्चुअल हियरिंग की व्यवस्था शीघ्र लागू की जाए

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में विभागीय आयुक्त, संयुक्त आयुक्त एवं जिला स्तर के उपायुक्तों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य फोकस श्रम विभाग में सूचना तकनीक के उपयोग को बढ़ाने और लंबित श्रमिक मामलों के त्वरित समाधान पर रहा। मिश्रा ने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि सूचना तकनीक को सुदृढ़ करना आज की प्रशासनिक आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि विभाग में वर्चुअल हियरिंग (ऑनलाइन सुनवाई) की व्यवस्था को शीघ्र लागू किया जाए ताकि श्रमिक अपने मामलों की सुनवाई में भौगोलिक बाधाओं के बिना भाग ले सकें। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर श्रमिकों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। चाहे मामला वेतन से जुड़ा हो, नौकरी से निकाले जाने का हो, प्रबंधन के खिलाफ हो या क्षतिपूर्ति से संबंधित-हर केस का त्वरित और निष्पक्ष निपटान किया जाना चाहिए। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि श्रम विभाग के पोर्टल पर सभी केसों की सूची, संबंधित आदेशों और विभागीय निर्णयों को सार्वजनिक किया जाए। इससे शिकायतकर्ता या पीड़ित पक्ष को समय पर सही और पारदर्शी जानकारी प्राप्त होगी और साथ ही विभाग की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। मंत्री ने यह भी बताया कि विभागीय प्रक्रियाओं को सरल, तकनीकी और जनोपयोगी बनाने की दिशा में कई सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा करने और फील्ड स्तर पर श्रमिकों से संवाद बनाए रखने की अपील की। बैठक में अधिकारियों ने मंत्री को विभाग की वर्तमान कार्यप्रणाली, तकनीकी ढांचे और लंबित मामलों की स्थिति से भी अवगत कराया।

संक्षिप्त खबरें

जामिया ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

नई दिल्ली,। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने ह्यनशा मुक्त भारत अभियानह्न के तहत इंटरनेशनल डे अगेंस्ट ड्रग एब्यूज को जागरूकता रैली के रूप में मनाया। इस रैली में एनएसएस और एनसीसी के छात्रों ने भाग लिया और नशे के दुष्प्रभावों को लेकर नारे और बैनर के माध्यम से संदेश दिया। रैली ने ड्रग्स के खतरे से निपटने के लिए छात्रों को संवेदनशील बनाने में विश्वविद्यालय की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला। इसका उद्देश्य छात्रों को अपने समुदायों में बदलाव के दूत बनने और नशा मुक्त भविष्य बनाने के लिए एक साथ आने के लिए प्रोत्साहित करना था। यह रैली शिक्षा, जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से युवा सशक्तिकरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के उद्देश्य से राष्ट्रीय अभियानों में सक्रिय रूप से योगदान देने की जामिया मिल्लिया इस्लामिया की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

पीजी में रहने वाले युवकों पर मारपीट का आरोप

ग्रेटर नोएडा,। बीटा-2 कोतवाली में बीटा-1 के दिव्यांश अवस्थी ने केस दर्ज कराया है कि 22 जून की रात अपनी पत्नी महिमा और साले आयुष के साथ रात का खाना खाकर घर लौट रहे थे। गाड़ी पार्क करते समय उन्होंने देखा कि पड़ोस में स्थित सी-134 में रमन द्वारा चलाए जा रहे पीजी के सामने कुछ लड़के तेज आवाज में म्यूजिक बजाकर पार्टी कर रहे है। दिव्यांश अपनी पत्नी और साले को घर के अंदर भेजकर गाड़ी अंदर खड़ी कर रहे थे। तभी एक युवक केशव उनके पास आया और बोला कि पीड़ित ने डायल-112 पर शिकायत की है। आरोपी ने फिर दिव्यांश की गर्दन पकड़ ली। आरोप है कि पुलिस के आने पर उनसे भी अभद्रता की। विरोध किए जाने पर मौके पर रमन बंसल और पुष्कर भी आ गए और तीनों ने मिलकर गाली-गलौच करते हुए पीड़ित के साथ मारपीट शुरू कर दी। झगड़े में दिव्यांश की सोने की चेन टूट गई और कहीं गिर गई। मारपीट में पीड़ित की नाक से खून निकलने के साथ घुटनों पर चोटें आईं है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर मामले की जांच की जा रही है।

पीजी में रहने वाले युवकों पर मारपीट का आरोप

ग्रेटर नोएडा, ।बीटा-2 कोतवाली में बीटा-1 के दिव्यांश अवस्थी ने केस दर्ज कराया है कि 22 जून की रात अपनी पत्नी महिमा और साले आयुष के साथ रात का खाना खाकर घर लौट रहे थे। गाड़ी पार्क करते समय उन्होंने देखा कि पड़ोस में स्थित सी-134 में रमन द्वारा चलाए जा रहे पीजी के सामने कुछ लड़के तेज आवाज में म्यूजिक बजाकर पार्टी कर रहे है। दिव्यांश अपनी पत्नी और साले को घर के अंदर भेजकर गाड़ी अंदर खड़ी कर रहे थे। तभी एक युवक केशव उनके पास आया और बोला कि पीड़ित ने डायल-112 पर शिकायत की है। आरोपी ने फिर दिव्यांश की गर्दन पकड़ ली। आरोप है कि पुलिस के आने पर उनसे भी अभद्रता की। विरोध किए जाने पर मौके पर रमन बंसल और पुष्कर भी आ गए और तीनों ने मिलकर गाली-गलौच करते हुए पीड़ित के साथ मारपीट शुरू कर दी। झगड़े में दिव्यांश की सोने की चेन टूट गई और कहीं गिर गई। मारपीट में पीड़ित की नाक से खून निकलने के साथ घुटनों पर चोटें आईं है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर मामले की जांच की जा रही है।

तिलक मार्केट में लगी आग दो दुकानें जलकर खाक

नई दिल्ली,। दिल्ली के रमेश नगर इलाके में तिलक मार्केट में बुधवार देर रात आग गई, जिसमें दो दुकानें और एक स्कूटर जलकर खाक हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना देर रात दो बजकर 55 मिनट पर मिली। डीएफएस अधिकारी ने बताया, ह्यहमने दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर भेजीं। आग लगने से खिलौने की एक दुकान, घड़ी की एक दुकान और एक स्कूटर जलकर खाक हो गए।ह्न उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के चार बजकर पांच मिनट तक आग पर काबू पा लिया गया।

छात्रों की मदद के लिए एसैप प्रतिबद्ध : ईशना गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) ने दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आने वाले छात्रों की मदद के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे स्वंयसेवी 24 घंटे छात्रों के साथ खड़े हैं। एसैप की सदस्य ईशना गुप्ता ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर कहा आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एसैप को लॉन्च कर देश के छात्रों को एक नया विजन दिया है। एसैप के कर्मठ सदस्य 24 घंटे छात्रों के साथ खड़े हैं। छात्रों का एक-एक दिन कीमती होता है। इसी के मद्देनजर एसैप ने अब तक कई सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया है। जब भी छात्रों को कोई मुश्किल आई तो एसैप की इकाइयों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ आवाज उठाई और जीत हासिल की। यदि छात्रों के साथ अन्याय का कोई मुद्दा एसैप के सामने आया, तो हमने उसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। सुश्री गुप्ता ने बताया कि हाल ही में चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में जो घटना हुई, उस मुश्किल घड़ी में एसैप ने छात्रों का साथ दिया और आर्थिक मदद भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि एसैप ने एक नई पहल की शुरूआत की है जिसके तहत दिल्ली विश्वविद्यालय में कला संकाय के बाहर एक प्रवेश हेल्प डेस्क तैयार किया है,जो छात्रों को यूजी और पीजी के दाखिले में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि जब एक छात्र 12वीं पास करता है, तो उसके बड़े सपने होते हैं। वह चाहता है कि अच्छे विश्वविद्यालय और कॉलेज में जाए लेकिन कई छात्र आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं और सही जानकारी के अभाव में पीछे रह जाते हैं। ऐसे छात्रों की मदद के लिए एसैप प्रतिबद्ध है और सभी छात्रों के लिए एक सपोर्ट सिस्टम बनाना चाहती है। कई छात्र हेल्प डेस्क तक नहीं पहुंच सकते, क्योंकि वे दूर दराज के इलाकों से यात्रा नहीं कर सकते। ऐसे छात्रों के लिए संगठन ने अपने विभिन्न सोशल मीडिया पेज के जरिए जोन-वाइज हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। एसैप सदस्य दीपक बंसल ने कहा कि एसैप 24 घंटे दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों की समस्याओं को उठाने के लिए काम कर रही है। संगठन के स्वयंसेवी सक्रिय हैं। देश की राजनीति में भाजपा और कांग्रेस एक सिक्के के दो पहलू बन चुके हैं, उसी तरह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और एनएसयूआई भी एक सिक्के के दो पहलू बन चुके हैं। दीपक बंसल ने कहा कि डीयू के छात्रों ने एबीवीपी और एनएसयूआई को दो-दो सीटों पर बहुमत दिया, ताकि वे उनकी मूलभूत सुविधाओं के लिए आवाज उठा सकें लेकिन ये प्रतिनिधि न तो उनकी आवाज बन पाए, न ही उनकी समस्याएं उठा पाए।

दिल्ली में सुबह न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस रहा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत से 0.7 डिग्री अधिक है। सुबह 8:30 बजे सापेक्ष आर्द्रता 74 प्रतिशत थी। आईएमडी ने दिन में मध्यम स्तर की बारिश होने और बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 115 रहा, जो मध्यम श्रेणी के तहत आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब ह्लऔर 401 और 500 के बीच एक्यूआई गंभीर माना जाता है।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय को देश में 16वीं एवं उत्तर प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंक हासिल

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। उत्तर भारत के प्रतिष्ठित शैक्षणिक समूह वेंक्टेश्वरा के स्वर्णिम इतिहास में आज का दिन सबसे यादगार रहा। देश के विश्वविद्यालयो/उच्च शैक्षणिक संस्थानो को रैकिंग प्रदान करने वाली देश की सबसे रैकिंग संस्थानो में से इण्डियन इंस्टीट्यूशनल रैकिंग फ्रेमवर्क (आई0आई0आर0एफ0 2025) ने देश के पाँच हजार से अधिक सरकारी/अर्द्धसरकारी/निजी एवं स्वायत्त उच्च शिक्षण संस्थानो की 2025 की ताजा जारी रैकिंग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रिसर्च एवं शानदार प्लेसमेंट के लिए वेंक्टेश्वरा को मेडिसिन एवं एलाईड साईन्स कैटेगरी/श्रेणी में देश में 16वीं रैंक एवं नार्थ जोन में 10वीं व उत्तर प्रदेश को शीर्ष तीसरी रैंक प्रदान की है। 25 जून को आई0आई0आर0एफ0-2025 द्वारा जारी की गयी रैकिंग में पूरे देश में 16वां एवं उत्तर प्रदेश में तीसरा सर्वश्रेष्ठ रैंक मिलने पर संस्थान प्रबन्धन में खुशी की लहर दौड गयी। संस्थान प्रबन्धन ने केक काटकर, एक दूसरे को मिठाई खिलाकर ढोल नगाडो की थाप पर नृत्य करते हुए इस शानदार उपलब्धि को सेलीब्रेट किया। वही संस्थान को देश भर के विश्वविद्यालयों के मध्य मिली इस शानदार रैंकिंग को संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि ने इसको व्यक्तिगत उपलब्धि ना बताकर संस्थागत उपलब्धि बताते हुए इसका सम्पूर्ण श्रेय विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षको एवं विशेष रूप से यहां अध्यनरत छात्र-छात्राओ एवं उनके अभिभावको को दिया है। बताते चले लगातार दसवें वर्ष जे0एन0यू0/जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नयी दिल्ली ने देश में शीर्ष पहले स्थान पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के डॉ0 सी0वी0रमन सभागार में वेंक्टेश्वरा को देश में आई0आई0आर0एफ0-2025 (इण्डियन इंस्टीट्यूशनल रैकिंग फ्रेमवर्क) में 16वां स्थान मिलने पर आयोजित नेशनल रैकिंग सेलीब्रेशन समारोह-2025 का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे, मेडिकल सुपरिटेन्डेंट डॉ0 मेहता आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो0 पीयूष पाण्डेय, समूह सलाहकार प्रो0 आर0एस0 शर्मा, डारेक्टर लीगल देवप्रताप सिंह, डॉ0 एल0एस0 रावत, डॉ0 ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ0 रीना जोशी, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 योगेश्वर प्रसाद शर्मा, डॉ0 आशुतोष सिंह, डॉ0 नीतू पवर, डॉ0 ओमप्रकाश गोसाई, प्रो0 दर्पण कौशिक, डॉ0 टी0पी0 सिंह, डॉ0 अश्वनि सक्सेना, डॉ0 अनिल जायसवाल, डॉ0 राम कुमार, डॉ0 मोहित शर्मा, हेड एच0आर0 कुलदीप सिंह, तरूण कम्बोज, आनन्द नागर, फैजान, प्रीतपाल, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

रमेश बजाज की प्रथम पुण्यतिथि पर स्वास्थ्य चिकित्सा कैंप व भंडारे का आयोजन

नई दिल्ली,। माता वैष्णोदेवी स्थित कटरा में बहुप्रचारित महामाई सेवा न्यास के प्रमुख, लाजपतराय मार्किट के पूर्व अध्यक्ष, व्यापारी नेता व प्रबुद्ध व्यवसायी स्व.श्री रमेश बजाज को उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर याद किया गया। अपने मधुर संबंधों और प्रत्येक व्यक्ति के सुख-दुख के सहभागी श्री बजाज की स्मृति में लाजपतराय मार्किट में धर्मशिला अस्पताल के वरिष्ठ डाक्टरों के पैनल द्वारा करीब 467 लोगों के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच की गई। मौके पर ही कमजोर आंखों वाले मरीजों को चश्मे वितरित किए गए। स्व.श्री रमेश बजाज माता के अनन्य भक्तों में से एक थे, इसलिए उनकी स्मृति में देवी माता का भोग लगाकर प्रसाद वितरित व भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुदर्शन बजाज, दीपक, दिनेश, आर्यन बजाज, जगबीर सिंह बीरा, भारत भूषण, श्रीमोहन चोपड़ा सहित उनके पारिवारिक सदस्य व न्यास के सहयोगी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को नशा मुक्त दिल्ली व भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया

नई दिल्ली,। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम हिस्सा लिया। उन्होंने इस मौके पर युवाओं को नशे से दूर रहने, समाज को जागरूक करने और नशा मुक्त दिल्ली व भारत के निर्माण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली सरकार के मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, विधायक ओम प्रकाश शर्मा, संजय गोयल एवं डॉ. अनिल गोयल मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार की एकता और समाज की बुनियाद को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। हमारा उद्देश्य है कि दिल्ली की युवाशक्ति अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और सकारात्मक परिवर्तन में लगाए, यही हमारी सरकार का मूल संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिया गया ह्लनशा मुक्त भारतह्व का संकल्प आज पूरे देश में जन-आंदोलन बन चुका है। इस अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाने में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का सक्रिय मार्गदर्शन और सशक्त प्रशासनिक नेतृत्व अत्यंत प्रेरणादायक है। दिल्ली सरकार इस राष्ट्रीय उद्देश्य की पूर्ति के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है। दिल्ली पुलिस द्वारा संचालित यह जन-जागरूकता अभियान सराहनीय है और दिल्ली सरकार इसमें कंधे से कंधा मिलाकर संकल्पबद्ध रूप से सहभागी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर एक नशा मुक्त, जागरूक और सशक्त दिल्ली के निर्माण में सहभागी बनें।

अमरोहा में एनआईए का छापा, आतंकी साजिश मामले में कार्रवाई

प्रात: किरण संवाददाता

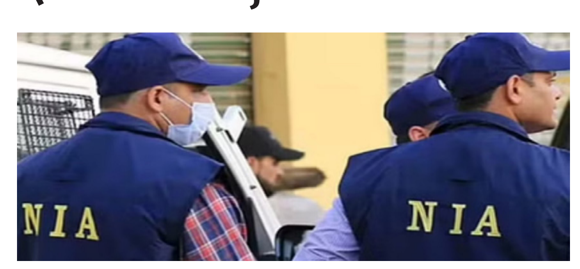

अमरोहा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआई) की टीम ने बृहस्पतिवार तड़के अमरोहा शहर और सिहाली जागीर गांव में छापा मारा। तीन घंटे तक एनआईए की टीम ने जालंधर में भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर ग्रेनेड हमला करने वाले सैदुल इस्लाम के दोस्त नवाब और उसके परिजनों से पूछताछ की। सिहाली जागीर निवासी अब्दुल हकीम के दिल्ली में रहने वाले बेटे अजीम और जुरखन के बारे में भी जानकारी जुटाई। कार्रवाई पूरी होने तक टीम ने घर के सदस्यों को बाहर जाने नहीं दिया। एनआईए की छापेमारी से स्थानीय पुलिस पूरी तरह अंजान रही। घरों की तलाशी ली गई और सभी सदस्यों से अलग-अलग पूछताछ की गई। एनआईए ने दोनों जगह घर का नक्शा भी तैयार किया। फिलहाल, एनआई ने सैदुल इस्लाम के दोस्त नवाब और सिहाली जागीर के रहने वाले अब्दुल हकीम को तीन अगस्त को दिल्ली ऑफिस बुलाया है। पंजाब के जालंधर में हुए ग्रेनेड हमले के मामले में सैदुल को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। सूत्रों के अनुसार एजेंसी ने पंजाब में नौ, हरियाणा में सात जगहों पर एक साथ कार्रवाई की है। बता दें कि जालंधर में सात अप्रैल की रात भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर पर ग्रेनेड से हमला किया गया था। जालंधर में भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर ग्रेनेड से हमला करने के बाद अमरोहा के सैदुल अमीन का नाम सामने आने के बाद खुफिया एजेंसी सक्रिय हो गई थी। सात साल पहले हरकत-उल-हरब-ए-इस्लाम मॉड्यूल का खुलासा होने के बाद अमरोहा एक बार फिर एजेंसियों के रडार पर है। सैदुल अमीन के बारे में बारीकी से छानबीन की जा रही है। उसके परिचित और रिश्तेदारों पर भी नजर है। 26 दिसंबर 2018 को एनआईए और एटीएस की टीम ने संयुक्त रूप से शहर कोतवाली के मोहल्ला मुल्लाना, पचदरा, इस्लामनगर और नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के गांव सैदपुर इम्मा में छापा मारा था। संयुक्त टीम की करीब दस घंटे कार्रवाई चली थी। घरों के दरवाजे तोड़कर घुसी टीम ने मोहल्ला मुल्लाना से मुफ्ती सुहैल, मोहल्ला पचदरा से इरशाद, सैदपुर इम्मा निवासी सईद और रईस को गिरफ्तार किया था। इनके पास से पिस्टल, तमंचे, कारतूस, बारह किलो संदिग्ध आरडीएक्स और एक संदिग्ध राकेट लांचर बरामद किया गया था। जांच में नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के गांव बांसखेड़ी निवासी मौलाना गुफरान के सुहैल से संबंध होने की बात सामने आई थी। कई दिनों की पूछताछ के बाद 20 अप्रैल 2019 को एनआईए ने गुफरान को भी गिरफ्तार कर तेरहवां आरोपी बनाया। गिरफ्तारी के करीब छह महीने बाद एनआईए ने मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। चार्जशीट में हरकत-उल-हरब-ए-इस्लाम के सरगना मुफ्ती सुहैल समेत सईद और मौलाना गुफरान के नाम चार्जशीट में शामिल थे। उधर, अमरोहा नगर के कटरा बख्तावर के रहने वाले सैदुल अमीन का नाम जालंधर में भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर ग्रेनेड से हमला करने के उजागर होने के बाद अमरोहा फिर सुर्खियों में आ गया है। इसके बाद केंद्रीय एजेंसियां और यूपी एटीएस सक्रिय हो गई है। पंजाब पुलिस ने दावा किया है कि सैदुल अमीन के लिंक आतंकियों से जुड़े हैं। उधर, सैदुल अमीन की गिरफ्तारी के बाद अमरोहा के लोग हैरत में हैं।

अकाउंट से 74.61 लाख कटने पर बैंक ने कहा- नहीं हुई कोई धोखाधड़ी, अब हाई कोर्ट ने आरबीआई और एचडीएफसी को भेजा नोटिस

नई दिल्ली,। एक व्यक्ति के बैंक खाते से धोखाधड़ी कर 74.61 लाख रुपये डेबिट करने की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और एचडीएफसी बैंक से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता मनमोहन कुमार की याचिका पर न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने आरबीआई और एचडीएफसी बैंक को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता मनमोहन कुमार ने शिकायत में कहा है कि उनके एचडीएफसी बैंक खाते से धोखाधड़ी से 74 लाख 61 हजार 990 की राशि डेबिट कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया है कि ऐसा उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर और खाते से जुड़े ईमेल आईडी को अनधिकृत रूप से बदलने के बाद किया गया। मनमोहन कुमार ने कहा कि उनकी सहमति के बिना उनके नाम पर एक वर्चुअल डेबिट कार्ड भी बनाया गया था। एचडीएफसी बैंक ने शुरू में इस लेनदेन को उलट दिया और पैसे वापस उसके खाते में डाल दिए। हालांकि, बाद में बैंक ने पैसे वापस काट लिए और दावा किया कि कोई धोखाधड़ी वाला लेनदेन नहीं हुआ था। इसके बाद मनमोहन कुमार ने आरबीआई बैंकिंग लोकपाल के पास शिकायत दर्ज कराई और उन्होंने भी माना कि एचडीएफसी की कोई गलती नहीं थी। जिसके बाद पीड़ित ने हाई कोर्ट का रुख किया।

कांवड़ कैंपों के लिए बिजली यूनिट बढाये सरकार : वीर सिंह धिंगान

नई दिल्ली,। दिल्ली सरकार द्वारा कांवड समितियों को सीधी आर्थिक सहायता देने के निर्णय को गलत बताते हुए आप विधायक वीर सिंह धिंगान ने इस पर पुनर्विचार करने की मांग की है। धिंगान ने कहा कि आगे चलकर कांवड़ समितियों को आर्थिक सहायता देने में पक्षपात की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। धिंगान ने कहा कि कांवड़ समितियों पर व्यवस्था की जिम्मेदारी डाल कर सरकार अपनी धार्मिक जिम्मेदारी से बचना चाहती है। धिंगान ने कहा कि सरकार के इस फैसले से समितियों को आर्थिक सहायता देने के समय विवादों का होना निश्चित है। धिंगान ने बिजली का खर्चा सरकार द्वारा करने पर सरकार का धन्यवाद भी किया है। तथा बिजली की 1,200 युनिट से बढ़ाकर 1,500 युनिट करने की मांग भी की है।

एसीबी ने आप के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन और सौरभ भारद्वाज के खिलाफ मामला दर्ज किया

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने आम आदमी पार्टी (आप) की पिछली सरकार में स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में पूर्व मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों भारद्वाज और जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एसीबी से जांच कराने की मंजूरी दिए जाने के कुछ दिनों बाद यह मामला दर्ज किया गया है। ह्यआपह्न की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इस मामले में शिकायत पिछले साल भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता ने दर्ज कराई थी। अधिकारियों के अनुसार, 2018-19 में 5,590 करोड़ रुपये की लागत से 24 अस्पताल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को लेकर अकारण विलंब हुआ और इनकी लागत में अत्यधिक वृद्धि हुई। सक्षम प्राधिकारी से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत अनुमोदन प्राप्त करने के बाद मामला दर्ज किया गया।

डीयू प्रशासन से मांग, कॉलेजों में खराब इंफ्रास्ट्रक्चर को जल्द सुधारे और हॉस्टलों की फीस वृद्धि न की जाए: दीपक बंसल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली यूनिवर्सिटी में दाखिले के दौरान आने वाली समस्याओं को लेकर छात्रों को अब परेशान नहीं होना पड़ेगा। आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन एसैप ने ऐसे छात्रों की मदद के लिए डीयू के आर्ट्स फैकल्टी के बाहर एक एडमिशन हेल्प डेस्क लगाया है, जहां छात्रों को उनकी हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। इसके अलावा, दिल्ली से बाहर के राज्यों से आकर डीयू के कॉलेजों में एडमिशन लेने वाले छात्रों को भी अपनी आशंकाओं-सवालों के जवाब के लिए कहीं भटकने की जरूरत नहीं है। इसके लिए एसैप ने जोन वार हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। इन नंबरों पर कॉल कर छात्र अपने सवालों के जवाब पा सकते हैं। गुरुवार को आप मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर एसैप के सदस्य ईशना गुप्ता और दीपक बंसल ने यह जानकारी दी। ईशना गुप्ता ने कहा कि ह्वआपह्व के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एसैप को लॉन्च कर देश के छात्रों को एक नया विजन दिया है। एसैप के कर्मठ सदस्य 24 घंटे छात्रों के साथ खड़े हैं। छात्रों का एक-एक दिन कीमती होता है। इसी के मद्देनजर एसैप ने अब तक कई सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया है। जब भी छात्रों की कोई मुश्किल घड़ी आई, एसैप की इकाइयों ने अन्य कॉलेजों के प्रशासन के खिलाफ आवाज उठाई और जीत हासिल की। यदि छात्रों के साथ अन्याय कोई मुद्दा एसैप के सामने आया, तो हमने उसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। ईशना गुप्ता ने बताया कि हाल ही में चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में जो घटना हुई, उस मुश्किल घड़ी में एसैप ने छात्रों का साथ दिया और आर्थिक मदद भी प्रदान की। जब एसैप के छात्र वहां गए तो देखा कि छात्र साथी कॉलेज के गेट के बाहर धूप, गर्मी और बारिश में संघर्ष कर रहे थे। एसैप को लगा कि छात्रों को खानपान में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। यह तो बस शुरूआत है। इसी जज्बे को आगे बढ़ाते हुए एसैप ने बुधवार को एक नई पहल लॉन्च की है। इसके तहत एसैप ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की आर्ट्स फैकल्टी के बाहर एक एडमिशन हेल्प डेस्क तैयार किया है, जो छात्रों को यूजी और पीजी के दाखिले में मदद करेगा। ईशना गुप्ता ने कहा कि जब एक छात्र 12वीं पास करता है, तो उसके बड़े सपने होते हैं। वह चाहता है कि अच्छी यूनिवर्सिटी और कॉलेज में जाए। लेकिन कई छात्र आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं और सही जानकारी के अभाव में पीछे रह जाते हैं। ऐसे छात्रों की मदद के लिए एसैप प्रतिबद्ध है और सभी छात्रों के लिए एक सपोर्ट सिस्टम बनाना चाहती है। कई छात्र हेल्प डेस्क तक नहीं पहुंच सकते, क्योंकि वे दूर दराज के इलाकों से यात्रा नहीं कर सकते। ऐसे छात्रों के लिए संगठन ने अपने विभिन्न सोशल मीडिया पेज के जरिए जोन-वाइज हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि इन हेल्पलाइन नंबरों के जरिए छात्र यूजी और पीजी एडमिशंस के लिए तत्काल सहायता ले सकते हैं, अपने डाउट और क्वेरीज पूछ सकते हैं। इस हेल्प डेस्क और हेल्पलाइन के लॉन्च का मकसद हर छात्र को आत्मनिर्भर महसूस कराना है। उनकी एडमिशन की यात्रा को आसान बनाया जाए। एसैप सभी छात्रों के साथ 24 घंटे खड़ा है, क्योंकि संगठन का मानना है कि जब छात्रों की शुरूआत अच्छी होती है, तभी वे आगे चलकर देश और समाज में बदलाव ला सकते हैं। वहीं, एसैप सदस्य दीपक बंसल ने कहा कि एसैप 24 घंटे दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रों की समस्याओं को उठाने के लिए काम कर रहा है। संगठन के वॉलंटियर्स सक्रिय हैं। देश की राजनीति में भाजपा और कांग्रेस एक सिक्के के दो पहलू बन चुके हैं, उसी तरह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और एनएसयूआई भी एक सिक्के के दो पहलू बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में डीयू में एक निंदनीय घटना घटी, जहां एबीवीपी के अध्यक्ष प्रत्याशी ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) ऑफिस में ताला लगाया। कुछ ही देर बाद एनएसयूआई के अध्यक्ष, जो डूसू अध्यक्ष भी हैं, वहां पहुंचे और हथौड़े से ताला तोड़ने का काम किया। यह एक स्क्रिप्टेड घटना थी, जो दिखाती है कि डीयू में केवल रील की राजनीति हो रही है। दीपक बंसल ने कहा कि डीयू के छात्रों ने एबीवीपी और एनएसयूआई को दो-दो सीटों पर बहुमत दिया, ताकि वे उनकी मूलभूत सुविधाओं के लिए आवाज उठा सकें। लेकिन ये प्रतिनिधि न तो उनकी आवाज बन पाए, न ही उनकी समस्याएं उठा पाए। हाल ही में जाकिर हुसैन कॉलेज में आग लगने की घटना इसका उदाहरण है, जहां कोई इमरजेंसी गेट नहीं था, न ही फायर अलार्म या फायर इंस्ट्रूमेंट्स थे। यह डीयू प्रशासन के लिए शर्म की बात है। दीपक बंसल ने कहा कि डीयू विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में गिना जाता है। यहां देश व दुनिया भर से छात्र पढ़ने आते हैं, वहां मूलभूत सुविधाएं जैसे पानी की व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वच्छ मेस की कमी है।

डीसीपी प्रशांत गौतम की अगुवाई में बड़ी सफलता

तीन साल से लापता बच्चा यूपी से बरामद, माता-पिता से हुआ भावुक पुनर्मिलन

प्रात: किरण . मनोज जैन

शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने जानकारी दी कि थाना फर्श बाजार की पुलिस टीम ने तीन वर्षों से लापता एक नाबालिग बच्चे को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से बरामद कर उसके माता-पिता से मिलवाने में सफलता पाई है। डीसीपी ने पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि यह मामला बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन हमारी टीम ने लगातार प्रयास करते हुए इसे अंजाम तक पहुंचाया। उन्होंने बताया कि इस केस ने यह साबित किया कि दिल्ली पुलिस केवल अपराध रोकने तक सीमित नहीं, बल्कि संवेदनशीलता के साथ मानवीय कार्यों में भी आगे रहती है। यह मामला 30 जनवरी 2023 को एफआईआर नंबर 59/23 धारा 363 आईपीसी के अंतर्गत थाना फर्श बाजार में दर्ज किया गया था। श्री ललित शाह निवासी प्रकाश कुंज, बिहारी कॉलोनी, शाहदरा ने अपने 13 वर्षीय पुत्र शंकर शाह की गुमशुदगी की सूचना दी थी। जांच की ज़िम्मेदारी एएसआई नफीस मोहम्मद (बैज नंबर 754/शाहदरा) को सौंपी गई, जिन्होंने मुख्य सिपाही लव कुश (बैज नंबर 1306/शाहदरा) के साथ मिलकर गंभीरता से मामले को सुलझाया। पूरे देशभर में सूचना प्रसारित की गई, दूरदर्शन, सीबीआई, पुलिस व्हाट्सएप समूह, सीसीटीवी फुटेज, अखबारों में विज्ञापन, ह्यू एंड क्राय नोटिस – हर माध्यम का भरपूर उपयोग किया गया। 20 मई 2025 को बच्चे के पिता को एक अनजान नंबर से फोन आया, जिससे पुलिस को अहम सुराग मिला। तुरंत कार्रवाई करते हुए टीम ने तकनीकी विश्लेषण किया और 12 जून 2025 को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद के थाना नाकुड़ अंतर्गत गांव फेहरू माजरा से बालक को बरामद किया गया। पूछताछ में बच्चे ने बताया कि माता-पिता की डांट से नाराज होकर वह आनंद विहार रेलवे स्टेशन गया और वहां से किसी ट्रेन में बैठकर सहारनपुर जा पहुंचा। एक ढाबे पर काम कर रहा था, जहां उसे भोजन और रहने की सुविधा मिलती रही। 13 जून को विधिक प्रक्रिया पूर्ण कर उसे परिवार को सौंपा गया। इस कार्य में थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अजय करण शर्मा के नेतृत्व में कार्यरत टीम और सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) श्री विजय कुमार नागर की देखरेख में कार्य किया गया, जिसकी सर्वत्र सराहना हो रही है।

दिल्ली में भी जिहादियों से निपटने के लिए योगी मॉडल लागू हो: जय भगवान गोयल

नई दिल्ली,। यूनाईटेड हिंदू फ्रंट के अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने कहा कि उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के अशोक नगर क्षेत्र में एक हिंदू लड़की को कथित तौर पर दूसरे समुदाय के लड़के द्वारा छत से फेंककर हत्या किये जाने का मामला इसलिए हुआ क्योंकि लड़की ने उस लड़के की बात नहीं मानी। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाने और जिहादियों से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ का मॉडल अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आए दिन लव-जिहाद की घटनाएं जिस तरह से घट रही हैं। ऐसे में क्षेत्र के लोगों की यह मांग है कि दिल्ली में भी योगी मॉडल लागू करके इन जिहादियों को रोका जा सकता है। अन्यथा उत्तरी-पूर्वी जिला धीरे- धीरे हिंदुओं से खाली हो जाएगा। गोयल ने कहा कि फ्रंट के प्रतिनिधिमंडल ने उनके नेतृत्व में पीड़ित परिजनों से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को फांसी दिलाने तथा परिवार के लोगों ने सरकार से आर्थिक मदद की मांग भी रखी है। गोयल ने परिवार को आश्वस्त किया कि दिल्ली सरकार द्वारा परिवार को जरूर आर्थिक मदद दिलवाई जाएगी। जय भगवान गोयल ने कहा कि लगभग पिछले 3 साल से भाई बनने का ढोंग करके घर में दूसरे समुदाय का युवक घुसा फिर अपनी औकात में आकर लड़की पर शादी करने के लिए जबरदस्ती दबाव बनाने लगा। घरवालों व लड़की के मना करने पर साजिश के तहत बहाने से बुर्का पहनकर कपड़े धो रही लड़की के साथ 5वीं मंजिल पर जबरदस्ती करने लगा और विरोध करने पर पर छत से गिराकर उसकी हत्या कर दी।

शाहदरा ज़िले में सौर ऊर्जा की नई लहर

गांधी नगर और कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्रों में बीएसईएस शिविर को मिली सराहना

प्रात: किरण .मनोज जैन

बीएसईएस कृष्णा नगर डिवीजन द्वारा शाहदरा ज़िले के अंतर्गत गांधी नगर क्षेत्र में वैकल्पिक और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महाराणा प्रताप पार्क और श्री दिगंबर जैन मंदिर, गली संख्या 6, शंकर नगर एक्सटेंशन में सौर ऊर्जा जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस जनहित कार्यक्रम में लगभग 40 परिवारों ने भाग लिया और अपनी छतों पर सोलर पैनल लगवाने के प्रति उत्साह दिखाया। इस शिविर के माध्यम से बीएसईएस अधिकारियों ने नागरिकों को बताया कि यदि कोई 3 किलोवॉट का सौर संयंत्र लगवाता है तो उसकी लागत 1.80 लाख आती है, जिसमें 1.08 लाख की सब्सिडी सरकार प्रदान करती है। उपभोक्ता को केवल 72,000झ75,000 तक वहन करना होता है। अतिरिक्त बची बिजली को बीएसईएस 3 प्रति यूनिट की दर से खरीदता है, जिससे नागरिकों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ होता है। यह शिविर बीएसईएस कृष्णा नगर डिवीजन, जो गांधी नगर और कृष्णा नगर झ दोनों विधानसभा क्षेत्रों को कवर करता है, के नागरिकों के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ। इस आयोजन की सफलता में बीएसईएस कृष्णा नगर के बिजनेस मैनेजर श्री अभिषेक शर्मा, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (निवासी कल्याण संघ) शंकर नगर एक्सटेंशन के अध्यक्ष श्री गुलशन कुमार जैन, श्री भूषण कुमार जैन, श्री विनोद कुमार जैन, तथा श्री सचिन कुमार जैन की भी विशेष भूमिका रही। बीएसईएस की तकनीकी टीम से क्षेत्रीय प्रबंधक श्री नितीश शर्मा, कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव श्री आदित्य त्यागी, एवं सोलर टीम एक्जीक्यूटिव श्री हर्ष ने नागरिकों को योजनाओं, सब्सिडी और सोलर तकनीक की व्यवहारिक जानकारी दी। श्री अभिषेक शर्मा, जिन्होंने हाल ही में इस डिवीजन का कार्यभार संभाला है, शुरूआत से ही क्षेत्र में सक्रियता के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान स्पष्ट चेतावनी दी कि क्षेत्र में बिजली विभाग का करोड़ों रुपये का बकाया लंबित है, जिसे शीघ्र जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा विभाग सख्त कार्रवाई करेगा। श्री शर्मा इससे पूर्व राजधानी के तीन-चार अन्य डिवीजनों में भी कार्य कर चुके हैं, और जहां-जहां रहे, उन्होंने ईमानदारी, जवाबदेही और सौम्य व्यवहार से उपभोक्ताओं में विश्वास अर्जित किया। उनकी प्राथमिकता न केवल तकनीकी सुधार है, बल्कि उपभोक्ताओं की शिकायतों को समय पर सुनना और समाधान देना भी है। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि जब विभाग, निवासी कल्याण संघ और जागरूक नागरिक मिलकर कार्य करते हैं, तो हरित ऊर्जा जैसे विषय केवल योजना नहीं, बल्कि जन-आंदोलन बन जाते हैं। गांधी नगर और कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र इस दिशा में अग्रणी मिसाल बनते जा रहे हैं।

एआईएफ योजना का लाभ देने पर जोर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा,। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को डिस्ट्रिक्ट लेवल मॉनिटरिंग कमेटी (डीएलएमसी) की बैठक हुई। इसमें डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कमेटी और एआईएफ एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) योजना का लाभ देने पर जोर दिया गया। इस दौरान जिला प्रबंधक नाबार्ड ने एआईएफ योजना से संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया। यह योजना अगस्त 2020 में शुरू हुई थी। इसके तहत दो करोड़ तक ऋण पर तीन प्रतिशत ब्याज अनुदान और ऋण गारंटी की सहायता प्रदान की जाती है। डीएम ने योजना के प्रचार प्रसार पर जोर दिया। इस योजना के लाभार्थी किसान, पैक्स विपणन सहकारी समिति, एफपीओ, कृषि उद्यमी, स्टार्ट-अप, स्वयं सहायता समूह आदि हैं। आवेदक लाभ पाने के लिए पोर्टल पर आनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

संजय मावी आरडब्ल्यूए अध्यक्ष बने

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा,। सेक्टर-56 आरडब्ल्यूए की चुनाव में विपक्ष से किसी प्रत्याशी के नामांकन नहीं करने पर संजय मावी के पैनल को निर्विरोध चुन लिया गया। इसमें अध्यक्ष संजय मावी, महासचिव जीके बंसल, कोषाध्यक्ष अमीर सिंह यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश जुगरान, उपाध्यक्ष हरीश सभरवाल, संयुक्त सचिव ओमप्रकाश अग्रवाल, संयुक्त सचिव (महिला) सुनीता सिंह और संयुक्त कोषाध्यक्ष रुचि अग्रवाल चुनी गईं। संजय मावी पैनल की यह पांचवीं जीत है। नई कार्यकारिणी का कार्यकाल 2027 तक रहेगा। इसके अतिरिक्त सभी ब्लॉक प्रतिनिधि निर्विरोध घोषित किए गए। इसमें ए ब्लॉक से बीसी गौड़, बी ब्लॉक से प्रवीन मित्तल, सी ब्लॉक से संजय शर्मा, डी ब्लॉक से लक्ष्मण सिंह सैनी, एफ ब्लॉक से गुलकेश कुमार और जी ब्लॉक से अजयपाल तंवर चुने गए।

स्योहारा में हुई कावड़ यात्रा और मोहर्रम को लेकर अमन कमेटी की बैठक

काँवड़ यात्रा व मोहर्रम को सकुशल संपन्न कराने तथा कानून व्यवस्था बनाने में सभी करें सहयोग-- अभय कुमार पांडे सी.ओ.धामपुर

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। आगामी मोहर्रम और काँवड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने उच्चधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रांगण में अमन कमेटी की मीटिंग का आयोजन कराया। मीटिंग में पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर ने अभय कुमार पांडेय ने अपने सम्बोधन में उपस्थित नगर एवं क्षेत्र वासियों से कहा हमारी प्राथमिकता क्षेत्र के अंदर हर हाल में शांति कायम कराना और कानून व्यवस्था बनाए रखवाना है उन्होंने सभी से आपसी सौहार्द के काँवड़ यात्रा और मौहर्रम को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये सहयोग की अपेक्षा की। और कहा कि छोटी-से छोटी घटनाओं को तुरंत पुलिस को सूचना दें और कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ मे न ले। अफवाहों का बाजार गर्म ना होने दें। उन्होंने काँवरथियो द्वारा डीजे के प्रयोग पर विशेष सलाह देते हुए कहा कि वह एक निश्चित मानक के अनुसार ही डीजे का प्रयोग करे। डीजे बजाने की फ्रीक्वेंसी मानक से ज्यादा ना हो जिस किसी भी दिल के रोगी या अन्य बीमार व्यक्तियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने डीजे किराए पर देने वालों को सचेत करते हुए कहा कि जो भी डीजे किराए पर लेने आएं उसे बता दें कि डीजे की ऊंचाई 12 फीट से ज्यादा नहीं होगी। स्योहारा के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर एच.एस कॉलरा ने भी मीटिंग के माध्यम से कांवर्थ यात्रा में डीजे बजाने वालो से एक निश्चित मानकर के अनुसार ही डीजे बजाने का अनुरोध किया जिससे किसी भी दिल के रोगी की धड़कन न बढ़े और उसे किसी समस्या का सामना करना पड़े। इस मीटिंग में शहर व ग्रामीण क्षेत्रों से आये मोहर्रम अखाड़ा तथा कांवर्ति शिविर के आयोजक गण भी शामिल रहे। मीटिंग में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं चिकित्सक डॉ. विनीत देवरा, डॉ.चौधरी फहीम उर रहमान,डॉक्टर एच.एस.कॉलरा, मौलाना अरशद अली हक्की,पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा मनोज भटनागर,डॉ. यगदत्त गौंड़ , डॉ. अमित कुमार वर्मा,फैसल हिलाल, शकील अहमद मनसूर सरायह्व मास्टर विजय पाल सिंह, अरविंद कुमार वाल्मीकि, प्रमोद कुमार वाल्मीकि, नीटू जोशी पूर्व सभासद,मौहम्मद यामीन ग्राम प्रधान सफियाबाद -मन्डोरी, इशरत अली ग्राम प्रधान मेवा नवादा, सलीम अहमद ग्राम प्रधान मुकरपुरी ,राजपाल प्रजापति, राजवीर त्यागी, अमित शर्मा,शैलेन्द्र उर्फ बब्बू,देवेंद्र कुमार वरिष्ठ लिपिक न.पा. ,शौकत अली ग्राम प्रधान किवाड़ आदि सहित अनेक गणमान्य लोगो के साथ साथ थाना स्टाफ से सहसपुर चौकी इंचार्ज यशदेव शर्मा, उपनिरीक्षक राजेश कुमार, उप निरीक्षक उमेशचन्द यादव, उपनिरीक्षक ऑस्कार खान आदि भी उपस्थित रहे। थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने अमन कमेटी की मीटिंग में आये सभी आगन्तुको का आभार व्यक्त किया।

सरकार से मांग करेंगे कि वह दिल्ली के पत्रकारों की सुविधाओं के लिए कारगर कदम उठाए : डॉक्टर हर्षवर्धन

वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया यूनियन की तरफ से दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन को दिया गया ज्ञापन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली के पत्रकारों की मांगों को लेकर, एक ज्ञापन हमारी यूनियन, वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया की तरफ से दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन जी को ज्ञापन दिया गया। आपको पता ही होगा कि डॉक्टर हर्षवर्धन जब दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री थे तो पत्रकारों को लेकर, मेडिकल एड बिल लाए थे, जिसे शीला दीक्षित व केजरीवाल सरकार ने तबाह कर दिया था। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि वर्किंग जनरलिस्ट ऑफ इंडिया के पत्रकारों माध्यम से मुझे ज्ञापन दिया गया है। उन्होंने कहा कि 1995 में जब दिल्ली में बीजेपी की सरकार थी उस समय दिल्ली के पत्रकारों को अनेक प्रकार की सुविधाएं सरकार द्वारा दी जाती थी। बाद में दिल्ली में कांग्रेस की सरकार आ गई और उसके बाद आम आदमी पार्टी की सरकार आ गई इन दोनों सरकारों ने पत्रकारों की सुविधाओं पर रोक लगा दी थी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अब दिल्ली में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार है। वह सरकार का हिस्सा अब नहीं रहे हैं पर सरकार में बैठे लोगों से मांग करेंगे कि वह दिल्ली के पत्रकारों की सुविधाओं के लिए कारगर कदम उठाएं। ज्ञापन यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार उपाध्याय, राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र भंडारी, दिल्ली यूनिट के अध्यक्ष संदीप कुमार शर्मा जी की तरफ से डॉक्टर हर्षवर्धन जी को दिया गया। इस अवसर पर पत्रकार बलराम शर्मा, मनी आर्य, राजेश खन्ना ईश मालिक, शिवाजी सरकार, महेश ढोंडियाल, महेंद्र, सुमित उपाध्याय, पवन जुनेजा भी मौजूद थे।

समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने में स्वामी सहजानंद सरस्वती की भूमिका अभूतपूर्व: शहनवाज हुसैन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। साउथ एवेन्यू में युवा चेतना के तत्वावधान में विश्व के महान किसान-मजदूर नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर समारोह का आयोजन किया गया। पुण्यतिथि पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन, युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने स्वामी सहजानंद सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने के लिए स्वामी सहजानंद सरस्वती ने अभूतपूर्व भूमिका का निर्वहन किया। कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती ने वंचित वर्ग के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय अभियान चलाया। कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि ऐसे कई नेता हैं जिन्होंने कई हवाई अड्डा पर अपने नाम का कब्जा कर लिया है तो फिर गरीबों के नेता स्वामी सहजानंद के नाम पर हवाई अड्डा और कोई महत्त्वपूर्ण संस्थान क्यों नहीं? पुण्यतिथि समारोह की अध्यक्षता करते हुए युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती सामाजिक न्याय के आधार स्तंभ थे। बिहार सहित देश में समानता के स्थापना के लिए स्वामी जी ने बड़ी लड़ाई लड़ी। भाजपा सरकार ने ही पहली बार स्वामी सहजानंद सरस्वती के स्मृति में डाक टिकट जारी किया था। कहा कि हमें विश्वास है की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बिहटा का हवाई अड्डा उनके नाम पर करेगी। उनके नाम पर कृषि विश्वविद्यालय खोलने का भी आग्रह प्रधानमंत्री से किया गया है। कहा कि बिहार और पूरे देश में स्वामी सहजानंद सरस्वती के समर्थक और वंशज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हैं। पुण्यतिथि समारोह का संचालन रणजीत चौधरी ने किया। इस अवसर पर राजमल जैन, रोहित चौधरी, प्रमोद सिंह, संजीव पाल, रामाश्रय पासवान, नवीन ठाकुर, जयप्रकाश शर्मा, माधव चौधरी, परवेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

गांधीनगर डिवीजन में दो महीने से खाली है एसीपी पद

डीसीपी प्रशांत गौतम की देखरेख में क्षेत्र चल रहा, लेकिन जनता कर रही है स्थायी नियुक्ति की मांग

प्रात: किरण .मनोज जैन

दिल्ली के शाहदरा जिले का महत्वपूर्ण गांधीनगर सब डिवीजन, जिसमें गांधीनगर और कृष्णा नगर जैसे प्रमुख विधानसभा क्षेत्र आते हैं, बीते दो महीनों से एसीपी (सहायक पुलिस आयुक्त) के अभाव में चल रहा है। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक दृष्टि से दुर्बलता दर्शाती है, बल्कि आम जनता के लिए भी असुविधा का कारण बनी हुई है। दिल्ली के इस संवेदनशील और घनी आबादी वाले क्षेत्र में एक स्थायी एसीपी का न होना क्षेत्रीय संवाद और प्रशासनिक निगरानी को प्रभावित कर रहा है। इस रिक्तता के बीच शाहदरा जिले के डीसीपी श्री प्रशांत गौतम के नेतृत्व में विजय नागर के अतिरिक्त एसीपी और विवेक विहार के एसीपी श्री जगदीश प्रसाद ने बारी-बारी से डिवीजन का कार्यभार संभाला है। सीमित संसाधनों के बावजूद इन अधिकारियों ने शांति, सतर्कता और सक्रियता से डिवीजन में कानून व्यवस्था बनाए रखी है। उनकी कार्यशैली यह दर्शाती है कि दिल्ली पुलिस हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहती है। फिर भी यह एक यथार्थ है कि क्षेत्र की लाखों की जनसंख्या के लिए एक स्थायी एसीपी की उपस्थिति अनिवार्य है। प्रशासन से मांग की जा रही है कि गांधीनगर डिवीजन में शीघ्र ही एक पूर्णकालिक अधिकारी की नियुक्ति की जाए, ताकि जनसुनवाई, अपराध नियंत्रण और प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूती मिल सके। जनता और पुलिस प्रशासन के बीच विश्वास को बनाए रखने के लिए यह नियुक्ति अब और देर नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन को सौंपा ज्ञापन

प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के पत्रकारों की मांगों को लेकर, एक ज्ञापन यूनियन वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया की तरफ से दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन को दिया गया । ज्ञात है कि डॉक्टर हर्षवर्धन जब दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री थे तो पत्रकारों को लेकर मेडिकल एड बिल लाए थे। जिसे शीला दीक्षित व केजरीवाल सरकार ने तबाह कर दिया था। ज्ञापन यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार उपाध्याय, राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र भंडारी व दिल्ली यूनिट के अध्यक्ष संदीप कुमार शर्मा जी की तरफ से डॉक्टर हर्षवर्धन जी को दिया गया। इस अवसर पर पत्रकार बलराम शर्मा,मनी आर्य,राजेश खन्ना,ईश मालिक,शिवाजी सरकार ,महेश ढोंडियाल, महेंद्र,सुमित उपाध्याय, पवन जुनेजा भी मौजूद थे। डॉक्टर हर्षवर्धन को दिय गये ज्ञापन में उल्लेखित किया गया कि-1 दिल्ली प्रेस रिपोर्टर्स मेडिकल एड रूल्स 1995 में संशोधन की मांग मान्यवर, जिस समय आप दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री थे तो वर्ष 1995 में दिल्ली सरकार ने मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए ये रूल्स अधिसूचित किए गए थे। जिसके तहत पत्रकारों, वे उनके माता पिता, पति या पत्नी व बच्चों को वे सभी मेडिकल सुविधाएं दी जाएंगी, जो केंद्र या राज्य सरकारों में क्लास वन राजपत्रित अधिकारियो (ऋ्रङ्ग४स्र अ) को दी जा रही हो। शुरूआत में इन रूल्स का लाभ पत्रकारों व उनके परिवार के सदस्यों को मिलने भी लगा, पर बाद में उन रूल्स में कुछ न कुछ खामियां निकाली जाने लगी , जिससे दिल्ली के पत्रकारों को मेडिकल सुविधाओं को लेने में तरह तरह की दिक्कते आने लगी। दिल्ली सरकार का उ्न्ध यानि सूचना व प्रचार निदेशालय दिल्ली सरकार के मानता प्राप्त पत्रकारों को हेल्थ कार्ड जारी करता है। ये हेल्थ कार्ड दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य महानिदेशालय की तरफ से जारी नहीं किया जाता है। जिसकी वजह से सरकारी व पैनल वाले प्राइवेट हॉस्पिटल व लैब्स में वे मेडिकल सुविधाएं मिल मिल पाती है, जो प्रथम श्रेणी के राजपत्रित अधिकारियों को हासिल होती है ।मान्यवर, केंद्र सरकार के प्रेस इनफॉर्मेशन ब्यूरो से जुड़े पत्रकारों को भी सरकारी व प्राइवेट हॉस्पिटल में मेडिकल सुविधाएं हासिल होती है , जिसके एवज में केंद्र सरकार का स्वास्थ्य महानिदेशालय पत्रकारों से कुछ सालाना राशि लेता है । मान्यवर, यदि, दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य महानिदेशालय, भी दिल्ली सरकार से मान्यता प्राप्त पत्रकारों को हेल्थ कार्ड जारी करके , उन्हें सरकारी व पैनल वाले प्राइवेट हॉस्पिटल व लैब्स में वे सभी मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध करवाने लग जाए, जो प्रथम श्रेणी के राजपत्रित अधिकारियों को हासिल है, तो दिल्ली सरकार के मानता प्राप्त पत्रकार भी स्वास्थ्य महानिदेशालय को वह राशि देने को तैयार है, जो केंद्र सरकार का स्वास्थ्य महानिदेशालय, पीआईबी, से मान्यता प्राप्त पत्रकारों से लेता है। पिछले 2 वर्ष से दिल्ली सरकार के महानिदेशालय में दिल्ली के कई पत्रकारों के मेडिकल बिल, किसी न किसी तकनीकी कारणों की वजह से लंबित पड़े है । हम आपसे मांग करते है कि उन सभी मेडिकल बिलों का भुगतान सुनिश्चित करवाया जाए। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहां की वर्किंग जनरलिस्ट ऑफ इंडिया के पत्रकारों माध्यम से मुझे ज्ञापन दिया गया है। उन्होंने कहा कि 1995 में जब दिल्ली में बीजेपी की सरकार थी उस समय दिल्ली के पत्रकारों को अनेक प्रकार की सुविधाएं सरकार द्वारा दी जाती थी। बाद में दिल्ली में कांग्रेस की सरकार आ गई और उसके बाद आम आदमी पार्टी की सरकार आ गई इन दोनों सरकारों ने पत्रकारों की सुविधाओं पर रोक लगा दी थी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अब दिल्ली में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार है। वह सरकार का हिस्सा अब नहीं रहे हैं पर सरकार में बैठे लोगों से मांग करेंगे कि वह दिल्ली के पत्रकारो की सुविधाओं के लिये कारगर कदम उठाये।

संक्षिप्त खबरें

सड़क नहीं बनने से बच्चों को स्कूल जाने में हो रही है परेशानी

संग्रामपुर (मुंगेर) संग्रामपुर प्रखंड के गौंधीनगर सराय गांव में सड़क नहीं बनने के कारण आम राहगीरों को चलने में हो रही है परेशानी, खासकर के बरसात के दिनों में बाइक तो दूर की बात है लोगों को पैदल चलना दुसवार हो गया है, घर से अधिक दूरी तक छोटे छोटे बच्चों को इस कीचड़ में घुसकर स्कूल जाना पड़ता है इतना ही नहीं जिस जगह से कीचड़ का शुरूआत होता है उसी जगह गांव के एकमात्र विद्यालय गांधीनगर सराय हैं जिसमें क्लास के छोटे-छोटे 50 बच्चे नामांकित है सभी बच्चे एवं विद्यालय के शिक्षक इस कीचड़ में घुसकर विद्यालय जाने पर मजबूर है हर रोज दर्जनों बच्चे उसी किचर में गिरते हैं उनका ड्रेस एवं किताब सब कुछ गंदा हो जाता है यही है सरकार का विकास का योजना।

धार्मिक आस्था से खिलवाड़ पर रोक लगाए प्रशासन : सपा

मुंगेर ।सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने हवेली खड़गपुर अनुमंडल अंतर्गत बनहारा पंचायत के रायपुर में काली मंदिर के सामने निजी जमीन पर शौचालय की टंकी बनाने को लेकर जिला पदाधिकारी एवं हवेली खड़गपुर के अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र लिख जांच की मांग की है। श्री यादव ने अपने लिखे पत्र में कहा कि मंदिर के सामने शौचालय की टंकी बनाना सीधा-सीधा आस्था पर प्रहार है पूर्व में ग्रामीण के द्वारा सुचना देने के वावजूद मामला यथावत है परिणामतः यह मामला कभी भी विध्वंसक मोड ले सकता है, श्री यादव ने जिला प्रशासन से अभिलंब इस प्रकरण पर न्यायोचित कदम उठाने की मांग की है।

राम धुन यज्ञ हेतु निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा

मुंगेर। बुधवार को सदर प्रखंड अंतर्गत तारापुर दियारा पंचायत के मनियार चक गंगा घाट जखराज बाबा स्थान में श्री श्री 108 अखंड राम धुन यज्ञ हेतु गाजे बाजे घोड़ा घोड़साड़ के कलश शोभा यात्रा का आयोजन किया गया।वही शोभा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए मुंगेर विधायक प्रणव कुमार यादव तथा पंचायत के पूर्व मुखिया सह मुखिया प्रतिनिधि बम बम चौधरी।वहीं इसकी जानकारी देते हुए वार्ड सदस्य संतोष कुमार ने बताएं कि इस कलश शोभा यात्रा में 251 कन्याओं ने भाग लिया। तथा तीन राम धुन मंडली इस यज्ञ में उपस्थित रहेंगे।वही कलश शोभा यात्रा में उपस्थित पैक्स अध्यक्ष फुटूस मंडल, प्रदीप मंडल ,कौशल किशोर मंडल, छत्री पासवान , मंटू पासवान,अरुनमंडल सहित गांव के तमाम बुद्धिजीवी कलश शोभायात्रा में भाग लिए।

भाकपा का उदाकिशुनगंज अंचल सम्मेलन संपन्न, अंचल मंत्री बने डॉ. प्रमोद कुमार सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का 23वां उदाकिशुनगंज अंचल सम्मेलन बुधवार को देर रात नवटोल कला मंच परिसर में कई सांगठनिक एवं राजनीतिक निर्णयों के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन का प्रारंभ पार्टी के वरीय एवं वयोवृद्ध नेता दिगंबर झा के द्वारा झंडोतोलन से हुआ। उपस्थित प्रतिनिधियों ने सर्वप्रथम सेना के शहीद जवानों, पार्टी के दिवंगत नेताओं, विभिन्न दुर्घटनाओं में काल कल्वित लोगों के प्रति दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। तत्पश्चात पार्टी के नेता सच्चिदानंद शर्मा एवं रामचंद्र पासवान की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भाकपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य प्रमोद प्रभाकर ने कहा कि भारत में अमृतकाल नहीं, अघोषित आपातकाल है। उन्होंने कहा कि भाजपा और भाजपा नेतृत्व वाली सरकार का विरोध करना देशद्रोह माना जाता है, देश में संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला जा रहा है, विरोध की आवाज को दबाया जा रहा है। भाकपा नेता ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय पीएम मोदी द्वारा लिया जाना अत्यंत ही निंदनीय है। सच तो यह है कि अमेरिका के निर्देश पर युद्ध विराम किया गया, जिससे पूरी दुनिया में भारत शर्मसार हुआ। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के कार्यकाल में विदेशी कर्ज तीन गुना हो गया, रुपया का अवमूल्यन लगातार जारी है, एक डॉलर के बराबर लगभग 87 रुपया हो गया, देश में बेरोजगारी दर विगत 45 वर्षों में सबसे अधिक है, भीषण महंगाई, व्याप्त भ्रष्टाचार, कमजोर वर्गों एवं महिलाओं पर हो रहे अत्याचार से आम लोग त्रस्त है और दूसरी ओर मोदी और अमित शाह की जोड़ी हिंदू मुसलमान और हिंदुस्तान पाकिस्तान करने में मस्त है।

भाकपा नेता प्रभाकर ने कहा कि जिसने तिरंगा को जलाया वह तिरंगा यात्रा निकाल रहा है, जिसने संविधान को जलाया वह संविधान की कसमें खा रहा है, जिसने आजादी की लड़ाई में गद्दारी की वह देशभक्ति का प्रमाण पत्र बांट रहा है। भाकपा नेता ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि डबल इंजन की सरकार रहते हुए देश और प्रदेश के हितों की हिफाजत नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि वक्त का तकाजा है कि वामपंथी, जनवादी एवं धर्मनिरपेक्ष ताकत एक जुट होकर संघर्ष तेज करे। भाकपा के जिला मंत्री विद्याधर मुखिया ने कहा कि 2025 हमारी पार्टी की शताब्दी वर्ष है। यह वर्ष पार्टी के सम्मेलनों का भी वर्ष है और चुनावी वर्ष भी है इसलिए वर्तमान समय हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने वर्तमान राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने के लिए, भाजपा नेतृत्व वाली सरकार को हराने के लिए पार्टी संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। पार्टी के राज्य परिषद सदस्य उमाकांत सिंह एवं वार्ड सदस्य संघ के जिला अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने भूमिहीनों को बासगीत पर्चा नहीं देने, किसानों की फसल का लाभकारी दम नहीं देने, बाढ़ सुखाड़ का स्थाई निदान नहीं करने पर केंद्र और राज्य सरकार पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकार किसानों मजदूरों की नहीं कंपनियों की है।

सम्मेलन में प्रभारी अंचल मंत्री अरुण कुमार तांती द्वारा संगठितनिक एवं राजनीतिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिस पर दर्जनों प्रतिनिधियों ने बहस में हिस्सा लिया तत्पश्चात प्रतिवेदन सर्वसम्मत से पारित किया गया। सम्मेलन में अगले सत्र के लिए 35 सदस्य अंचल परिषद का गठन किया गया। सम्मेलन में डॉ. प्रमोद कुमार सिंह को अंचल मंत्री, अरुण कुमार तांती एवं शंभू पासवान को सहायक अंचल मंत्री निर्वाचित हुए। सम्मेलन के मौके पर जिला धनुष शर्मा, पप्पू शाह, गजेंद्र प्रसाद सिंह, लुरी राम, विश्वनाथ शर्मा, अनिल कामत, कारी शाह, ललिता देवी, किशोरी चौधरी, अशोक कुमार मेहता आदि नेताओं ने अपना विचार प्रकट किया। सम्मेलन में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से 145 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

गोली लगने से युवक जख्मी निजी क्लिनिक में इलाजरत

● मधेपुरा जिला के परमानपुर थाना क्षेत्र के भतरंधा गांव के युवक हैं सुभाष कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिले के सौरबाजार थाना क्षेत्र स्थित चन्दौर पूर्वी पंचायत के श्रवण टोला में बुधवार की देर रात गोली चलने की घटना सामने आई है। इस वारदात में एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया है, जिसे परिजन चोरी-छिपे सहरसा के एक निजी क्लिनिक में इलाज के लिए भर्ती कराए हुए हैं। जख्मी युवक की पहचान मधेपुरा जिला के परमानपुर थाना क्षेत्र के भतरंधा गांव निवासी अगमलाल यादव के पुत्र सुभाष कुमार के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि सुभाष अपने ननिहाल श्रवण टोला में बटेश्वर यादव के घर रह रहा था। परिजनों के मुताबिक युवक अभी होश में नहीं है। लिहाजा गोली लगने की पूरी घटना कैसे हुई, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। परिजन भी इस पर कुछ भी कहने से कतरा रहे हैं। इस मामले को लेकर सौरबाजार थानाध्यक्ष अजय कुमार पासवान ने बताया कि उन्हें गोलीबारी की सूचना मिली है। घटना की जांच की जा रही है और सभी संभावित बिंदुओं पर पुलिस काम कर रही है।

भीम संकल्प समागम की सफलता को लेकर लोजपा आर ने बैठक की

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। आगामी 29 जून 2025 को बिहार के राजगीर में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के तत्वाधान में होने वाले बहुजन भीम संकल्प समागम को अभूतपूर्व सफल बनाने हेतु जमुई लोकसभा के सिकंदरा विधानसभा श्रेत्र के खैरा प्रखंड में 22 पंचायत का दौरा जारी है। उसी क्रम में आज खैरा प्रखंड के समस्त पंचायत अध्यक्ष जिला कमेटी के प्रमुख पदाधिकारी गण के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रम स्थल पर कार्यकर्ता कैसे सुविधा पूर्वक पहुंचे, इसकी रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता जमुई जिला अध्यक्ष जीवन सिंह ने किया जबकि बैठक का संचालन सिकंदरा विधानसभा के खैरा प्रखंड अध्यक्ष दीपक सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में खैरा प्रखंड के पर्यवेक्षक सह मुंगेर जिला अध्यक्ष प्रमोद पासवान उपस्थित थे। मौके पर सिकंदरा विधानसभा के पर्यवेक्षक रतन पासवान, सिकंदरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह बिहार प्रदेश कर्मचारी यूनियन प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रवि शंकर पासवान सिकंदरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुभाष पासवान, सिकंदरा विधानसभा के सांसद प्रतिनिधि कारू सिंह, संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष वाई पी सुमन, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जमुई जिला अध्यक्ष सहित समस्त पंचायत के पंचायत अध्यक्ष एवं जुझारू कार्यकर्ता गण मौजूद थे।

असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की अनदेखी पर बीएमएस ने जताई नाराजगी

सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ोतरी का बीएमएस ने किया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा विश्व का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन भारतीय मजदूर संघ है। भारतीय मजदूर संघ के साथ 6300 से भी अधिक ट्रेड यूनियन संलग्न है तथा 44 अखिल भारतीय औद्योगिक महासंघ पूरे देश में कार्यरत है प्रत्येक प्रदेश में प्रदेश इकाई तथा प्रादेशिक कार्यालय तथा जिला में जिला कार्यालय सक्रिय है। भारतीय मजदूर संघ का व्यापक विकासखंड स्तर तक पहुंच चुका है। भारतीय मजदूर संघ बिहार एवं झारखंड प्रदेश की बैठक में बिहार सरकार द्वारा घोषित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में बढ़ोतरी का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश लाल, प्रदेश मंत्री शंभू कुमार चौबे, क्षेत्रीय प्रभारी डी पी शुक्ला, अखिल भारतीय उप महामंत्री सुरेन्द्र पांडेय, संगठन मंत्री झारखंड ब्रजेश जी ने कहा की सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाने की घोषणा का भारतीय मजदूर संघ स्वागत किया है लेकिन भारतीय मजदूर संघ नें बिहार सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के मजदूर की उपेक्षा पर घोर नाराजगी व्यक्त की है। संघ ने मांग किया कि कोल्ड स्टोरेज, बीड़ी उद्योग असंगठित क्षेत्र की मजदूर की पेंशन जो वर्तमान में मात्र सात सौ रूपए दी जा रही है उसे बढ़ाकर न्यूनतम तीन हजार रुपए दिए जाने की मांग की है। साथ ही सभी असंगठित मजदूरों को समान पेंशन देने की मांग की।भारतीय मजदूर संघ ने जिला अधिकारी के माध्यम से राज्य सरकार को पत्र भेज कर यह मांग की थी लेकिन इस संबंध में अब तक कोई सकारात्मक निर्णय नहीं दिया गया है। संघ ने चेतावनी देते हुए कहा की सरकार जल्द से जल्द इस मुद्दे पर विचार नहीं करती है और पेंशन में उचित वृद्धि नहीं करती है तो भारतीय मजदूर संघ द्वारा चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

गैस सिलिंडर चुनाव चिन्ह के रूप में नई ऊर्जा, नई दिशा : अर्चना आनंद

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा राष्ट्रीय लोक मोर्चा जिला अध्यक्ष अर्चना आनन्द ने बयान जारी कर कहीं की राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा के साथ साथ पार्टी के सभी कार्यकताओं के लिए हर्ष और गर्व का विषय है कि निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव हेतु गैस सिलिंडर को चुनाव चिन्ह के रूप में स्वीकृति प्रदान की है। यह चिन्ह अब केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि बिहार की आम जनता की उम्मीदों, जरूरतों और अधिकारों की आवाज बनकर उभर रहा है। गैस सिलिंडर हर घर की रसोई से जुड़ा है, हर व्यक्ति के दैनिक जीवन से जुड़ा है। यह गरिमा, सुविधा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। यही हमारी राजनीति की दिशा भी है। जनसरोकार, जनसुविधा और जनसम्मान भी है। चुनाव चिन्ह गैस सिलिंडर यह संदेश भी देता है कि हमारी राजनीति केवल सत्ता की नहीं, बल्कि सेवा की राजनीति है। केवल घोषणाओं की नहीं, बल्कि हर घर तक पहुँचने वाली ठोस नीतियों की राजनीति है। आइए, इस गैस सिलिंडर को लेकर हम गांव-गांव, घर-घर पहुँचें और जनचेतना की ऐसी मशाल जलाएँ, जो आने वाले समय में समतामूलक समाज निर्माण के विचारों को समाहित कर पूरे देश में बदलाव की लौ बनकर प्रज्वलित हो। यह चुनाव चिन्ह उपेन्द्र कुशवाहा विचारधारा की गर्मी, संकल्प की ऊर्जा और जनभावना की अग्नि को सहेजे हुए है। अब समय है कि हर कार्यकर्ता, हर समर्थक और हर शुभचिंतक इस प्रतीक को एक मिशन की तरह अपनाकर पूरी निष्ठा से जुट जाए।गैस सिलिंडर अब केवल रसोई का हिस्सा नहीं रहा यह अब सामाजिक न्याय की मशाल बन चुका है।इस चिन्ह के साथ, हम हर द्वार तक उम्मीद, न्याय और समर्पण की लौ पहुँचाएँगे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में भारत सरकार के विशेष अतिथि होंगे मैथिली के युवा लेखक गुंजन श्री

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा आगामी 15 अगस्त को भारत सरकार द्वारा दिल्ली स्थित लाल किले में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए मैथिली के युवा लेखक गुंजन श्री को आमंत्रित किया गया है।यह आमंत्रण प्रधानमंत्री युवा लेखक योजना के तहत चयनित लेखकों को मिला है। जिसके लिए रक्षा मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय कार्यालय द्वारा भी जारी किया गया है। ज्ञात हो कि देशभर से चयनित 100 युवा लेखकों में से मैथिली भाषा से गुंजन श्री इकलौते लेखक हैं, जिन्हें यह आमंत्रण उनकी भाषायी लेखन यात्रा के लिए प्राप्त हुआ है। यह न सिर्फ मिथिला क्षेत्र बल्कि मैथिली भाषा के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। गुंजन श्री मधुबनी जिला के बेनीपट्टी प्रखंड क्षेत्राधीन रामनगर गांव निवासी मैथिली के लेखक कमल मोहन चुन्नू के पुत्र हैं और फिलवक्त पटना आईआईटी में कार्यरत हैं। गुंजन श्री मैथिली भाषा साहित्य के प्रमुख युवा लेखक हैं। इनकी अब तक चार किताबें प्रेमक टाइमलाइन, तरहथ्थी पर समय, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में मिथिला के दलित समाजक योगदान और समय-संदर्भ प्रकाशित है।वहीं पांचवीं पुस्तक मर्सी, जो कि यात्रा संस्मरण, प्रकाशाधीन है। उल्लेखनीय है कि गुंजन श्री इससे पूर्व राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में भी मैथिली भाषा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और अब तक 22 देशों में अपनी भाषा और साहित्य को लेकर संवाद कर चुके हैं। बता दें कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में इन युवा लेखकों की भागीदारी सुनिश्चित कराने के लिए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास अर्थात एनबीटी को यात्रा और आवास की व्यवस्था के लिए नोडल संस्था नियुक्त किया गया है। स्पष्ट है कि यह अवसर न केवल युवा लेखकों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि भारतीय भाषाओं और साहित्यिक विविधता को राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। गुंजन श्री के इस उपलब्धि को लेकर मैथिली साहित्य समाज में हर्ष व्यप्त है। इस उपलब्धि पर मैथिली के चर्चित साहित्यकार मैथिल प्रशान्त, आनंद मोहन झा, प्रभंजन कुमार राहुल, प्रीति झा, शिवेश झा शिव, अक्षय आनंद सन्नी, कमलेश प्रमेन्द्र, डॉ. कुलानंद झा, मुख्तार आलम, सहित अन्य लोगों ने बधाई दी है।

अज्ञात अपराधियों ने वार्ड सदस्य को गोली मारकर की हत्या, मौत

● घटना मंगलवार की रात करीब 08 बजे की है।

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। बिजयनगर गांव के नल जल योजना की टंकी का मोटर चालू कर पैदल ही घर जा रहे वार्ड सदस्य की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दिया। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी गई । बरियारपुर थाना सूत्र ने बताया कि बरियारपुर थाना क्षेत्र के ईटहरी पंचायत के विजयनगर गांव में मंगलवार की रात इटहरी पंचायत के वार्ड संख्या 17 के सदस्य परमजीत कुमार (32) की गोली मार दी गई। परिवार वाले आनन- फानन में लेकर सदर अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के चचेरे भाई जयप्रकाश ने बताया कि उसके भाई की किसी से दुश्मनी नहीं था। भाई ने बताया कि मंगलवार की रात काली स्थान के पास लगे नल जल योजना की टंकी का मोटर चालू कर पैदल ही घर आ रहा हूँ। इस बीच नकाबपोश बदमाशों ने पीछे से सिर में गोली मार दी। भाई ने बताया कि जहां पर हत्या हुई है, वहां पर साप्ताहिक हटिया भी लगता है भीड़ का फायदा उठाकर बदमाश भाग निकले।

परमजीत की शादी दो माह पहले घोघा में हुई थी। पत्नी और परिवार वाले का रो-रोकर के बुरा हाल है। परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ अभिषेक आनंद, थानाध्यक्ष वीरभद्र कुमार घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच की। घटना की वजह का पता नहीं लग सका है।एसडीपीओ ने बताया कि मामले की जांच चल रही है।एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है। परिवार वालों से पूछताछ की जा रही है। घटना में शामिल बदमाशों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

जदयू युवा प्रदेश महासचिव गणेश गौरव ने वृद्धजन पेंशन 1100 करने पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

कन्या विवाह भवन और जलजमाव समाधान की योजना को बताया ऐतिहासिक कदम

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के युवा प्रदेश महासचिव गणेश गौरव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत वृद्धजनों को अब 1100 प्रति माह देने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला राज्य के बुजुर्गों के लिए राहतकारी और सराहनीय है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं, और यह निर्णय उसी भावना का परिचायक है। इसके साथ ही गणेश गौरव ने मुख्यमंत्री द्वारा राज्य की प्रत्येक पंचायत में कन्या विवाह भवन के निर्माण के फैसले को भी ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा, आज भी गांवों में ऐसे कई गरीब परिवार हैं जिनके पास अपनी बेटियों की शादी के लिए समुचित स्थान नहीं होता। मजबूरी में उन्हें शहरों के महंगे मैरिज हॉल का सहारा लेना पड़ता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ता है। पंचायत स्तर पर विवाह भवन बनने से अब गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को काफी सहूलियत होगी। श्री गौरव ने यह भी कहा कि इससे सामाजिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और गांवों में भी सुविधाएं शहरों की तरह उपलब्ध होंगी। उन्होंने पंचायतों में इस योजना के त्वरित क्रियान्वयन की मांग की। वहीं सहरसा जिले की जमीनी समस्याओं पर बात करते हुए गणेश गौरव ने जलजमाव की विकराल समस्या का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह समस्या सहरसा शहर के विकास में सबसे बड़ी बाधा बन गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद इस मुद्दे को गंभीरता से ले चुके हैं और उन्होंने आश्वासन दिया है कि आने वाले समय में सहरसा को जलजमाव की समस्या से पूरी तरह निजात दिलाई जाएगी, उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि जल निकासी व्यवस्था को आधुनिक और टिकाऊ बनाया जाए ताकि बरसात के दिनों में आम जनता को राहत मिल सके। गणेश गौरव ने कहा कि युवा नेता होने के नाते वे जनता की हर समस्या को सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान में भागीदार बनने को प्रतिबद्ध हैं।

बिहार आप के पूर्व उपाध्यक्ष अंगेश सिंह कांग्रेस में हुए शामिल,कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कराया सदस्यता ग्रहण

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !पटना स्थित बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय,सदाकत आश्रम में एक भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी बिहार के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अंगेश सिंह और पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी ब्रह्मप्रकाश ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने यह निर्णय कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विचारधारा और जन सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर लिया। श्री अंगेश सिंह लखीसराय जिले के बड़हिया प्रखंड अंतर्गत लक्ष्मीपुर गांव के निवासी हैं। वे पिछले एक दशक से अधिक समय से मुख्यधारा के सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर के कई आंदोलनों का नेतृत्व किया है, जिनमें वढरउ उ-रअळ आंदोलन विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह आंदोलन ग्रामीण और क्षेत्रीय भाषा में परीक्षा देने वाले छात्रों के अधिकारों, प्रश्न पत्र की पारदर्शिता और मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधार को लेकर हुआ था। यह आंदोलन नरेंद्र मोदी सरकार के पहले संसद सत्र में ही सड़क से लेकर संसद तक पहुंचा। अंगेश सिंह ने आमरण अनशन तक किया, जिसके चलते संसद के अंदर 14 दिनों तक विपक्ष द्वारा मुद्दे को उठाया गया, और आखिरकार केंद्र सरकार को छात्रहित में निर्णय लेने पर विवश होना पड़ा। इससे उन्हें राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई। अंगेश सिंह आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं। उन्होंने दिल्ली में पार्टी और सरकार के गठन में अहम भूमिका निभाई और बाद में बिहार में पार्टी का संगठन खड़ा करते हुए वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। लेकिन बिहार में बदलाव की अपेक्षा और केंद्रीय नेतृत्व की उपेक्षा के चलते वैचारिक मतभेद उभरने लगे, जिसके कारण उन्होंने आम आदमी पार्टी से अलग होने का फैसला लिया। अब उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित होकर अपनी जन्मभूमि बिहार को एक नई दिशा देने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली है। यह भी उल्लेखनीय है कि उनके दादाजी कामता प्रसाद सिंह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे, जिन्हें लोग ह्लीडर साहबह्व के नाम से जानते थे। अंगेश सिंह ने अपने गांव लक्ष्मीपुर जैसे छोटे कस्बे से निकलकर दिल्ली की राजनीति में एक मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई और आज उसी भावना के साथ कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

डीसीएलआर सह आरओ सौरभ कुमार एवं बीडीओ गुलजारी कुमार पंडित ने मतदान केंद्रों का लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को उदाकिशुनगंज प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में स्थित मतदान केंद्रों को लेकर भूमि सुधार उप समाहर्ता सह आरओ सौरभ कुमार के नेतृत्व में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी गुलजारी कुमार पंडित ने भौतिक सत्यापन करते हुए जायजा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बारह सौ से अधिक मतदाता वाले केंद्र को लेकर मध्य विद्यालय नयानगर, मध्य विद्यालय नवटोल, मदरसा इस्लामियों सिंगारपुर, खाड़ा पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय सुखासनी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिनबारा, मध्य विद्यालय बुधामा में स्थित मतदान केंद्र को बनाए जाने को लेकर जायजा लिया। जायजा के क्रम में अधिकारियों ने बूथो पर मूलभूत सुविधाओं के तहत दिव्यागों के जाने हेतु रैंप, शौचालय, बिजली की सुविधा आदि की भी जानकारी ली।

एडीजी सीआईडी पारसनाथ मुंगेर पहुंचे, बैठक कर, अधिकारियों को दिये आवश्यक निदेश

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। पुलिस लाइन में मुंगेर रेंज के डीआईजी राकेश कुमार और एसपी सैयद इमरान मसूद ने उनकी अगवानी की। तत्पश्चात पुलिस जवानों ने एडीजी को गार्ड आफ आनर दिया गया। गार्ड आफ आनर के बाद पुलिस लाइन स्थित सभाकक्ष में एडीजी ने जिले के सभी वरीय पुलिस पदाधिकारियों और थानाध्यक्षों के साथ बैठक करते हुए अपराध नियंत्रण को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिए। केस के अनुसंधान में टेक्नोलॉजी के प्रयोग पर फोकस करते हुए एडीजी ने सभी अनुसंधानकर्ता पुलिस पदाधिकारियों को सभी तरह के क्राइम सीन का वीडियो फुटेज ई-साक्ष्य ऐप पर तत्काल अपलोड करने का निर्देश दिया। पब्लिक बिहेबियर पर जोर देते हुए कहा कि कोई भी फरियादी जब फरियाद लेकर थाना पहुंचे तो पुलिस कर्मी या अधिकारी फरियादी से बढ़िया से बातचीत करे। फरियादी से गलत तरीके से कोई भी पुलिस या पदाधिकारी बातचीत नहीं करें। इससे पुलिस की इमेज खराब होती है। थानों में लंबित केस की संख्या को कम करने के लिए सभी डीएसपी को अपने अपने अधीन पड़ने वाले थानों में समीक्षा बैठक कर पेंडिंग केस की संख्या को घटाने का निर्देश दिया। अपराध नियंत्रण के लिए लगातार सघन गश्ती, वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया।

होर्मुज स्टेट बंद करना - ईरान के लिए संभव है क्या

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

21वीं सदी में अगर किसी संकीर्ण जलमार्ग की चर्चा वैश्विक राजनीति, सैन्य रणनीति और ऊर्जा संकट के केंद्र में रही है, तो वह है ह्यहोर्मुज स्ट्रेटह्व। फारस की खाड़ी और अरब सागर को जोड़ने वाला यह जलडमरूमध्य न सिर्फ दुनिया का सबसे व्यस्ततम तेल परिवहन मार्ग है, बल्कि भू-राजनीतिक संकटों का स्थायी मंच भी बन गया है। 2025 में जब ईरान के परमाणु संयंत्रों, फोर्डो, नतांज और इस्फहान, पर अमेरिकी मिसाइल हमला हुआ, तो ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की धमकी दे डाली। ईरानी संसद ने इसे ह्यराष्ट्र की सुरक्षाह्व का मामला बताते हुए समर्थन भी दे दिया। लेकिन क्या यह इतना आसान है? और अगर हो जाए, तो भारत समेत पूरी दुनिया पर क्या असर पड़ेगा? होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और फिर हिंद महासागर से जोड़ता है। इसके उत्तर में ईरान और दक्षिण में यूएई और ओमान स्थित हैं। इसकी कुल लंबाई करीब 161 किमी और सबसे संकीर्ण बिंदु पर यह मात्र 33 मील चौड़ा है। इसमें से जहाजों के लिए सुरक्षित आवागमन की चौड़ाई दोनों दिशाओं में सिर्फ 3.21 किलोमीटर है। यह जलडमरूमध्य कोई सामान्य समुद्री मार्ग नहीं है बल्कि यह दुनिया के एक चौथाई तेल और गैस का वाहक है। हर दिन लगभग 17 से 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल इस मार्ग से गुजरता है। एलएनजी के लिए भी यह प्रमुख मार्ग है। भारत के संदर्भ में होर्मुज स्ट्रेट का महत्व अत्यधिक रणनीतिक है। भारत अपने कुल तेल आयात का 60-65% इस जलमार्ग के जरिए मंगाता है। भारत प्रतिदिन लगभग 55 लाख बैरल तेल की खपत करता है, जिसमें से करीब 15 लाख बैरल होर्मुज मार्ग से आता है। भारत का एलएनजी आयात भी बड़े पैमाने पर इसी रास्ते से होता है, लगभग 45-50%। भारत जिन देशों से सबसे ज्यादा तेल मंगाता है, सऊदी अरब, इराक, कुवैत, यूएई और ईरान, वे सभी फारस की खाड़ी के देश हैं। यानि होर्मुज स्ट्रेट बंद होने की स्थिति में भारत की ऊर्जा सुरक्षा को गंभीर झटका लगेगा, तेल महंगा होगा, महंगाई बढ़ेगी और रुपये पर दबाव आएगा। 2024 में रोजाना करीब 165 लाख बैरल तेल और एलएनजी इसी मार्ग से गए। चीन, जापान, भारत, दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश इस पर सबसे ज्यादा निर्भर हैं। ईरान, कुवैत, कतर, बहरीन, इराक के पास समुद्र तक पहुंच का यही एकमात्र मार्ग है। सऊदी अरब और यूएई के पास कुछ पाइपलाइन विकल्प हैं, पर वह सीमित क्षमता के हैं। अमेरिका का पांचवां बेड़ा (5वां बेड़ा) बहरीन में तैनात है, जो इस क्षेत्र की निगरानी करता है। नाटो और अन्य पश्चिमी नौसेनाएं भी होर्मुज क्षेत्र में गश्त करती रहती हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून (1982 की संयुक्त राष्ट्र समुद्री संधि) के अनुसार, होर्मुज स्ट्रेट एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। इसका मतलब है कि किसी भी देश के पास इसे एकतरफा बंद करने का अधिकार नहीं है। ईरान बार-बार कहता रहा है कि ह्लअगर हम तेल नहीं बेच सकते, तो कोई नहीं बेचेगा।ह्व ईरान अपनी तेज, छोटी नौकाओं, ड्रोन, टॉरपीडो और भूमि से समुद्र में मार करने वाली मिसाइलों से आवागमन बाधित कर सकता है। समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाना, तेल टैंकरों को निशाना बनाना। ड्रोन और हेलीकॉप्टर हमले, मिसाइल से टैंकरों पर निशाना। नाविकों को बंधक बनाना, साइबर हमले और समुद्री राडार जाम करना। हालांकि, पूर्णत: बंद करना कठिन होगा, लेकिन जहाजों को डराकर, बीमा दरें बढ़ाकर, और आवागमन जोखिमपूर्ण बनाकर ईरान प्रभावी रूप से होर्मुज को ह्लआंशिक रूप से पंगुह्व कर सकता है। अमेरिका के लिए होर्मुज की सुरक्षा ह्लफ्री छिल्लीह्व मानी जाती है। 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान अमेरिका ने ऑपरेशन प्रेयिंग मंटिस चलाकर ईरानी नौसेना को पीछे हटने पर मजबूर किया था। ईरान पर और कड़े आर्थिक प्रतिबंध। युद्ध की स्थिति में ईरान का तेल निर्यात ठप। चीन और रूस की राजनयिक मुश्किलें बढ़ेंगी।

आपातकाल का काला अध्याय : एक त्रासद स्मृति

पचास वर्ष पूर्व, 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल की घोषणा की, जिसने देश के संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। इसके बाद देश में आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की लोकतंत्र, सरकार और संवैधानिक विरासत की समझ को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। यह वह क्षण था जब ह्ललोकतंत्र की जननीह्व कहे जाने वाले भारत को तत्कालीन तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण और क्रूर निर्णय से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गांधी को 1971 के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करने का दोषी ठहराते हुए उनका लोकसभा के लिए निर्वाचन अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद श्रीमती गांधी के इस्तीफे की मांग बढ़ती गई और इसी बीच इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को एक सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत ह्लआंतरिक अशांतिह्व के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। अगले दिन 26 जून 1975 को सुबह 6 बजे कैबिनेट की बैठक में यह विषय औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया। इस कदम से देश में कांग्रेस के तानाशाही शासन की शुरूआत हुई। जनता को संविधान से मिली आजादी रातों-रात समाप्त कर दी गई। अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और देश के भीतर आने-जाने की स्वतंत्रता एक झटके में खत्म कर दी गई। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देने वाला अनुच्छेद 21 निरर्थक हो गया। सबसे दुखद यह था कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जिस अनुच्छेद 32-जो नागरिकों को न्यायालय जाने का अधिकार देता है– को संविधान की ह्लआत्माह्व कहा था, उसे भी निरस्त कर दिया गया। आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बने जिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा(मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट) के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था। इस कालखंड में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं। मेरे 90 वर्षीय दादा जी को उसी दौर में अपने रोजमर्रा के काम के दौरान गायों की देखभाल करते हुए ऊंगली में गहरी चोट लग गई थी जिसके इलाज के लिए उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल में उन्हें पता चला कि नसबंदी लक्ष्यों को पूरा करने के सरकारी दबाव के चलते डॉक्टर उन्हें जबरदस्ती नसबंदी के लिए तैयार कर रहे हैं। इस अमानवीय स्थिति को भांपते हुए मेरे दादा जी अस्पताल से भाग निकले और बिना इलाज के वापस लौट गए। इस प्रकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पताल भयावह कष्ट देने वाले केन्द्र के रूप में बदल गए थे। हालांकि वे बच गए, लेकिन उस भयावह अनुभव ने पूरे समुदाय को गहरे डर और सदमे से भर दिया था। दुर्भाग्यवश 1975 से 1977 के बीच एक करोड़ से अधिक लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई- यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय बन गया। उस काले दौर में प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग केवल एक परिवार के हित में किस हद तक किया गया, इसका सबसे बड़ा उदाहरण 24 मार्च 1976 को संजय गांधी की बीकानेर यात्रा थी। न तो उनके पास कोई संवैधानिक पद था, न ही वे राजकीय अतिथि थे, फिर भी उनके स्वागत में सरकारी संसाधनों की खुलकर बबार्दी की गई। उस समय मैं डाक एवं तार विभाग में टेलीफोन ऑपरेटर था और मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ कि रैली में विशिष्ट लोगों के लिए बनाए गए मंच के नीचे अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन लगाने के आदेश दिए गए–जबकि ऐसी व्यवस्था केवल प्रधानमंत्री के लिए की जाती है। यह घटना सरकारी तंत्र पर संजय गांधी के न केवल अनुचित प्रभाव को दर्शाती है, बल्कि यह बताती है कि कैसे तत्कालीन सरकारी तंत्र को व्यक्तिगत और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु काम करने के लिए विवश कर दिया गया था।

क्या भारत सिंधु जल समझौता रद्द करने वाला है

इस समझौते को निलंबित करने से पाकिस्तान बहुत परेशान है इसलिए उसके नेताओं के बयान आ रहे हैं कि अगर भारत ने पाकिस्तान की नदियों का पानी रोका तो पाकिस्तान युद्ध के लिए मजबूर हो जायेगा। भारत सरकार ने पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से बता दिया है कि जब तक पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद पर लगाम नहीं लगाई जाती, तब तक इस समझौते पर कोई बात नहीं होगी। पाकिस्तान सिंधु जल समझौते को बहाल करने के लिए विभिन्न देशों से गुहार लगा रहा है लेकिन भारत इस मुद्दे पर किसी की सुनने को तैयार नहीं है। अमेरिका और चीन भी इस मुद्दे पर पाकिस्तान के किसी काम नहीं आ रहे हैं। शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह ने बयान दिया है कि भारत सिंधु जल समझौते का निलंबन अब वापिस नहीं लेगा। उन्होंने इशारा कर दिया है कि भारत इस समझौते को हमेशा के लिए रद्द करने जा रहा है। इससे पूरा पाकिस्तान बौखला गया है। पाकिस्तान के नेता बिलावल भुट्टो ने बयान दिया है कि अगर भारत पाकिस्तान को पानी नहीं देता है तो पाकिस्तान भारत से जंग करेगा और तीन नहीं बल्कि छह नदियों का पानी हासिल कर लेगा।

राजेश कुमार पासी
लेखक

बार-बार मोदी सरकार की तरफ से यह बयान आता रहता है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है, सिर्फ उसे रोका गया है। सवाल यह है कि बार-बार मोदी सरकार के मंत्री और नेता ऐसा बयान क्यों दे रहे हैं। इसकी वजह यह है कि सिंधु जल समझौता निलंबित करना भी ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा है और ये लगातार जारी है। इस समझौते को निलंबित करने से पाकिस्तान बहुत परेशान है इसलिए उसके नेताओं के बयान आ रहे हैं कि अगर भारत ने पाकिस्तान की नदियों का पानी रोका तो पाकिस्तान युद्ध के लिए मजबूर हो जायेगा। भारत सरकार ने पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से बता दिया है कि जब तक पाकिस्तान की तरफ से आतंकवाद पर लगाम नहीं लगाई जाती, तब तक इस समझौते पर कोई बात नहीं होगी। पाकिस्तान सिंधु जल समझौते को बहाल करने के लिए विभिन्न देशों से गुहार लगा रहा है लेकिन भारत इस मुद्दे पर किसी की सुनने को तैयार नहीं है। अमेरिका और चीन भी इस मुद्दे पर पाकिस्तान के किसी काम नहीं आ रहे हैं। शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह ने बयान दिया है कि भारत सिंधु जल समझौते का निलंबन अब वापिस नहीं लेगा। उन्होंने इशारा कर दिया है कि भारत इस समझौते को हमेशा के लिए रद्द करने जा रहा है। इससे पूरा पाकिस्तान बौखला गया है। पाकिस्तान के नेता बिलावल भुट्टो ने बयान दिया है कि अगर भारत पाकिस्तान को पानी नहीं देता है तो पाकिस्तान भारत से जंग करेगा और तीन नहीं बल्कि छह नदियों का पानी हासिल कर लेगा। सिंधु जल समझौता विश्व बैंक की मध्यस्थता से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर किया गया था। 19 सितम्बर 1960 को कराची में प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किये थे। इस समझौते के तहत सिंधु नदी और उसकी पांच सहायक नदियों सतलुज, ब्यास, रावी, झेलम और चिनाब के पानी को लेकर दोनों देशों ने एक व्यवस्था तैयार की थी। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने आपसी सहयोग और सूचना का आदान-प्रदान करने की बात कही थी। इस समझौते के अनुसार सतलुज, ब्यास और रावी का पानी भारत को आवंटित कर दिया गया था और पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चिनाब नदी का 80 प्रतिशत पानी आवंटित किया गया था। देखा जाये तो यह समझौता पूरी तरह से पाकिस्तान के पक्ष में था और भारत को इसका बड़ा नुकसान हुआ। वास्तव में भारत को जिन नदियों का पानी दिया गया उनका पाकिस्तान से कोई सम्बन्ध नहीं था। भारत में ही बहने वाली नदियों का पानी भारत को इस्तेमाल करने के लिए किसी समझौते की जरूरत नहीं थी। जो नदियां भारत की थी, उनका इस्तेमाल तो भारत को ही करना था। समझौता मुख्य रूप से सिंधु, झेलम और चिनाब नदी को लेकर किया गया था। सवाल यह है कि जिन नदियों पर भारत-पाकिस्तान का सांझा अधिकार था, वहां भारत के अधिकार की अनदेखी करते हुए तत्कालीन नेहरू सरकार ने 80 प्रतिशत पानी को पाकिस्तान के हवाले क्यों कर दिया। जब यह समझौता किया गया तो भारत में इसका जबरदस्त विरोध हुआ था लेकिन नेहरू जी ने किसी की नहीं सुनी। वास्तव में नेहरू जी चाहते थे कि पड़ोसी देश होने के कारण पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध बने रहे, इसलिए उन्होंने यह समझौता किया। वो शायद सोच रहे थे कि पाकिस्तान को फायदा पहुंचा कर उसे खुश कर देंगे और वो भारत के साथ बेहतर संबंध रखेगा। यही सोच उनकी चीन को लेकर भी थी. उसे उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट थाली में सजाकर दे दी थी। जब अमेरिका द्वारा यह सीट भारत को देने की पेशकश की गई तो उन्होंने चीन को इसके लिए ज्यादा योग्य माना और उसके लिए सिफारिश कर दी। आज भारत इस सीट को पाने के लिए गली-गली भटक रहा है। चीन को खुश करने के लिए ही नेहरू जी ने उसे तिब्बत पर कब्जा करने दिया ताकि वो खुश रहे लेकिन उस चीन ने भारत पर आक्रमण करके भारत की जमीन पर भी कब्जा कर लिया। ऐसे ही सिंधु जल समझौते के तहत भारत ने सांझी नदियों का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया। हैरानी की बात यह है कि भारत ने अपने हिस्से का 20 प्रतिशत पानी भी पाकिस्तान की तरफ जाने दिया। इसके बावजूद पाकिस्तान ने समझौता होने के बाद भारत पर तीन बार युद्ध थोप दिया है। इसके अलावा पाकिस्तान पिछले 45 सालों से भारत को आतंकवाद की आग में जला रहा है। पंजाब में ऐसी आग लगाई कि वो भारत से अलग होते-होते बचा। पाकिस्तान की लगाई आग में जम्मू-कश्मीर अभी तक जल रहा है। इसके अलावा पाकिस्तान भारत के शत्रु राष्ट्रों के साथ मिलकर नई-नई साजिशें करता रहता है। हम अपनी तरफ से इस समझौते का पूरा पालन करते आ रहे हैं लेकिन पाकिस्तान ने इस समझौते का कभी पालन नहीं किया। इस समझौते का आधार ही यही था कि दोनों देश आपस में प्रेम पूर्वक रहेंगे। पाकिस्तान ने इन नदियों के पानी पर अपना पूरा हक मान लिया है इसलिए उसे लगता है कि वो कुछ भी करता रहे, भारत इस समझौते से पीछे हटने वाला नहीं है। इसकी वजह शायद यह है कि तीन युद्धों के अलावा उसके द्वारा फैलाये जा रहे आतंकवाद को अनदेखा करते हुए हम इस समझौते का पालन पूरी ईमानदारी से करते आ रहे हैं। एक सच यह भी है कि इतना पुराना समझौता दो देशों के बीच नहीं टिकता. 65 साल बाद इस समझौते पर दोबारा विचार करने की जरूरत तो वैसे भी महसूस की जा रही थी। मोदी सरकार पाकिस्तान को इस बारे में कई बा 2014 के बाद मोदी सरकार के सत्ता में आने से माहौल बदल गया है। 2016 में उरी में आतंकवादी हमले के बाद ही मोदी जी ने पाकिस्तान को चेतावनी दे दी थी कि अगर पाकिस्तान नहीं संभला तो इस समझौते पर भारत सरकार पुनर्विचार कर सकती है। मोदी सरकार अच्छी तरह जानती थी कि इस समझौते का ज्यादा दिनों तक पालन करना संभव नहीं है, इसलिए इन नदियों का पानी भारत लाने की तैयारी 2016 के बाद से ही शुरू कर दी गई थी। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले एक दिन बाद भारत सरकार ने इस समझौते को निलंबित करने का ऐलान कर दिया था और अभी तक उस पर कायम है। पाकिस्तान को लगा कि भारत के पास पानी रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए वो चुप रहा। अब उसे धीरे-धीरे पता चल गया है कि भारत इस समझौते को रद्द करके उसे बर्बाद करने की पूरी तैयारी कर चुका है। बेशक हमारे पास आज पानी को रोकने की पूरी व्यवस्था नहीं है लेकिन हम पानी को रोक कर अपनी मर्जी से पाकिस्तान में भेज सकते हैं। हम पाकिस्तान को तब पानी नहीं देंगे जब उसको जरूरत होगी और जब देंगे तो इतना देंगे कि वहां बाढ़ आ जाएगी।

लैंगिक समानता की राह में भारत की गिरावट: एक चिंताजनक संकेत

यह न केवल दो पायदान की गिरावट है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में छुपी उस असमानता का पदार्फाश भी करती है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जब पूरी दुनिया लैंगिक असमानता को घटाने में धीमी किंतु स्थिर प्रगति कर रही है, तब भारत का पिछड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति, सोच और संस्थागत व्यवस्था की विफलता का प्रतिबिंब है। वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स), जिसे 2006 में शुरू किया गया था, चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को मापता है–आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तिकरण। भारत का कुल स्कोर 64.1% है, जो वैश्विक औसत 68.5% से काफी कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में भारत ने मामूली सुधार किया है, लेकिन महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अभी भी 45.9% पर अटकी हुई है।

प्रियंका सौरभ
लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2024 में भारत को 148 देशों में 131वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। यह न केवल दो पायदान की गिरावट है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में छुपी उस असमानता का पदार्फाश भी करती है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जब पूरी दुनिया लैंगिक असमानता को घटाने में धीमी किंतु स्थिर प्रगति कर रही है, तब भारत का पिछड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति, सोच और संस्थागत व्यवस्था की विफलता का प्रतिबिंब है। वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स), जिसे 2006 में शुरू किया गया था, चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को मापता है–आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तिकरण। भारत का कुल स्कोर 64.1% है, जो वैश्विक औसत 68.5% से काफी कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में भारत ने मामूली सुधार किया है, लेकिन महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अभी भी 45.9% पर अटकी हुई है। महिलाएँ मुख्यतः देखभाल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कम वेतन वाले क्षेत्रों में केंद्रित हैं। घरेलू और अवैतनिक श्रम, जो देश की असंगठित अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अभी तक किसी राष्ट्रीय लेखांकन में शामिल नहीं किया गया है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान कार्य के लिए 20झ्र30% कम वेतन प्राप्त होता है। यह आर्थिक असमानता केवल आँकड़ों की नहीं, सोच की समस्या है। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रगति तो हुई है, परंतु महिला साक्षरता दर अभी भी लगभग 70% है, जो वैश्विक औसत 87% से बहुत कम है। उच्च शिक्षा, विशेषकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और निम्नवर्गीय परिवारों की लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने वाली सामाजिक बाधाएँ–जैसे बाल विवाह, रुढ़िवादी सोच और विद्यालयों की दूरी–अब भी मौजूद हैं। स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा के पैमाने पर भी भारत पिछड़ा हुआ है। जन्म के समय लिंग अनुपात अब भी 929 लड़कियाँ प्रति 1000 लड़कों के आसपास है। मातृत्व से जुड़ी समस्याएँ, कुपोषण, रक्ताल्पता (एनीमिया), और प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। घर की चारदीवारी में महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता न मिलना हमारी पारिवारिक व्यवस्था की कमजोरी है। राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटकर 13.8% रह गया है और केंद्रीय मंत्रिमंडल में केवल 5.6% महिलाएँ हैं। यह तब और विडंबनापूर्ण हो जाता है जब हम जानते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पारित हो चुका है, परंतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र पुनःनिर्धारण की प्रक्रिया के विलंब के कारण उसका क्रियान्वयन अटका हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कानून पारित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। बांग्लादेश जैसे देश ने सूक्ष्म वित्त, महिला शिक्षा प्रोत्साहन, और निरंतर राजनीतिक भागीदारी जैसे उपायों से सकारात्मक सुधार किए हैं। नेपाल में संविधान द्वारा स्थानीय निकायों में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि कई निम्न आय वाले देशों ने धनी देशों की तुलना में लैंगिक समानता में अधिक तेजी से प्रगति की है, जो यह दशार्ता है कि बदलाव के लिए धन नहीं, दृढ़ नीयत चाहिए। लैंगिक समानता केवल एक सामाजिक उद्देश्य नहीं, भारत की आर्थिक प्रगति के लिए भी अनिवार्य है। मैकिंजी ग्लोबल संस्थान का अनुमान है कि यदि भारत कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाता है, तो 2025 तक अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 700 अरब डॉलर तक की वृद्धि कर सकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और शासन में महिलाओं की भागीदारी से सामाजिक परिणाम भी अधिक न्यायसंगत और समावेशी होते हैं। भारत की जनसांख्यिकीय क्षमता तभी सार्थक होगी, जब उसमें महिलाओं की पूरी और समान भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। किन्तु चुनौतियाँ गहरी हैं। पितृसत्तात्मक सामाजिक मूल्य, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए सुरक्षा की कमी, डिजिटल उपकरणों तक सीमित पहुँच और नीतियों के क्रियान्वयन में ढिलाई–ये सभी मिलकर लैंगिक असमानता को टिकाऊ बना रहे हैं। अब समय आ गया है कि भारत केवल योजना बनाने तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें जमीन पर उतारे। महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने हेतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। घरेलू और अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक लेखा-जोखा में शामिल कर उसे सम्मान और सामाजिक सुरक्षा दी जानी चाहिए। महिलाओं के लिए लचीले और सुरक्षित कार्यस्थलों की व्यवस्था की जाए, विशेषकर ग्रामीण एवं अर्ध-नगरीय क्षेत्रों में। निजी क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों में महिला निदेशक की अनिवार्यता हो। विज्ञान, राजनीति और उद्यमिता में महिलाओं के लिए परामर्श (मेंटॉरशिप) कार्यक्रम चलाए जाएँ। डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए महिलाओं को सस्ते मोबाइल व इंटरनेट सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ, और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को पंचायत स्तर तक पहुँचाया जाए। हर योजना और सर्वेक्षण में लैंगिक रूप से अलग आँकड़े संकलित करना अनिवार्य हो ताकि राज्य और जिले स्तर पर प्रगति की निगरानी की जा सके और नीति निर्माण अधिक लक्षित हो सके।

हमारा युद्धविराम, उनका युद्धविराम

आज खोमेनेई के साथ ट्रंप का नेतृत्व भी चचाओं में है। हालांकि दोनों एक-दूसरे को सख्त नापंसद करते है। फि पर दोनों की हिम्मत की चर्चा है। ऐसे ही यूक्रेन के जेलेन्स्की और रूस के पुतिन भी अपने देश हित, अपनी शर्तों पर लगातार लड़ते हुए है। दोनों ट्रंप के सामने अपनी बात दबंगी से बोलते हैं। मगर हमारे यहां सेना की बढ़त थी तो अचानक ट्रंप द्वारा घोषित सीजफायर को तुरंत मान लिया गया। दुनिया ने जाना देखा कि युद्धविराम पाकिस्तान के फायदे के लिए था। हर समय एक विशिष्ट पैमाना होता है काल का। वह क्या-कैसा होगा, यह कोई तय नहीं कर सकता। वह अचानक ही समय के गर्भ से प्रस्फुटित होता है। और फिर दुनिया समय के उसी पैमाने पर व्यक्ति को आंकती है। इस समय सारी दुनिया नेतृत्व के भंवर में है। हर जगह चर्चा है कि नेतृत्व ऐसा होना चाहिए या वैसा होना चाहिए! जाहिर है कि इस सप्ताह के घटनाक्रम में पहला नाम ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई का है। जिन्होंने इजराईल और अमेरिका को संघर्ष विराम पर मजबूर कर दिया। नहीं तो यह दोनों ईरान को तहस नहस करने, अली खामेनेई को जान से मारने की बातें कर रहे थे। दुनिया का एक बड़ा हिस्सा भी खामेनेई को खलनायक की तरह पेश कर रहा था। मगर उन्होंने इतनी बहादुरी से लड़ा, अपनी सेना की ताकत से दस गुना बेहतर प्रदर्शन किया कि जो लोग उनका मजाक उड़ा रहे थे, हल्के में आंक रहे थे आज वे भी उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। कामयाबी सही और गलत की सारी धारणाएं बदल देती है। इसको इस तरह देखें कि नेतृत्व के पैमाने पर खामेनेई का नाम तो सबसे उपर आ ही रहा है। मगर आप अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आत्मविश्वासी नेतृत्व को भी नहीं नकार सकते। फिर वही बात कि सही और गलत का फैसला अपने अपने संदर्भों में होता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने डेढ़ महीने के अंदर दो बड़े युद्ध विरामों की घोषणा की। पहले भारत-पाक के बीच और अब ईरान-इजराइल के बीच। और यह दूसरी तो बड़ी गाली देते हुए धमकी के साथ। अब इन युद्धविरामों के फायदे नुकसान हर देश के हिसाब से अलग अलग हैं। मगर ट्रंप में वह ताकत थी कि खुद युद्ध विरामों की घोषणा कर सकते थे तो किया। नेतृत्व की यही पहचान होती। तो खोमेनेई के साथ ट्रंप का नेतृत्व भी आज चचाओं में है। और आप एक जबरदस्त विरोधाभास देखिए कि दोनों एक दूसरे को सख्त नापंसद करने वाले। दो विपरीत ध्रुव मगर दोनों छा गए। और एक दूसरा उदाहरण दे रहे हैं। यहां भी नेतृत्व की मजबूती देखिए। यूक्रेन के जेलेन्स्की और रूस के पुतिन की। करीब साढ़े तीन साल हो गए दोनों को लड़ते हुए। ट्रंप ने दूसरी बार सत्ता में आने के बाद सबसे पहले इन दोनों के बीच ही युद्ध विराम करवाने की कोशिश की। मगर जैसा ईरान ने किया है वैसे ही यह दोनों भी अपने समय और शर्तों पर चाहते हैं। अपने अपने देश के हित दोनों के सामने हैं और उसके लिए ट्रंप के सामने दबंगी से बोलते हैं। जेलेन्स्की की वह वीडियो तो वायरल है जिसमें वे ट्रंप और वहां के उप-राष्ट्रपति वेन्स के साथ तीखी बहस कर रहे हैं। और साफ कह रहे हैं कि वे युद्ध विराम को नहीं मानेंगे। फिर वही बात सही और गलत का फैसला बाद में इस आधार पर होगा कि कि युक्रेन ने उस दिन समझौता न करके क्या उससे ज्यादा कुछ हासिल किया। लेकिन तीन महीने पहले उस दिन दिन अमेरिकी राष्ट्रपति के दफ्तर ओवल आफिस में जिस तरह जेलेन्स्की ने अपने देश का पक्ष रखा उससे वे मजबूत नेता के तौर पर उभर कर सामने आ गए। जहां तक पुतिन का सवाल है तो वह अमेरिका के खिलाफ इस समय सबसे बड़ी ताकत बने हुए हैं। उनका मजबूत नेतृत्व ही है कि सारे नाटो देशों का ताकत के सामने वह अकेले लड़ रहे हैं। तो आपने देखा कि अपने अपने देश के हितों के लिए व्यक्तिगत छवि की कोई परवाह किए बिना इन नेताओं ने काम किया। और अपने अपने देश में इज्जत कमाने के साथ अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भी नाम किया। लेकिन सब नेता ऐसा नहीं कर पाते हैं। हमारे यहां जब सेना बढ़त पर थी तो अचानक ट्रंप द्वारा घोषित सीजफायर स्वीकार कर लिया। पूरे देश में निराशा का माहौल छा गया। यहां यह समझना जरूरी है कि सीजफायर पाकिस्तान को तो सूट करता था। उसकी सेना हमारी सेना का मुकाबला नहीं कर सकती थी। अगर 10 मई को शाम पांच बजे ट्रंप की घोषणा के मुताबिक युद्द विराम नहीं होता तो पाकिस्तान को बहुत नुकसान हो जाता। युद्ध विराम पाकिस्तान के फायदे के लिए था। उसने इसके लिए ट्रंप का धन्यवाद किया। नोबल शांति पुरस्कार के लिए उनका नाम प्रस्तावित किया। उनके आर्मी चीफ आसीम मुनीर जो बड़ी हार के बाद पाकिस्तान में खलनायक बन जाते प्रमोशन पाकर फील्ड मार्शल बन गए। राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें लंच के लिए न्यौता दिया। कितने आश्चर्य दुःख की बात है कि कहां सेनाध्यक्ष का लंच और कहां हमारे प्रधानमंत्री पब्लिक मीटिंग में कह रहे हैं कि मुझे भी खाने पर बुलाया था। उसके समकक्ष खुद को रखना देश का अपमान है। ट्रंप ने हमारे सेनाध्यक्ष को बुलाया होता समझ में आता। मगर प्रधानमंत्री ने क्या किया क्या बोल रहे हैं किसी की समझ में नहीं आ रहा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनैतिक दलों के अध्यक्ष,सचिव के साथ की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार द्वारा अर्हता तिथि 01.07.2025 के आधार पर विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 एवं मतदान केन्द्रों के युक्तिकरण को लेकर जिले के राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/सचिव के साथ बैठक सम्पन्न हुई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/सचिव को भारत निर्वाचन आयोग के अद्यतन दिशा-निर्देश से अवगत कराया। राजनैतिक दलों के साथ आयोग द्वारा दिनांक 24.06.2025 को विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 का विस्तृत कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा करते हुए अद्यतन जानकारी दी गयी। BLO को मौजूदा मतदाताओं के लिए पहले से मुद्रित विवरण वाले फॉर्म की दो प्रतियां दी जाएंगी, जो H2H विजिट कर सभी को उपलब्ध कराया जायेगा। छठ प्रत्येक घर का दौरा करेंगे और मौजूदा मतदाताओं को पहले से मुद्रित विवरण वाले फॉर्म की दो प्रतियां वितरित करेंगे, और उन्हें फॉर्म भरने में मार्गदर्शन भी देंगे। की घोषणा के साथ साक्ष्य के रूप में दी जाने वाली दस्तावेजों की सांकेतिक सूची : अगर किसी मतदाता का नाम अर्हता तिथि 01.01.2003 के आधार पर निर्मित मतदाता सूची में दर्ज है तो साक्ष्य के रूप में उस मतदाता सूची की प्रति मान्य होगी। उन्हें किसी और दस्तावेज का आवश्यकता नहीं होगी।

झोलाछाप डॉक्टरों ने जच्चे बच्चे की ली जान, परिजनों ने जमकर की तोड़फोड़

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा में एक बार फिर दिल दहला देने वाली बड़ी घटना सामने आई है। टाउन थाना क्षेत्र के चखनी रजवटिया पंचायत के वार्ड नंबर 3 स्थित चखनी छतरौल में अवैध रूप से संचालित एक क्लिनिक में सीजेरियन ऑपरेशन के दौरान जच्चा बच्चा कि तड़प तड़प कर मौत हो गई है। दरअसल प्रसव पीड़िता को गंभीर हालत में अनुमंडल अस्पताल से जीएमसीएच बेतिया के लिए रेफर किया गया था लेकिन आशा और ममता के चुंगल में फंसकर प्रसव पीड़िता को नीम हकीम के पास पहुंचा दिया गया। आरोप है कि झोलाछाप चिकित्सक मनोज यादव और तथाकथित सर्जन प्रवीण तिवारी नें ऑपरेशन किया जिसके बाद महिला और नवजात की मौत हो गई। इस हादसे के पीछे का चेहरा चौंका देने वाला है। जो डॉक्टर बना बैठा था, वह असल में एक यूट्यूबर और झोलाछाप चिकित्सक है चैंबर से परिस्करीप्शन पैड बरामद किया गया है । जबकि प्रवीण तिवारी चैंबर छोड़ फरार हो गया है लेकिन झोलाछाप मनोज यादव को पकड़कर परिजनों ने पुलिस के हवाले कर दिया है। बताया जा रहा है कि मानक से हटकर कच्चा मकान में अवैध अस्पताल चल रहा था जिसमें ऑपरेशन थिएटर बनाकर बेतर्तीब ढंग से ऑपरेशन का खेल चल रहा था। जानकारी के मुताबिक प्रवीण तिवारी और मनोज यादव कि जोड़ी नें पहले भी कई मरीजों को मौत के घाट उतार दिया है। हैरत की बात है कि बगहा 01 पीएचसी और अनुमंडल अस्पताल के बिचोबीच ऐसे कई झोलाछाप मरीजों के जान माल से सरेआम खिलवाड़ कर रहें हैं लेकिन प्रशासन चुप्पी साधे अनदेखा कर रहा है जबकि आशा और ममता कि इस गोरख धंधे में कमीशन के खेल में लोग बेमौत मर रहें हैं। बतादें कि गिरफ्तार आरोपी मनोज यादव कोई पंजीकृत डॉक्टर नहीं है, उसके पास कोई चिकित्सक कि भी डिग्री नहीं है। वह ह्यूमनस्ट इंडिया नामक यूट्यूब चैनल चलाता था, जिसपर वह खुद को पत्रकार बताकर वीडियो बनाता था। लेकिन सच्चाई यह है कि वह बिना किसी मेडिकल डिग्री के सीजेरियन जैसे गंभीर ऑपरेशन का खेल कर रहा था।घटना की जानकारी मिलते ही आक्रोशित परिजनों ने अवैध क्लीनिक पहुंचकर जमकर तोड़फोड़ की ।थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया है कि फर्जी डॉक्टर के खिलाफ हत्या और लापरवाही समेत कई गम्भीर मामले में केस दर्ज कर कर्यवाई कि जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

मेडिकल क्लिनिक से तक्षक नाग का रेस्क्यू घने जंगल में सुरक्षित छोड़ा गया

बगहा। वीटीआर के रिहायशी इलाके में जंगली जीवजंतुओं के निकल आने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।कहीं मगरमच्छ तो कहीं जंगली सांपों के रिहायशी क्षेत्रो से वनकर्मियों के द्वारा रेस्क्यू की खबरें बराबर आ रही है। वीटीआर से सटे बगहा वाल्मीकिनगर स्थित मेन सड़क टंकी बाजार के अपोलो क्लीनिक से तक्षक नाग सांप का रेस्क्यू वनकर्मियों द्वारा किया गया है रेंजर श्रीनिवासन नवीन में बताया कि अपोलो क्लीनिक के डॉक्टर के कक्ष के बगल के अर्धनिर्मित ईंटों की दीवार के दरार में तक्षक नाग को रेंगते हुए क्लीनिक के स्टाफों के द्वारा देखा गया और वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई। सूचना प्राप्त होते ही रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंचकर तक्षक नाग का रेस्क्यू कर लिया ।बतादें की भेरियानी गांव स्थित निवासी अशोक झा के घर से एक विशालकाय सांप का दो दिन पहले रेस्क्यू किया गया तो वहीं लवकुश घाट गांव से भी कोबरा सांप के रेस्क्यू की खबर आई है।

भूतपूर्व सैनिकों की पहचान को ले पैनल अधिवक्ता व पारा विधिक स्वयं सेवकों को सूचीबद्ध किया जाएगा

छपरा। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना से प्राप्त निर्देश के आलोक में सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए समर्पित योजना की तैयारी प्रक्रियाधीन है। इस पहल के तहत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों में कानूनी जागरूकता, सामुदायिक जागरूकता पहुँच और कानूनी सेवाओं में सहायता के लिए भूतपूर्व सैनिकों की पहचान कर उन्हें पैनल अधिवक्ता एवं पारा विधिक स्वयं सेवक के रूप में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। इस आशय की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार सारण छपरा के सचिव ने दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऐसे भूतपूर्व सैनिक, जो पारा विधिक स्वयं के रूप में सूचीबद्ध होना चाहते हैं, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार व्यवहार न्यायालय सारण छपरा के कार्यालय में आवेदन दे सकते हैं। और इससे संबंधित जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र आगामी 2 जुलाई 25 तक दे सकते हैं।

निजी जमीन पर बन रहा सरकारी रोड, जमीन मालिक ने सी ओ को दिया आवेदन

छपरा सदर। निजी जमीन पर सरकारी सड़क बनाने का कार्य किया जा रहा है जिसमें जमीन मालिक ने अंचलाधिकारी को आवेदन देकर इस कार्य को रोकने का निवेदन किया है बताते चले कि एकमा प्रखंड के रामपुर बिंदा लाल के स्वर्गीय ललन प्रसाद सिंह के पुत्र राजेश कुमार सिन्हा ने एकमां के अंचल अधिकारी को आवेदन देते हुए लिखा है कि मेरे जमीन जिसका खाता नंबर-1664, 1665 मेरा निजी जमीन है यह जमीन मेरे दादा स्वर्गीय राजेश्वरी प्रसाद के नाम से खतियान में दर्ज है। वर्तमान में उक्त स्थल पर मेरे द्वारा दुकान बनवाया गया है। जिसके पूर्व हिस्से में तीन फीट मेरा निजी जमीन दुकान के रख रखाव निमित्त छोड़ा गया है, परन्तु मेरे निजी जमीन पर सरकारी रोड का कार्य जबरन किया जा रहा है। मैं अभी गाँव में निवास नहीं करता हूं। जब मुझे इसकी जान कारी हुई तो मेरे द्वारा आपत्ति व्यक्त करने के बावजूद कार्य अबाध गति से चल रहा है। स्थानीय जन प्रतिनिधि को इस निर्माण में वस्तुस्थिति अवगत कराने पर धौंस दिखाया गया है। उन्होंने अपने आवेदन में लिखा है कि मेरे जमीन को सरकारी अतिक्रमण से मुक्त कराने की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई की जाय।

नगरा की समीना नाज बनीं भवन निर्माण विभाग में सहायक वास्तुविद

दृढ निश्चय और ईमानदारी से मेहनत किया जाए तो सफलता चूमती है कदम

प्रात : किरण संवाददाता

चपरा कार्यालय। दृढ निश्चय, साहस और मेहनत की बदौलत इंसान अपने लक्ष्य को हासिल कर सकता है. कुछ ऐसा ही कर दिखाया है नगरा निवासी रेयाजुल हक अंसारी की बेटी समीना नाज ने. उन्हें बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक वास्तुविद के पद पर सफलता मिली है. समीना को 25 जून को पटना के देशरत्न मार्ग स्थित संवाद हॉल में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा योगदान पत्र प्रदान किया गया. इस मौके पर उपमुख्यमंत्री समाट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा के साथ संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी और भवन निर्माण मंत्री जयंत राज भी मौजूद थे. समीना ने यह सफलता हासिल कर अपने परिवार, समाज और जिले का नाम रौशन किया है. उन्हें यह सफलता अपने पहले प्रयास में ही मिली है. इंजिनियरिंग सेवा में जाने की प्रेरणा अपने पिता एवं सेवानिवृत इंजीनियर बड़े अब्बू सेराजुल हक से मिली है. समीना ने केन्द्रीय विद्यालय छपरा से अपनी प्रांरभिक शिक्षा पूरी की और बीआईटी मेसरा से बी-आर्क किया. बीपीएससी द्वारा आयोजित इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा में परचम लहराकर समीना ने अपने दादा स्व अब्दुस समद अंसारी के साथ मां साबरा खातून का सपना साकार किया है.

गुप्त सूचना पर की गई छापेमारी में 777 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, तस्कर कारोबारी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा में पुलिस नें गुप्त सूचना पर छापेमारी कर 777 लीटर अंग्रेजी शराब कि बड़ी खेप बरामद किया है वहीं मौके से शराब तस्कर और कारोबारी को भी गिरफ्तार किया गया है जिसके बाद शराब माफियाओं में हड़कंप मचा है ।दरअसल बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू है इसके बावजूद सीमावर्ती यूपी से लाकर भारी मात्रा में विदेशी शराब स्टॉक किया गया था जिसे कुरियर के जरिये होम डिलीवरी का गोरखधंधा परवान चढ़ रहा था इसी बीच बगहा एसपी सुशांत कुमार सरोज को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रामनगर एसडीपीओ दिव्यांजलि के नेतृत्व में विशेष टीम नें कार्रवाई करते हुए बथवरिया थाना क्षेत्र स्थित वीरती गाँव में अनील यादव के घर से अवैध शराब कि बरामदगी किया है ।बताया जा रहा है की विदेशी शराब के कई प्रकार की खेप का स्टॉक कर उसे महंगे दरों पर पियक्कड़ो तक होम डिलीवरी किया जा रहा था इसी बीच पुलिस कप्तान को गुप्त सूचना मिली लिहाजा एसपी नें लेडी सिंघम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर गाँव की नाकेबंदी करवाई और सघन छापेमारी कर तलाशी ली गई इसी दौरान लाखों के अवैध शराब जब्त किये गए जबकि कारोबारी को भी गिरफ्तार करने में पुलिस कामयाब रही। बतादें की बिहार में इसी साल महज कुछ महिनों के भीतर विधानसभा चुनाव होनें हैं लिहाजा चुनाव पूर्व नेपाल और उतर प्रदेश की सीमा पर स्थित बगहा पुलिस शराब कारोबारियों की तलाश में शिद्दत से जुटी है वहीं कई शराब तस्करों की पहचान कर उनके विरुद्ध नामजद केस दर्ज करने के साथ गिरफ़्तारी समेत स्पीडी ट्रायल चलवाकर सजा दिलाने की कवायद में एसपी सुशांत कुमार सरोज नें कमर कस लिया है. रध नें दावा किया है की बगहा जिले में सैकड़ों मामले दर्ज कर सैकड़ों वाहन और लाखों के शराब जब्त किये गए हैं वहीं सैकड़ों लोगों की गिरफ़्तारी भी सुनिश्चित की गई है यह महज 6 महीने के भीतर का आकड़ा है जब पुलिस विभिन्न नाका और पोस्ट समेत नदी, जंगल और पहाड़ी रास्तों पर भी पहरेदारी कर नशे के सौदागरों को सलाखों तक पहुंचाने में 24 घंटे अभियान चला रही है।

अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर न्यायिक पदाधिकारियों ने लिया शपथ

छपरा कोर्ट ।बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर नशीली दवावों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को लेकर न्यायिक पदाधिकारियो सहित न्यायिक कर्मचारियों ने शपथ लिया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार छपरा पुनीत कुमार गर्ग ने नशीली दवावों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर शपथ समारोह का आयोजन टेन कोर्ट बिल्डिंग में किया गया। शपथ समारोह में परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश दीपक कुमार सहित सभी जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी जिला सेवा विधिक प्राधिकार के सचिव ब्रजेश कुमार सहित सभी अपर न्यायिक दंडाधिकारी एवं प्रथम न्यायिक दंडाधिकारी मुख्य न्याय रक्षक पूर्णेन्दु रंजन सहित न्यायालय कर्मी उपस्थित थे ।शपथ ग्रहण के दौरान प्रधान जिला जज ने शपथ दिलवाया कि कभी नशीली दवावों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को नहीं करूंगा अपने परिजनों एवं परिचितों को भी नशीली दावों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी नहीं करने के लिए प्रेरित करूंगा। अपने कार्यालय परिसर को नशीली दवा और अवैध तस्करी से मुक्त रखूंगा और अपने सहयोगियों को भी इसके लिए प्रेरित करूंगा। प्रधान जिला जज ने कहा कि 7 दिसंबर 1987 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव पारित कर प्रत्येक 26 जनर को अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था।

नशा करने से व्यक्ति का विकास अवरुद्ध होता है: थानाध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

चपरा कार्यालय। अंचल के मानूपुर पंचायत अधीन उत्क्रमित मध्य विद्यालय ईशुपुर में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय नशीली दवाओं के दुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ दिवस पर दिघवारा पुलिस के तत्वाधान में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्कूली विद्यार्थियों को नशामुक्ति को लेकर जागरूक किया गया ।थानाध्यक्ष डॉ रितेश कुमार मिश्रा ने कहा कि नशा नाश की जड़ है और नशा करने से व्यक्ति का विकास अवरुद्ध होता है ।नशा के विभिन्न तरीकों का सेवन करने से शारीरिक कष्ट में भी वृद्धि होती है ।ऐसे में हर किसी को नशा उन्मूलन के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए ।श्री मिश्रा ने कहा कि बिहार सरकार ने पूरे प्रदेश में शराबबंदी को लागू कर एक उत्कृष्ट कार्य किया है और इसका सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है ।उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में नशे से दूर रहने का संकल्प दिलवाया और लोगों को भी नशा से नाता तोड़ने व इससे साथ न जोड़ने का भी शपथ दिलवाया ।शिक्षक संतोष कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस द्वारा नशामुक्ति के लिए विद्यार्थियों को जागरूक करने का जो प्रयास किया गया है वह अनुकरणीय व प्रशंसनीय दोनों है ।हर व्यक्ति को समाज से नशा का उन्मूलन करने का हरसंभव प्रयास करना चाहिए ।एचएम अनिल कुमार सिंह ने आगत अतिथियों का स्वागत कर विद्यार्थियों के बीच नशा मुक्ति को लेकर अपना विचार व्यक्त किया ।कार्यक्रम के दौरान कुमारी शशिनिभा,पुष्पलता कुमारी,ममता शर्मा,कुमारी रहमत फातिमा,पुतुल कुमारी,नूतन,सरिता सिंह,मिलन सिंह,कुमारी छाया सिंह,शिवानी,जूही परवीन आदि शिक्षक शिक्षिका मौजूद थे।

विधि प्रकोष्ठ ने जेपी सेनानियों को किया सम्मानित

छपरा कोर्ट। जिला विधि मंडल छपरा में आपातकाल काला दिवस की 50वीं वर्षगांठ पर सम्मान सा मारोह का आयोजन सुभाष चंद्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें आम लोगों को संविधान का मान सम्मान रखने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर आपातकाल में जेल गए सेनानियों को जिला विधि मंडल के अध्यक्ष गंगोत्री प्रसाद एवं महामंत्री अमरेंद्र सिंह ने अंग वस्त्र देखकर सम्मानित किया। सम्मानित सेनानियों में अधिवक्ता सियाराम सिंह चंद्रिका राय रविंद्र आजाद गंगोत्री प्रसाद श्याम सुंदर तिवारी विजय बहादुर सिंह रामायण जीवन दानी थे ।विचार गोष्ठी में मुख्य रूप से समाजसेवी शंभू कमलाकर अधिवक्ता दक्ष निरंजन उदय शंकर सिंह उमेश सिंह चंद्रभूषण वर्मा प्रकाश रंजन श्रीवास्तव पवन श्रीवास्तव अभिषेक वर्मा, मानस पीयूष सहित दर्जनों अधिवक्ता उपस्थित थे।

स्वामी सहजानंद सरस्वती के नाम पर बिहटा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का नामकरण की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

चपरा कार्यालय। छपरा स्थित मंजर रिजवी भवन मेसारण जिला किसान सभा के द्वारा स्वामी सहजानंद सरस्वती पुण्य तिथि समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम स्वामी सहजानंद सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से समारोह का शुभारंभ किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए बिहार राज्य किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सौरभ ने कहा कि स्वामीजी बिहार मे किसान आंदोलन के जनक थे। उन्होंने बिहार तथा पूरे देश मे किसानों को संगठित कर किसान सभा का गठन किया और जमींदारी उन्मूलन हेतु किसानों के शोषण की खात्मा हेतु संघर्ष का बिगुल फूंका। वे बिहटा मे सीताराम आश्रम मे रहकर अपनी गतिविधियों को संचालित करते थे। ऐसे मे बिहटा मे बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नामकरण स्वामीजी के नाम करना चाहिए। वे एक महान स्वतंत्रता सेनानी भी थे। समारोह को सीपीआई नेता रामबाबू सिंह, वरीय अधिवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, डॉ वीरेन्द्र सिंह, किसान सभा के जिला सचिव हरिबलम सिंह, सुग्रीव गुप्ता, मैनेजर यादव, सुरेश वर्मा, त्रिविक्रम दुबे, नारायण मांझी, अखिलेंद्र सिंह, रामानंद किरण आदि ने भी संबोधित किया। समारोह की अध्यक्षता बदरी प्रसाद ने किया।

मदरसा इस्लामिया खानकाह हजरत दाता साह मस्तान टोला बगहा-01 में कार्यरत शिक्षक मो कलीमुल्लाह हुए निलंबित

राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने एवं सरकार विरोधी कार्य में रूचि लेने पर हुई कार्रवाई

- बीएलओ के कार्य से भी मुक्त करने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। मदरसा इस्लामिया खानकाह हजरत दाता साह मस्तान टोला, बगहा-01 में कार्यरत शिक्षक मो0 कलीमुल्लाह के द्वारा राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने एवं सरकार विरोधी कार्य में रूचि लेने को लेकर प्रभारी प्रधान मौलवी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ज्ञातव्य हो कि अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा को उक्त शिक्षक के विरूद्ध गंवई राजनीति करने एवं सरकार विरोधी कार्य में रूचि लेने संबंधी गंभीर शिकायत प्राप्त हुआ, जिसकी जांच अंचल अधिकारी, बगहा-01 एवं थानाध्यक्ष बगहा से करायी गयी। जांच प्रतिवेदन से स्पष्ट हुआ कि मो0 कलीमुल्लाह द्वारा सरकारी कार्यों में रूचि नहीं लेकर राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है तथा समाज में भड़काउ स्थिति पैदा करने का कार्य किया जा रहा है। अनुमंडल पदाधिकारी बगहा द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण को इस संदर्भ में जानकारी दी गयी। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने प्रधान मौलवी/प्रभारी प्रधान मौलवी मदरसा इस्लामियां खानका हजरत मस्तान साह टोला, बगहा-01 को पत्र लिखकर उक्त शिक्षक के विरूद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में प्रभारी प्रधान मौलवी मदरसा इस्लामियां खानका हजरत मस्तान साह टोला, बगहा-01 ने शिक्षक मो0 कलीमुल्लाह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी बगहा द्वारा उक्त शिक्षक के बीएलओ के कार्य से मुक्त करने हेतु भी निर्देशित किया गया है।

गरखा पंचायत भवन में 29 जून को विधिक जागरुकता शिविर का होगा आयोजन

छपरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार सारण के सचिव से जानकारी के अनुसार बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार जिला विधिक जागरुकता समिति छपरा के तत्वाधान में आगामी 29 जून को 10:00 बजे पूर्वाह्न में न्यायिक साक्षरता कार्यक्रम (मादक द्रव्यों के दुरुपयोग के पीड़ितों को विधिक सेवा नशा उन्मूलन) योजना पर आधारित विषय पर एक विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन गरखा पंचायत भवन, सारण में किया गया है। जागरूकता शिविर का सफल आयोजन को लेकर एक पैनल अधिवक्ता एवं पारा विधिक स्वयं सेवक की प्रतिनियुक्ति की गयी है।

मंत्री को किया सम्मानित

चपरा कार्यालय। बिहार सरकार के विधि मंत्री सह स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय से भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक प्रकाश रंजन नीकू ने पटना स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की इस दौरान उन्हें अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर नीकू ने सूबे के सभी जिले में नये लोक अभियोजक बनाए जाने पर मंत्री को बधाई दी तथा विशेष लोक अभियोजक एवं अपर लोक अभियोजन की नियुक्ति भी नए सिरे से करने की मांग की उन्होंने बताया कि विधि मंत्री ने उनकी बातों को पूरी गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि इस मामले में वह विधि सम्मत कार्रवाई करेंगे इस अवसर प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश उपाध्याय अशोक कुमार सिंह लोक अभियोजक सर्वजीत ओझा सहीत अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जदयू ने सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं नगर अध्यक्ष के साथ बैठक की

- जदयू कार्यकर्ता बिहार राज्य में हो रहे विशेष गण पुनरीक्षण में सहयोग करेंगे
- जदयू कार्यकर्ता बूथ स्तर पर प्रचार प्रसार करेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

चपरा कार्यालय सारण जिला संगठन प्रभारी रणविजय कुमार के उपस्थिति में सारण जिला जदयू अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू अध्यक्षता में गूगल मीट एप के माध्यम से वर्चुअल बैठक में जिला के सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं नगर अध्यक्ष सम्मिलित हुए सारण संगठन प्रभारी रणविजय कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण कराए जाने के निर्देश जारी किए हैं यह पुनरीक्षण आयोग द्वारा निर्धारित दिशा निदेर्शों और समय सारणी के अनुसार आयोजित किया जाएगा इस गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो ताकि वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम ने कहा कि कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो और मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहे उल्लेखनीय है कि बिहार में पिछला गण परीक्षण वर्ष 2003 में किया गया था वर्तमान में तेजी से हो रही शहरीकरण लगातार होने वाला प्रवासन नए युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी कर मतदाता बनने की पात्रता प्राप्त करना मृत्यु की जानकारी का समय पर न मिलाना तथा अवैध विदेशी नागरिकों के नाम सूची में दर्ज हो जाना जैसी स्थितियों के कारण यह गण पुनरीक्षण आवश्यक हो गया है ताकि त्रुटि और विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार हो सके बिएलओ के द्वारा सभी मतदाताओं को दो प्रति में फार्म उपलब्ध कराया जाएगा जिसे सभी मतदाताओं को अपने पहचान के साथ उसे फॉर्म को भरकर बीएलओ के पास जमा करना होगा हम सभी जयदेव के समर्पित कार्यकताओं का बीमारी होता के सभी मतदाताओं को बूथ स्तर तक जागरूक करें तभी जाकर सभी मतदाताओं का नाम जुड़ सकेगा समय सीमा निर्धारण है क्योंकि आगामी विधानसभा का चुनाव होना है पार्टी के बीएलए सभी बीएलओ को सहयोग करेंगे ताकि जल्द से जल्द मतदाताओं का नाम फॉर्मेट के साथ जमा कराया जा सके

लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की प्राथमिकता बिहार और बिहार है: सांसद राजेश वर्मा

- आगामी 6 जुलाई को छपरा की ऐतिहासिक धरती पर चिराग पासवान का आगमन होगा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का प्राथमिकता बिहार और बिहारी है, पार्टी के विजन को धरातल पर उतारने की प्राथमिकता है, इसी उद्देश्य राष्ट्रीय अध्यक्ष का बिहार दौरा जारी है। उक्त बातें खगड़िया के सांसद एवं बिहार चुनाव के सह प्रभारी राजेश वर्मा ने शहर के स्थानीय काशी बाजार स्थित आरएनपी पब्लिक स्कूल के सभागार में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। सांसद राजेश वर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान मोकामा टाल से आशीर्वाद लेकर शाहाबाद,राजगीर नालंदा का दौरा करते हुए आगामी 6 जुलाई को छपरा की ऐतिहासिक धरती पर आगमन होगा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बिहार और बिहारिओं को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। बिहार के तमाम युवाओं, महिलाओं बुजुर्गों और जातीय राजनीति से ऊपर उठकर बिहार के अस्मिता को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार का रुख किया है। सांसद राजेश वर्मा ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि सारण की धरती ऐतिहासिक रही है,यह धरती डॉ राजेंद्र प्रसाद और मौलाना मजहरूल हक जैसे महापुरुषों की धरती है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने उनके आदर्शों पर चलते हुए आगामी 6 जुलाई को छपरा की पावन धरती पर कदम रखेंगे। लोजपा रामविलास पार्टी और परिवार के एक-एक सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए तैयार रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष का बिहार दौरा संकल्प सभा के साथ चल रहा है, राष्ट्रीय अध्यक्ष सभी जिलों में जा रहे हैं और संकल्प सभा में जिस तरह भीड़ हो रही है, इससे प्रतीत हो रहा है कि बिहार की एक बड़ी आबादी की भी मनसा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का रुख बिहार की ओर हो। प्रेस वार्ता में पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि सीट शेयरिंग का मुद्दा एनडीए के घटक दल के नेता मिलकर करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्णय के साथ लोजपा रामविलास के कार्यकर्ता एकजुट हैं। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 6 जुलाई को छपरा आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री का भव्य स्वागत होगा। इसको लेकर लोजपा कार्यकर्ता जोरदार तैयारी में जुट गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में लोजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार मुन्ना, प्रदेश महासचिव सौरव पांडेय, लोजपा के जिला अध्यक्ष दीपक सिंह, मोहम्मद अयूब खान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 27 जून, 2025

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

जमाबंदी में छेड़छाड़ के कारण मुसहरी के दो राजस्व कर्मी निलंबित

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी ने कार्य में लापरवाही के कारण मुसहरी अंचल के दो राजस्वकर्मी को निलंबित कर दिया है। जिलाधिकारी ने मुसहरी अंचलाधिकारी को दोनो राजस्वकर्मियों पर प्रपत्र के गठित करते हुए अनुमंडल अधिकारी पूर्वी के माध्यम से एक सप्ताह के अंदर उपलब्ध कराने का आदेश दिया है ताकि दोनों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जा सके। जिलाधिकारी ने राजस्व कार्यो का समयबद्ध निष्पादन करने तथा अंचल के कार्यों में अपेक्षित सुधार लाने हेतु अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी को मुसहरी अंचल का विजिट कर प्रगति लाने का निर्देश दिया था। तदनुसार अनुमंडल पदाधिकारी, पूर्वी द्वारा 19 जून को मुसहरी अंचल की समीक्षा की गई जिसमें पाया गया कि मुसहरी अंचल के राजस्व कर्मचारी राजू कुमार द्वारा जमाबंदी में छेड़छाड़ की गई है तथा राजस्व कार्य में अभिरुचि नहीं ली जा रही है। इसके अतिरिक्त मुसहरी अंचल के राजस्व कर्मचारी अंगद कुमार के द्वारा भी राजस्व मामलों के निष्पादन में जानबूझकर कोताही एवं लापरवाही बरतने का मामला सामने आया था।

वारंटी को जेल

कल्याणपुर समस्तीपुर चकमहेसी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर व कोर्ट के निर्देश पर थाना क्षेत्र के घोघरा गांव में छापेमारी कर सचिंद्र लाल के पुत्र भगवान लाल को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि गुप्त सूचना मिलते ही अवर निरीक्षक मोहम्मद शब्बीर खान, रामनाथ राय, सहायक अवर निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, दलबल के साथ गांव में पहुंचकर वारंटी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार वारंटी न्यायिक हिरासत में भेजे गए हैं।

एक शरबी गिरफ्तार

कल्याणपुर समस्तीपुर चकमहेसी पुलिस ने श्रीनाथ पारण गांव में नशा पान कर हंगामा करने को लेकर ग्रामीणों की सूचना पर थाने से पुलिस पहुंची। मध्य निषेध के तहत उसकी मेडिकल जांच करा कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि न्यायिक हिरासत में भेजे गए की पहचान गांव के ही बृज किशोर चौधरी के पुत्र राजीव कुमार चौधरी के रूप में की गई है।

विभिन्न गांव के आपसी विवाद में सात जख्मी

कल्याणपुर समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में हुई आपसी विवाद को लेकर मारपीट में सात लोग जख्मी हो गए। परिजनों के सहयोग से जख्मी को ईलाज के लिए सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां ईलाज कर रहे चिकित्सक ने जख्मी की पहचान गुलाब टोल सिंघिया गांव की 35 वर्षीय सुशीला देवी, मिजार्पुर गांव के 65 वर्षीय कामेश्वर ठाकुर, भगवानपुर गांव की 45 वर्षीय पिंकी देवी, कुढवा गांव के मोहम्मद जया, जितवरिया गांव के कुंदन कुमार व निर्मला देवी शामिल है। जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी मोहम्मद हैदर ने दी। एल टी एफ टीम ने गोविंदपुर खजूरी पंचायत के चक जाफर गांव से एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया। थाना अध्यक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि गुप्त सूचना मिलते ही एल टी एफ टीम चकजाफर गांव के रविंद्र राय की दुकान पर पहुंची जहां वे अंग्रेजी शराब की 375 एम एल की दो बोतल एक खुले बोतल में 200 मिलीग्राम को बरामद करते हुए उसे गिरफ्तार किया। मध्य निषेध के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार शराब कारोबारी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

जदयू के जिला उपाध्यक्ष बने जयशंकर प्रसाद सिंह, बधाई

विभूतिपुर /समस्तीपुर प्रखंड के महथी सिरसी निवासी जयशंकर प्रसाद सिंह को जदयू का जिला उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन किया गया है। उनको यह मनोनयन पत्र बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सह जिला अध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने उनके पार्टी के प्रति सक्रियता, कार्य कुशलता, सांगठनिक क्षमता को देखते हुए दिया है। श्री सिंह को जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर जदयू के प्रखंड अध्यक्ष अशोक पटेल, तरुण सिंह, राम बहादुर सिंह, चांदनी देवी, अशोक कुमार, गोनर दास, कैलाश राय, विजय कुमार, अयोध्या पंडित आदि जदयू कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

पंचायत प्रतिनिधि को हथियार रखने की निर्णय मिलने पर हर्ष

विभूतिपुर/समस्तीपुर विभूतिपुर पूरब पंचायत में प्रतिनिधियों की एक बैठक हुई। जिसमें पंचायत प्रतिनिधियों को हथियार रखने की सरकार द्वारा हरी झंडी मिलने पर त्रिस्तरीय पंचायती राज्य संस्थानों के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने हर्ष व्यक्त किया। बैठक में शेखर प्रसाद सिंह ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की वर्षों पुरानी मांग को राज्य सरकार ने हरी झंडी दी है। उन्होंने सरकार के निर्णय को स्वागत किया है। राम प्रीत राय, राम किशुन साह आदि मौजूद थे।

डेंगू की रोकथाम हेतु सभी अस्पतालों में समुचित व्यवस्था करें : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डेंगू की रोकथाम एवं बचाव हेतु जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बुधवार को, समाहरणालय में बैठक की तथा आवश्यक निर्देश दिया। बैठक में जिलाधिकारी ने जल जमाव को दूर करने, फॉगिंग की सुदृढ़ व्यवस्था करने तथा एसकेएमसीएच एवं सदर अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों में डेंगू के इलाज की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। बैठक में अवगत कराया गया कि मुजफ्फरपुर का अहियापुर क्षेत्र एवं एसकेएमसीएच के निकटवर्ती क्षेत्र मैं सिविल सर्जन स्वयं विजिट करें तथा नगर आयुक्त से समन्वय स्थापित कर उस क्षेत्र में साफ सफाई, छिड़काव एवं जागरूकता का विशेष अभियान चलाना सुनिश्चित करें ताकि इन क्षेत्रों में डेंगू के मरीजों की संख्या को नियंत्रित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को शहरी क्षेत्र में फॉगिंग की समुचित व्यवस्था करने तथा इसके लिए रोस्टर तैयार कर क्षेत्रवार टीम गठित करने को कहा ताकि निर्धारित तिथि, क्षेत्र एवं समय के अनुसार फागिंग की सुदृढ़ व्यवस्था हो सके। वर्तमान में 15 फागिंग मशीन हैं। जिलाधिकारी ने उन मशीनों को कार्यरत रखने तथा प्रमाण पत्र प्राप्त करने का निर्देश दिया ताकि आवश्यकता अनुसार उपयोग किया जा सके। उन्होंने डेंगू के मरीज के इलाज हेतु स्वास्थ्य केंद्रों पर टेस्ट एवं इलाज की समुचित व्यवस्था करने हेतु डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मियों को अलर्ट करने को कह। बैठक में अवगत कराया गया कि एसकेएमसीएच में ब्लड सेपरेटर मशीन है। इस मशीन को भी कार्यरत अवस्था में रखने तथा समुचित रूप से चेक कर लेने का निर्देश दिया। साथ ही सरकारी दिशा निर्देश के अनुरूप एसकेएमसीएच में 30 बेड का डेंगू वार्ड तैयार रखने का निर्देश दिया।

इसके अतिरिक्त जिला अस्पताल में 10 बेड का मेडिकेटेड मच्छरदानी युक्त डेंगू वार्ड बनाने तथा सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर दो बेड डेंगू मरीज के लिए संरक्षित रखने का निर्देश दिया। सिविल सर्जन ने डेंगू और चिकनगुनिया के लक्षण एवं उससे बचाव हेतु विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीमारी के लक्षण होने पर बिना समय नष्ट किए चिकित्सक से संपर्क करें। बैठक में सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार, अस्पताल अधीक्षक, जिला स्वास्थ्य प्रबंधक सहित कई अन्य अधिकारी शामिल थे।

कार्बन फार्मिंग के क्षेत्र में इसरो के साथ मिलकर काम करेगा कृषि विश्वविद्यालय : कुलपति

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय कार्बन फार्मिंग के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ मिलकर काम करेगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति डाक्टर पीएंस पाण्डेय ने केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में आयोजित दो दिवसीय अनुसंधान परिषद (खरीफ) की बैठक को सम्बोधित करते हुए दी। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय कार्बन फार्मिंग के क्षेत्र में इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के साथ मिलकर कार्य करेगा। यह एक गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान परियोजना के लिए इसरो की तरफ से फंड भी उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे संबंधित पत्र आज ही प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय की अनुसंधान के क्षेत्र में प्रगति को दशार्ता है। लेकिन अब अनुसंधान के क्षेत्र में और तेज प्रगति लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में अभी हाल ही में 89 नये फैकल्टी सदस्यों ने अपना योगदान दिया है। नये वैज्ञानिकों में ऊर्जा है और आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षा है। उन्होंने कहा कि अनुभवी वैज्ञानिकों और नये वैज्ञानिकों के साथ मिलकर अगले कुछ सालों में एक नई अनुसंधान के क्षेत्र में एक क्रांति लाने की आवश्यकता है। कुलपतियों ने कहा कि अनुसंधान किसानों को ध्यान में रख कर किया जाना चाहिए। डिजिटल एग्रीकल्चर के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने काफी काम किया है, लेकिन बहुत सारे काम किये जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि केसर की खेती मशरूम की ही तरह वातानुकूलित वातावरण में की जा सकती है। इसकी खेती की कम खर्च में संभावना तलाशने का निर्देश उन्होंने वैज्ञानिकों को दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि बिहार सहित देश भर में छोटे और मध्यम जोत के किसानों की संख्या काफी अधिक है। विश्वविद्यालय ने किसानों के लिए यंत्र बनाया है, लेकिन छोटे किसानों के लिए नये यंत्रों को बनाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि छोटी जोत की जरूरत के हिसाब से यंत्र विकसित किया जाये। डा पांडेय ने इंजीनियरिंग के वैज्ञानिकों से कहा कि स्मार्ट मशीन विकसित किये जाने चाहिए जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैश हों और जरूरत के मुताबिक स्वयं निर्णय लेने में सक्षम हों। उन्होंने कृषि के क्षेत्र में ग्लोबल जरूरतों और निर्यात की संभावनाओं पर भी काम करने का निर्देश वैज्ञानिकों को दिया।

नेपाल से लाई जा रही शराब की खेप जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर सशस्त्र सीमा बल की 48वीं वाहिनी के जवानो ने नेपाल से लाई जा रही शराब की बड़ी खेप जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गुरुवार दोपहर करीब 1:15 बजे जी कंपनी के बीओपी कमला के जवान नियमित गश्त पर थे, तभी सीमा स्तम्भ संख्या 270/15 से लगभग 300 मीटर भारत की ओर दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोक कर जांच की गई। तलाशी के दौरान उनके पास से कुल 122 बोतल नेपाली शराब बरामद की गई। इनमें मैकडॉवेल्स नंबर-1 की 8 शीशी 375 मिलीलीटर एसी ब्लैक की 19 शीशी 375 मिलीलीटर तथा सौरभ सौफी की 90 शीशी 300 मिलीलीटर शामिल है। कुल मात्रा 37.125 लीटर आंकी गई है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान महेश कुमार राय उम्र 30 वर्ष पिता विनोद राय निवासी - टोल-13 थाना जयनगर जिला मधुबनी तथा विक्की कुमार साफी उम्र 30 वर्ष पिता - विष्णु साफी निवासी - गायत्री मंदिर टोल जयनगर के रूप में हुई है। जब्त शराब और दोनों अभियुक्तों को अग्रिम कार्रवाई के लिए स्थानीय थाना को सौंप दिया गया है। वाहिनी कमांड अधिकारी गोविन्द सिंह भण्डारी ने गश्ती दल की इस सतर्क कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि एसएसबी द्वारा सीमा क्षेत्र में तस्करी की रोकथाम के लिए निरंतर मुहिम चलाई जा रही है। इसी प्रकार की सतर्कता से सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा और भी सुदृढ़ होती जा रही है।

नेपाल से लाई जा रही विदेशी शराब की तस्करी विफल, दो महिला तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की जी कंपनी ने गुरुवार को भारत-नेपाल सीमा पर शराब तस्करी की एक कोशिश को विफल करते हुए दो महिला तस्करों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई प्रातः लगभग 10:50 बजे सीमा चौकी कमला के जवानों द्वारा नियमित गश्ती के दौरान की गई। कार्रवाई भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 270/15 से लगभग 300 मीटर भारतीय क्षेत्र में की गई। गिरफ्तार महिलाएं नेपाल से अवैध रूप से शराब लेकर भारत आ रही थीं। जवानों की सतर्कता के कारण उन्हें समय रहते पकड़ लिया गया। जब्त शराब में मैकडॉवेल्स नंबर 1 (375 मि.ली.) की 10 बोतलें, टुबॉर्ग बियर केन (500 मि.ली.) के 18 कैन और मैकडॉवेल्स नंबर 1 (180 मि.ली. की) 3 बोतलें शामिल हैं। कुल बरामद शराब की मात्रा लगभग 9.69 लीटर है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान सुहाग देवी उम्र 45 वर्ष पति का नाम छेदी राम और शिवसती देवी उम्र 48 वर्ष पति का नाम शिपथ मंडल के रूप में हुई है। जब्त सामान को विधिक कार्रवाई के लिए जयनगर थाना को सौंपा जा रहा है। 48वीं वाहिनी के कमांडेंट गोविन्द सिंह भण्डारी ने कार्रवाई में शामिल टीम की सराहना की और कहा कि जवान सीमा पर अवैध गतिविधियो को रोकने के लिए सतर्क हैं। तस्करी के विरुद्ध इस प्रकार की मुहिम आगे भी जारी रहेगी।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री का कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा : पप्पू सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

अलीनगर (दरभंगा)। जिला दरभंगा पूर्वी अंतर्गत घनश्यामपुर नगर मंडल के पाली ग्राम स्थित स्कूल के प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी की जिलास्तरीय एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी 28 जून को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान, जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह, उपाध्यक्ष श्रवण चौधरी शामिल थे। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रंजीत मिश्र एवं संचालन लाल मुखिया ने किया। मौके पर जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान ने कहां पाली की इस धरती पर यह ऐतिहासिक कार्यक्रम है और हमें इसे सफल बनाना है। यह कार्यक्रम आपातकाल के महत्वपूर्ण मुद्दे पर केंद्रित है। जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कहां कि जो कांग्रेसी आज संविधान की बात कर रहे हैं, उन्हीं के परिवार ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान किया था। महामंत्री श्री सिंह ने कहा कि आज जो लोग मोदी सरकार पर आपातकाल के आरोप लगा रहे हैं, वही लोग 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाया था। उन्होंने कहां आगामी 28 जून को केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय का कार्यक्रम पाली में आयोजित किया गया है। सभी से इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की और कहा कि यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। बैठक में प्रमुख कार्यकर्ता, जिला कमिटी के सभी पदाधिकारी और मंडल अध्यक्ष शामिल रहे सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव और विचार साझा किए। बैठक के बाद कार्यक्रम स्थल रनपरती मैदान का जायजा लिया गया, जहां आगामी 28 जून को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री का आमसभा है। इसके बाद घनश्यामपुर प्रखंड अंतर्गत घनश्यामपुर, बौऊर, बुढ़ेव, देउरी और अन्य गांव में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रामनाथ सहनी, संतोष झा, इंद्रेश झा, चंदन मिश्र, पिंटू झा, ब्रजेश झा, सुनील झा, सुधीर सिंह, रजनीश सुंदरम, चंदन ठाकुर, गंगा यादव, बैद्यनाथ प्रसाद सिंह, पंकज कंठ, पुरुषोत्तम झा, मुकेश झा, संजय मंडल, हीरा प्रसाद सिंह, घनश्याम सिंह, स्वतंत्र झा, प्रकाश सहनी, मो मुख्तार, बेलाल अनवर आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बस दुर्घटना में दो की मृत्यु, 25 से अधिक यात्री घायल

मधुबनी से दिल्ली जा रही थी बस, उत्तर प्रदेश के सैफई में हुआ हादसा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी से दिल्ली जा रही एक दो-मंजिला यात्री बस बृहस्पतिवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। यह भीषण दुर्घटना उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद अंतर्गत आगरा-लखनऊ प्रवेश मार्ग (एक्सप्रेसवे) पर सैफई थाना क्षेत्र में मील का पत्थर 103+700 के समीप प्रातः लगभग चार बजे घटी, जब बस असंतुलित होकर मार्ग से नीचे जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस के चालक को झपकी आने के कारण पहले बस ने मध्यवर्ती विभाजक (डिवाइडर) से टक्कर मारी, तत्पश्चात एक अज्ञात वाहन से टकरा गई और नियंत्रण खोते हुए सुरक्षा अवरोध (एमबीसीबी) तोड़कर बाईं ओर उतरकर सड़क के नीचे पलट गई। बस (पंजीयन संख्याः उत्तर प्रदेश 70 एचटी 8668) में लगभग 80 यात्री सवार थे। इस दुर्घटना में दो यात्रियों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। मृतकों की पहचान नेपाल निवासी महिला सईदा खातून तथा दरभंगा, बिहार निवासी 55 वर्षीय मनोज कुमार के रूप में हुई है। वही, 25 से अधिक यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से तीन की स्थिति अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलो का उपचार सैफई आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में चल रहा है, जहां चिकित्सको की टोली पूरी गंभीरता से कार्यरत है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सैफई थाना पुलिस, अग्निशमन दल, उत्तर प्रदेश प्रवेशमार्ग विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की सुरक्षा इकाइया एवं प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को आपातकालीन सेवाओ के माध्यम से शीघ्रता से अस्पताल पहुचाया गया। इसके लिए क्रमांक 116, 76, 92 तथा 108 वाली रोगी वहनो (एम्बुलेंस) की सहायता ली गई। घटनास्थल पर जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण क्षेत्र, अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, यूपीडा के अधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल उपस्थित रहा। यांत्रिक उपकरणों जैसे हाइड्रा, जेसीबी एवं पुनर्प्राप्ति यान (रिकवरी वाहन) की सहायता से पलटी हुई बस को सीधा कर थाना सैफई भेजा गया। वर्तमान में मार्ग पर यातायात पूर्णतः सामान्य है तथा स्थिति नियंत्रण में है।

जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के विजेताओं को जिलाधिकारी ने सम्मानित किया

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिला समाजिक सुरक्षा कोषांग एवं किलकारी, दरभंगा के तत्वावधान में आयोजित दरभंगा जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के विजेताओं को जिलाधिकारी कौशल कुमार ने वृहस्पतिवार को अम्बेडकर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया। अंडर 15 (बालक वर्ग) के सम्मानित होने वाले विजेताओं में किलकारी के अंशुमान, आदित्य भारद्वाज एवं चिरंजीव कुमार शामिल थे। वहीं, बालिका वर्ग के अंडर-15 में किलकारी की ही वैष्णवी, खुशबू एवं आकांक्षा शामिल थी। बालक वर्ग के अंडर 10 में प्रथम तीन स्थानों पर रहे सात्विक, सिद्धिक और आदर्श के साथ बालिका वर्ग के अंडर 10 की विजेताओं जया, साक्षी, वैष्णवी और श्रृष्टि प्रिया को भी जिलाधिकारी ने प्रमाण पत्र एवं स्मृति प्रतीक प्रदान कर सम्मानित किया। मौके पर जिलाधिकारी ने विजयी प्रतिभागियों को शुभकामनायें देते कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है जो न केवल मनोरंजन प्रदान करता है, बल्कि मस्तिष्क के विकास और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शतरंज की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अव्वल स्थान हासिल कर इन्होंने अपने क्रीड़ा कौशल के साथ अपनी बुद्धिमता साबित करने में भी सफलता हासिल की है।

गरीबों को सम्मान दिलाना हमारी प्राथमिकता: अजीत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राज्य के पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता अजीत कुमार बुधवार को कांटी क्षेत्र के कई गांव में जन संवाद कार्यक्रम चलाकर लोगों की समस्याएं सुनी एवं मौके पर उसके निदान के लिए पहल किया। क्षेत्र के छपरा रविदास टोला, बहुआरा एवं सिरसिया पासवान टोला में जनसंवाद कार्यक्रम के माध्यम से गरीबों बस्ती के ज्वलंत समस्याओं से रूबरू हुए। जन संवाद कार्यक्रम में लोगों ने गांव के जर्जर सड़क, पेयजल की समस्या, विद्युत विभाग की मनमानी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन से वंचित लोगों को पेंशन की सुविधा दिलाने, मतदाता सूची मे नाम दर्ज करने में बीएलओ द्वारा की जा रही मनमानी सहित कई अन्य मुद्दा को गंभीरता से उठाया। लोगों ने स्थानीय विधायक द्वारा चुनाव जीतने के बाद एक दिन भी गरीब बस्ती का सुधि नहीं लिए जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। लोगों के समस्या सुनने के उपरांत पूर्व मंत्री ने पीएचईडी, विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं स्थानीय बी डी ओ, सी ओ से बात कर कई समस्याओं का मौके पर निदान कराया। उन्होंने जर्जर सड़को का जीर्णोद्धार नहीं होने के लिए स्थानीय विधायक को जिम्मेवार बताते हुए कहा कि विधायक की उदासीनता के कारण कांटी क्षेत्र के कई सड़कें जर्जर हालत में है। उन्होंने कहा, ऐसी बस्ती के सभी प्रमुख सड़कों के जीर्णोद्धार के लिए अपने स्तर से पहल किया हूं।, चुनाव से पहले सभी जर्जर प्रमुख सड़कों का हर हालत में जीर्णोद्धार कार्य शुरू कराया जाएगा। उन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने का अनुरोध किया। जन संवाद कार्यक्रम में मुखिया इंद्र मोहन झा, वार्ड पार्षद विजय राम, वकील राम, उमेश निराला, संजय छायाकार, प्रमोद शाह, बबलू साह, राजू राम, गुड्डू पासवान, मनोज साह सुरेंद्र पटेल, विष्णु देव भगत, आदि शामिल थे।

स्वामी सहजानंद सरस्वती की स्मृति में विचार-गोष्ठी आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सुविख्यात किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि के अवसर पर स्थानीय चन्द्रशेखर भवन, मिठनपुरा में किसान सभा की ओर से विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार ठाकुर ने किया। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ किसान नेता तथा भाकपा के राज्य सचिव मंडल सदस्य अजय कुमार सिंह ने कहा कि जब भारत अंग्रेजी हुकूमत की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और देश की बड़ी आबादी, विशेषकर किसान वर्ग, जमींदारी और सामंती दमन से त्रस्त थी, तब एक संत रूपी युगपुरुष ने धर्म के आंचल से निकलकर सामाजिक क्रांति का शंखनाद किया। वह व्यक्ति थे - स्वामी सहजानंद सरस्वती, जिनका नाम भारतीय किसान आन्दोलन के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। समारोह को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला सचिव जगदीश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि आज स्वामी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके अधूरे स्वप्न को पूर्ण करने का काम करेंगे। किसान सभा के राज्य कमिटी सदस्य रामकिशोर झा ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती भारतीय इतिहास में एक विलक्षण व्यक्ति थे, जिन्होंने धर्म, राजनीति, समाज और आंदोलन को एकसूत्र में पिरोया। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि एक व्यक्ति यदि निष्ठा, साहस और विचारों से समृद्ध हो, तो वह समाज की दिशा बदल सकता है। अध्यक्षीय संबोधन में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संगठन के अध्यक्ष अरुण कुमार ठाकुर ने कहा कि स्वतंत्र भारत में जमींदारी तो समाप्त हुई, परंतु कृषि क्षेत्र में समानता, सशक्तिकरण और न्याय का सपना अभी भी अधूरा है। भूमिहीन किसान, बटाईदार, मजदूर आज भी उसी संकट से गुजर रहे हैं, जिसे स्वामीजी ने 90 वर्ष पहले पहचाना था। विचार गोष्ठी को किसान नेता कमलेश्वर चौधरी, मदन मोहन सिंह, मो० नसरुद्दीन, रामचन्द्र झा, अनिल महाजन, रामनाथ महतो आदि किसान नेताओं ने संबोधित किया।

एआइडीवाईओ का स्थापना दिवस मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। स्थानीय मोतीझील स्थित कार्यिलय में आल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ आगेर्नाइजेशन (एआइडीवाईओ) का स्थापना दिवस मनाया गया। इसी के साथ यह संगठन आज अपनी स्थापना के 60 वें बर्ष में प्रवेश कर गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला सचिव अनिल कुमार ने झंडोतोलन किया। तत्पश्चात युवा संगठन एआइडीवाईओ के संस्थापक शिवदास घोष की तस्वीर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ। उसके बाद एक सभा हुई। सभा को संबोधित करते हुए एआइडीवाईओ के अखिल भारतीय कमिटी सदस्य अरविंद कुमार ने कहा कि आज 26 जून गौरवशाली संघर्ष के 60वें वर्ष का प्रारंभ वर्ष है। आज स्थापना दिवस के अवसर पर संकल्प लेने का दिन है। बढ़ती बेरोजगारी, अपसंस्कृति, भ्रष्टाचार, सांप्रदायिकता, जात-पात के खिलाफ उच्च संस्कृत नीति नैतिकता एवं मूल्यों के आधार पर युवा आंदोलन निर्मित कर एक मनुष्य के द्वारा दूसरे मनुष्य के शोषण पर आधारित वर्तमान आर्थिक व्यवस्था को दफन कर एक समाजवादी समाज के निर्माण में ही तमाम समस्याओं का समाधान है। आज के युवाओं को इस संघर्ष में अपने आप को झोकना ही है, स्थापना दिवस मनाने का सही तात्पर्य है। सभा को संगठन के मुजफ्फरपुर जिला सचिव अनिल कुमार, बिहार राज्य सचिन मंडल सदस्य उत्पल कुमार, जिला कमेटी सदस्य टुनटुन प्रजापति, श्यामदेव कुमार, रामबाबू राय ने संबोधित किया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में आदित्य राय, अवधेश ठाकुर, कृष्ण कन्हैया, उमाकांत एवं साक्षी रानी मुख्य रूप से मौजूद थे। अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष रंजीत राय ने किया।

महिला के साथ मारपीट की वायरल विडियो मामले में पीड़िता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर थाना क्षेत्र का एक विडियो पिछले तीन दिनों से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल विडियो में देखा जा रहा है कि एक महिला को दूसरी महिला बाल पकड़ कर खींच रही, वहीं एक व्यक्ति डंडा से उक्त महिला को बेहरमी पिटाई कर रहा है। वायरल विडियो विभूतिपुर थाना क्षेत्र के करख भवंडा का बताया जा रहा है। वायरल विडियो मामले में तीन दिन बाद पीड़िता करख भवंडा वार्ड 07 निवासी रोहित महतो की पत्नी रीना देवी ने स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिसमें सांस मीरा देवी, देवर रंजीत महतो एवं पति रोहित महतो को नामजद करते हुए आरोपित किया है। पीड़िता ने बताया है कि 21 अगस्त 2020 को करख भवंडा निवासी रामाधार महतो के पुत्र रोहित महतो के साथ अशोकधाम मंदिर बेगूसराय में शादी हुई। पांच वर्ष बीतने के बाद मेरा पति झूठ बोलकर देवघर घूमने की बात कहकर मुझे छोड़कर अपने घर निकल गया। जिसके बाद नहीं आया। पता लगाने पर मालूम हुआ कि मेरा पति दूसरी शादी कर लिया है। जब हम अपनी ससुराल पहुंचा तो मेरी सास व देवर लाठी डंडा से बुरी तरह मारपीट किया। एवं मेरा मोबाइल एवं दस हजार रुपए मेरे बैग में था, तथा सोना का ढोलना छिन लिया। ग्रामीणों व सुचना पर पहुंची पुलिस के मदद से महिला का ईलाज विभूतिपुर सीएचसी में कराया गया। बता दें कि पीड़िता अपने ससुराल एक बच्चे के साथ पहुंची थी। पीड़िता के साथ मारपीट, रुपया और मोबाइल छिनतई के बाद बेसहारा महिला का तत्काल भोजन व रहने का व्यवस्था ग्रामीणों के सहयोग से हो रहा है। वहीं आरोपी घर छोड़कर फरार बताया जा रहा है। वहीं इस संबंध में थाना अध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने बताया कि पीड़िता के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। आगे की कार्रवाई जारी है।

हर पंचायत में विवाह मण्डप के निर्माण से आधी आबादी का बढ़ेगा सम्मान : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा आधी आबादी को हर दृष्टि से सक्षम तथा आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर पहल किए जा रहे हैं। बिहार के हर पंचायत में बेटियों की शादी के लिए एक विवाह मण्डप के निर्माण की घोषणा निश्चित रूप से मातृ शक्तियों के सम्मान में एक उदाहरण साबित होगा। दरभंगा सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर में नीतीश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार के द्वारा बिहार के सभी आठ हजार तिरपन पंचायतों में पचास लाख की लागत से विवाह मण्डप निर्माण की स्वीकृति तथा उसके लिए राज्य सरकार की पहल का स्वागत करते हुए कहा है कि इस पहल से कमजोर तथा मध्यम वर्ग के लोगों को बेटियों की शादी में अनावश्यक खर्चे की जहां बचत होगी वहीं भौतिकवाद संस्कृति के बदले ग्रामीण परिवेश की विरासत तथा संस्कृति का संरक्षण भी होगा। विवाह मण्डप के निर्माण के लिए राज्य सरकार के द्वारा चार हजार छब्बीस करोड़ की सस्वीकृति को आधी आबादी के सम्मान में एक क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि आने वाले समय में विवाह मण्डप ग्रामीण क्षेत्रों में एक सशक्त कदम साबित होगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 27 जून, 2025

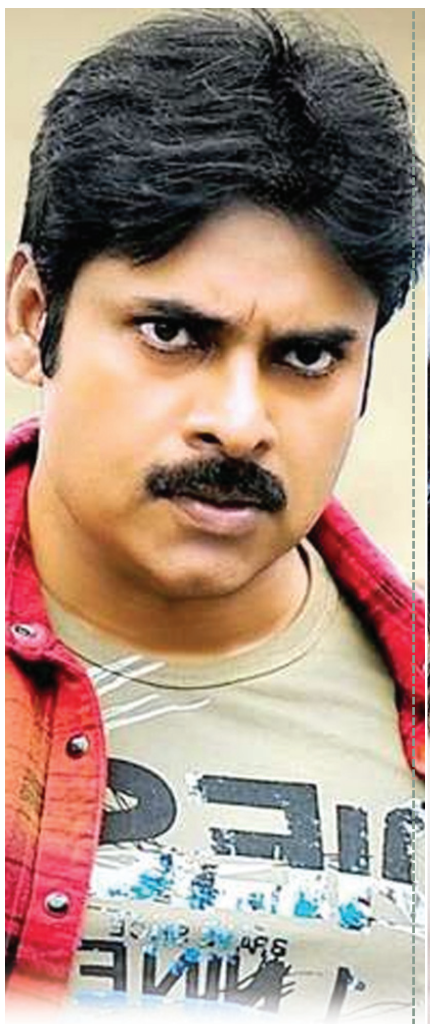

हिंदी सिनेमा ने अपना अस्तित्व खो दिया, परंपराओं-संस्कृति को भूलकर बस पैसा कमाने में लगे हैं

टॉलीवुड के सुपरस्टार और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बने पवन कल्याण ने बॉलीवुड को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदी सिनेमा धीरे-धीरे भारतीय संस्कृति से दूर होता जा रहा है, जबकि साउथ की फिल्म इंडस्ट्री आज भी अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक से जुड़ी हुई है। पवन कल्याण ने बातचीत के दौरान देश में सिनेमा के बदलते स्वरूप पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्मों पर ग्लोबलाइजेशन और सिर्फ मुनाफा कमाने की सोच का ज्यादा प्रभाव पड़ चुका है। कुछ फिल्मों में भारतीय संस्कृति से जुड़ी बातों को दिखाया तो जाता है। लेकिन उनका भी मजाक बना दिया जाता है।

साउथ सिनेमा की सराहना

साउथ इंडस्ट्री की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सिनेमा अब भी अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है। इन फिल्मों में हमारी संस्कृति और परंपराएं झलकती हैं। वहीं दूसरी ओर, बॉलीवुड में अब सिर्फ मुनाफे की मानसिकता हावी होती जा रही है।

हिंदी सिनेमा ने खो दी अपनी पहचान

पवन कल्याण ने यहां तक कह दिया कि बॉलीवुड ने अपनी पहचान खो दी है। उन्होंने कहा कि कुछ ही फिल्में ऐसे बनी, जिसमें भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को अच्छे से दिखाया गया था। जैसे ही आमिर खान की फिल्म दंगल। लेकिन अब ऐसे फिल्में बनना भी बंद हो चुकी हैं।
हरि हर वीरा मल्लू में दिखेंगे पवन कल्याण
पवन कल्याण जल्द ही फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसके अलावा वह अपने अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग तेजी से पूरी कर रहे हैं।

परिक्रमा पर बोलीं चित्रांगदा कुछ कहानियां सुनानी जरूरी होती हैं

एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह अपनी अपकमिंग फिल्म परिक्रमा को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की शूटिंग उनके लिए एक भावनात्मक अनुभव बन गई। चित्रांगदा का मानना है कि कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जिन्हें सुनाना जरूरी होता है। फिल्म का निर्देशन गौतम घोष कर रहे हैं। इसमें मार्को लियोनार्डी और क्रिस्टीना डोनाडियो भी अहम भूमिकाओं में हैं। चित्रांगदा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर के साथ बीटीएस पल भी शेयर किए। उन्होंने कैप्शन में लिखा, कुछ फिल्में हमारा मनोरंजन करती हैं और कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जिन्हें सुनाना जरूरी होता है। परिक्रमा ऐसी ही एक फिल्म है, जिसका हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस फिल्म की शूटिंग मेरे लिए एक भावनात्मक अनुभव बन गई।
चित्रांगदा ने निर्देशक गौतम घोष का आभार व्यक्त किया, जो 1997 में इटली में विटोरियो डि सिका पुरस्कार से सम्मानित होने वाले एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने लिखा, गौतम घोष, मुझे इस जर्नी का हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद।
परिक्रमा 27 जुलाई को रिलीज हो रही है। फिलहाल फिल्म की कहानी को गोपनीय रखा गया है।गौतम घोष ने साल 1973 में डॉक्यूमेंट्री बनाई थी। फिल्म निर्माता ने कलकत्ता में थिएटर कैंपेन में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। उन्होंने कुछ समय फोटो जर्नलिस्ट के रूप में भी काम किया। घोष ने 1973 में अपनी पहली डॉक्यूमेंट्री न्यू अर्थ बनाई और उसके बाद हंग्री ऑटम बनाई। इसके बाद उन्होंने कई फीचर फिल्में और डॉक्यूमेंट्री बनाई। वर्कफ्रंट की बात करें तो चित्रांगदा हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया। इस फिल्म में चित्रांगदा के साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे सितारे अहम भूमिका में हैं। साजिद नाडियाडवाला के बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं

एक्ट्रेस काजोल की अपकमिंग फिल्म 'मां' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। माइथोलॉजिकल-हॉरर की दुनिया में कदम रखने जा रहीं काजोल ने फिल्म के टाइटल की तारीफ करते हुए कहा कि इस फिल्म के लिए 'मां' से बेहतर कोई टाइटल नहीं हो सकता था। काजोल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने बताया, 'मां' वह पहला शब्द है, जिसे बच्चे न केवल सबसे पहले बोलते बल्कि महसूस भी करते हैं। बच्चा सबसे पहले अपनी मां की ओर मुड़ता है। मेरे लिए 'मां' का मतलब देवी और मेरी मां तनुजा दोनों हैं। उन्होंने कहा कि 'मां' फिल्म का वर्किंग टाइटल था, लेकिन इसे बनाते समय यह शब्द इतना गहरा लगा कि इससे बेहतर कोई नाम नहीं हो सकता था। काजोल का मानना है कि बॉलीवुड में हॉरर फिल्में कम बनी हैं। उन्होंने बताया, बॉलीवुड में हॉरर फिल्में बहुत कम बनी हैं। कुछ ही फिल्में देखने को मिलती हैं। 1970-80 के दशक में रैमसे ब्रदर्स की डरावनी फिल्में बहुत लोकप्रिय थीं, जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं। फिर साल 2002 में रहस्य जैसी हिट फिल्म आई, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद साल 2003 में भूत जैसी साइकोलॉजिकल-थ्रिलर फिल्म बनी, जिसमें अजय देवगन थे। कुल मिलाकर, बॉलीवुड में हॉरर फिल्में कम हैं, लेकिन इन फिल्मों ने अपनी गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने कहा, 'मां' एक हॉरर फिल्म है, लेकिन इसमें इमोशन्स भी हैं। यही वजह है कि मैंने इस फिल्म में काम करने का फैसला लिया। अगर इसमें इतना मजबूत भावनात्मक आधार न होता, तो शायद मैं इस फिल्म को हां नहीं कहती। यह सिर्फ हॉरर नहीं, बल्कि माइथोलॉजिकल हॉरर है, जिसमें कल्चर और थ्रिलर का सही मिश्रण है। काजोल ने कहा कि बॉलीवुड में बेहतर स्क्रिप्ट्स की जरूरत है। उन्होंने बताया, हम सभी बेहतर कहानियों और मजबूत लेखन की ओर काम कर रहे हैं। हालांकि, हॉरर फिल्म कोई करना नहीं चाहता, ऐसा भी नहीं है। हम सही स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे थे। 'मां' एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को भावनात्मक और रोमांचक अनुभव देगी। हॉरर फिल्म मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक बार फिर एक प्रमुख म्यूज़िक लेबल के साथ नए गाने में नज़र आएंगी जॉर्जिया एंड्रियानी

जॉर्जिया एंड्रियानी ने हिंदी गानों और संगीत के प्रति अपने प्यार को कभी नहीं छिपाया है, और उन्होंने कई बार यह स्वीकार किया है कि भारत के सिनेमा और मनोरंजन जगत के प्रति उनके प्रेम ने ही उन्हें कुछ साल पहले अपना सब कुछ समेट कर भारत आने के लिए प्रेरित किया। भारतीय मनोरंजन जगत में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत तेलुगु एक्शन-कॉमेडी सीरीज़ कैरोलाइन कमाक्षी में एक चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाकर की। इसके बाद उन्होंने नॉन-स्टॉप धमाल और मार्टिन जैसी फिल्मों में विशेष गानों के ज़रिए खुद को स्थापित किया और अपनी प्रतिभा तथा परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया। अब एक बार फिर मनोरंजन के लिए तैयार, खबरों के मुताबिक जॉर्जिया ने कथित तौर पर इंडस्ट्री के एक प्रमुख संगीत लेबल के साथ एक और गाना साइन किया है। यह गाना वही सब कुछ लेकर आ रहा है जिसके लिए जॉर्जिया जानी जाती हैं — दिलकश बोल, कर्णप्रिय धुन और दमदार डांस मूव्स। जॉर्जिया के कुछ चर्चित डांस नंबर्स जिसमें मीका सिंह के साथ 'रूप तेरा मस्ताना' और जुबिन नौटियाल की आवाज़ में 'दिल जिससे ज़िंदा हैं' शामिल हैं, जिन्हें दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली थी। यह नया गाना उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। विभिन्न शैलियों को अपने अंदाज़ में पेश करने की क्षमता ने उन्हें उनकी समकालीन कलाकारों से अलग पहचान दिलाई है। जबकि उनके पहले के गाने और डांस नंबरों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, उनके नवीनतम प्रोजेक्ट को एक ऐसे प्रोजेक्ट के रूप में देखा जा रहा है जो जॉर्जिया के करियर की दिशा बदल सकता है।

थलपति विजय को अपनी आखिरी फिल्म जन नायकन के लिए मिली 275 करोड़ रुपये फीस!

साउथ फिल्मों के स्टार थलपति विजय राजनीति में एंट्री कर चुके हैं और वह फिल्मों से संन्यास लेने का भी ऐलान कर चुके थे। अब फैंस को उनकी नई फिल्म जन नायकन का इंतजार है, जोकि एक्टर की आखिरी फिल्म होगी। हर किसी की नजरें थलपति विजय की इस फिल्म पर हैं। पर क्या आप जानते हैं कि एक्टर इस फिल्म के लिए कितनी तगड़ी फीस ले रहे हैं? रिपोर्ट के मुताबिक, थलपति विजय ने जन नायकन के लिए 275 करोड़ रुपये की फीस ली है। पर इसके अलावा उन्हें फिल्म के मुनाफे में कोई हिस्सा नहीं दिया गया है। इस हिसाब से देखा जाए तो यह किसी साउथ स्टार को मिलने वाली अब तक की तगड़ी फीस है।

रजनीकांत और शाहरुख खान को भी छोड़ा पीछे!

इस फेहरिस्त में उन्होंने थलाइवा रजनीकांत को भी पीछे छोड़ दिया है, जो एक फिल्म के लिए 125-270 करोड़ रुपये तक चार्ज करते हैं। हालांकि, फिल्म कुली के लिए 280 करोड़ रुपये फीस लेने की खबरें आई थीं, जिसके बाद रजनीकांत को एशिया का सबसे महंगा एक्टर कहा जाने लगा था। थलपति विजय ने फीस के मामले में शाहरुख खान को भी पछाड़ दिया है, जो एक फिल्म के लिए 150-200 करोड़ चार्ज करते हैं।

जन नायकन की कास्ट

जन नायकन की बात करें, तो इसे एच विनोद ने डायरेक्ट किया है। यह एक पॉलिटिकल ड्रामा है, जिसमें पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज और प्रियामणि भी नजर आएंगी। खबर है कि जन नायकन में श्रुति हासन भी नजर आ सकती हैं।

जन नायकन है थलपति विजय की आखिरी फिल्म?

जन नायकन को थलपति विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म इसमें थलपति विजय के साथ काम करने वालीं एक्ट्रेस ममिता बैजू ने हाल ही बताया था कि उन्होंने यही सवाल एक्टर से पूछा था कि क्या यह उनकी आखिरी फिल्म है। इस पर थलपति विजय ने जवाब दिया था कि उनका फिल्म इंडस्ट्री में काम करने या छोड़ने का फैसला 2026 में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के परिणामों पर निर्भर करता है।

सौरव गांगुली की भूमिका निभाने में घबरा रहे राजकुमार राव

बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकारों में शामिल राजकुमार राव अब एक बार फिर पर्दे पर क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। इस बार वो भारत के दिग्गज कप्तान की भूमिका को पर्दे पर निभाएंगे। पिछले कुछ वक्त से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सौरव गांगुली की बायोपिक को लेकर चर्चाएं हो रही थीं। कभी बायोपिक बनने न बनने को लेकर कन्फ्यूजन था तो कभी दादा की भूमिका में कौन होगा, इसको लेकर असमंजस की स्थिति थी। लेकिन अब फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है और ये कंफर्म हुआ है कि सौरव गांगुली की बायोपिक बन रही है। साथ ही ये भी कंफर्म हो गया है कि राजकुमार राव इसमें दादा यानी कि सौरव गांगुली की भूमिका में नजर आएंगे।

राजकुमार राव ने किया कंफर्म

एनडीटीवी के साथ बातचीत में अभिनेता राजकुमार राव ने ये कंफर्म किया कि वो पूर्व भारतीय कप्तान की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाएंगे। राजकुमार राव ने कहा, 'अब जब दादा ने यह कह दिया है, तो मुझे भी इसे आधिकारिक रूप से घोषित कर देना चाहिए। हां, मैं उनकी बायोपिक कर रहा हूं और दादा की भूमिका निभा रहा हूं। मुझे दादा इस रोल के लिए काफी घबराहट भी हो रही है। क्योंकि यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन यह बहुत मजेदार होने वाला है।'

किरदार के लिए एक्टर ने सीखी बंगाली

इस दौरान राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बंगाली सीखने में आने वाली दिक्कतों का भी जिक्र किया। हालांकि, उनके लिए ये उतना मुश्किल नहीं रहा, क्योंकि उनकी पत्नी पत्रलेखा भी एक बंगाली हैं। इसलिए वो अपनी पत्नी से बंगाली सीखते हैं। हालांकि, रोल के लिए खुद को तैयार करना राजकुमार के लिए लिए मुश्किल रहा।

दादा ने पहले ही दी थी जानकारी

इससे पहले इस साल की शुरुआत में खुद सौरव गांगुली ने अपनी बायोपिक को लेकर बात की थी और ये बताया था कि राजकुमार राव उनकी भूमिका निभाएंगे। हालांकि, इसके बाद बीच में तारीखों की दिक्कतों के चलते कुछ अटकलें भी लगी थीं। अब राजकुमार राव ने फिल्म की पुष्टि करते हुए अपने रोल को कंफर्म किया है। इस बायोपिक में सौरव गांगुली के व्यक्तिगत जीवन से लेकर उनके करियर तक के बारे में दिखाया जाएगा।

'मालिक' में नजर आएंगे राजकुमार राव

राजकुमार राव के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता को आखिरी बार पिछले महीने रिलीज हुई कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। अब राजकुमार राव अपनी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'मालिक' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। यह फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म में राजकुमार राव के साथ मानुषी छिल्लर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

भारत में करोड़पतियों की संख्या में भारी उछाल

2029 तक 55 प्रतिशतवृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में करोड़पतियों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की एक हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2024 से 2029 के बीच करोड़पतियों की संख्या में 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी की संभावना है। यह दर वैश्विक औसत 21 प्रतिशत से कहीं अधिक है। ऐसे लोग जिनके पास एक मिलियन डॉलर यानी लगभग 8.3 करोड़ रुपये या उससे अधिक की निवेश योग्य संपत्ति है, उन्हें इस श्रेणी में रखा जाता है।

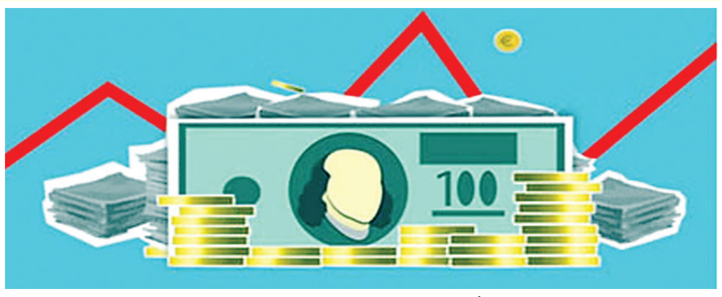

एशिया प्रशांत यूरोपीय देशों से आगे- बीसीजी के प्रबंध निदेशक मयंक झा ने कहा कि 2014 से 2024 तक क्षेत्रवार जैविक वृद्धि में भारी अंतर रहा। एशिया प्रशांत क्षेत्र में संपत्ति प्रबंधकों ने 50 प्रतिशत की दर हासिल की है। यह यूरोप, पश्चिम एशिया और अफ्रीका (ईएमईए) और उत्तरी अमेरिका की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। इसे निर्णायक रूप से भारत जैसे उभरते बाजारों से बढ़ावा मिला है। झा ने कहा कि पहली बार संपत्ति बनाने वालों, खासतौर पर मिलेनियल उद्यमियों और कॉर्पोरेट नेताओं की पीढ़िगत लहर उद्योग को नया आकार दे रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जनरेटिव एआई संपत्ति प्रबंधन के हर पहलू ग्राहक पहचान, सेवा, और सलाह में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

वित्तीय परिसंपत्तियों में हुई 8.1 प्रतिशत की वृद्धि - वैश्विक वित्तयी संपत्ति 2024 में रिकॉर्ड 305 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ गया।

यह मजबूत इक्विटी बाजार प्रदर्शन के बीच वित्तीय परिसंपत्तियों में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित है। बीसीजी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की वित्तीय संपत्ति में 10.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के औसत 7.3 प्रतिशत से अधिक है। एशिया- प्रशांत में 2029 तक 9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि होने का अनुमान है।

आईआईएम संबलपुर ने ओडिशा के सतत नेट-जीरो भविष्य के विजन का नेतृत्व किया

संबलपुर, एजेंसी। स्थिरता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, आईआईएम संबलपुर ने काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के साथ मिलकर ओडिशा के आर्थिक परिवर्तन की यात्रा में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है। इकोनॉमिक ट्रांज़िशन कोएलिशन ओडिशा के माध्यम से, आईआईएम संबलपुर राज्य में नौकरियों, विकास और स्थिरता को एकीकृत करने की एक रणनीतिक योजना को साकार करने में जुटा है। ईटीसीओ द्वारा प्रकाशित एक श्वेत पत्र के माध्यम से, यह गठबंधन आईआईएम संबलपुर की गहरी स्थानीय विशेषज्ञता, ओडिशा के उद्योग और शैक्षणिक नेताओं की भागीदारी, और भारत व अन्य क्षेत्रों में ऊर्जा बदलाव की दिशा में ष्ट्लस्‌ के कार्यों से प्राप्त अंतर्दृष्टियों का लाभ उठाता है। यह साझेदारी पांच-स्तरीय रणनीति को उजागर करती है जिसमें शामिल हैं- उच्च और समान आय, सतत खाद्य प्रणाली, जलवायु लचीलापन, जैव विविधता की शून्य हानि और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में नेट-जीरो लक्ष्य। आईआईएम संबलपुर के निदेशक प्रो. महादेव जायसवाल ने कहा, आईआईएम संबलपुर में सस्टेनेबिलिटी केवल इमारतों या रैंकिंग तक सीमित नहीं है। जैसा कि हम जानते हैं कि ओडिशा भारत के वैश्विक सतत विकास की कहानी का नेतृत्व करने के लिए एक ऐतिहासिक क्षण के मुहाने पर है। इस गठबंधन में भागीदार के रूप में आईआईएम संबलपुर की भूमिका इस बात का एक आदर्श उदाहरण है कि कैसे शिक्षाविद नीति को प्रभावित कर सकते हैं और उद्योग से लेकर हर जगह गहरा बदलाव ला सकते हैं। ईटीसीओ में एक प्रमुख भागीदार के रूप में, आईआईएम संबलपुर नीतिगत कार्यों और रणनीतिक रूपरेखाओं की पहचान करने में सहायक रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ओडिशा हरित विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी विकास का केंद्र बन जाए, जिसमें खनन और तापीय क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए संक्रमण रणनीति, हरित इस्पात, कार्बन कैप्चर और हाइड्रोजन-आधारित ऊर्जा प्रणालियों जैसी हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना शामिल है।

टाटा एआईए के दो नए फंड्स धन जुटाने और रिटायरमेंट प्लानिंग की ज़रूरतों को पूरा करेंगे

मुंबई, एजेंसी। दुनिया की चौथी सबसे सबसे बड़ी वित्त व्यवस्था बनने की दिशा में भारत के बढ़ते कदमों का साथ देते हुए, देश की एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स आपके लिए लेकर आयी है जीवन बीमा से जुड़े निवेश उत्पादों के ज़रिए आपके धन को बढ़ाने और और आपके भविष्य को सुरक्षित करने का एक मज़बूत अवसर। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि कई अवसर प्रदान करती है, भारत की वृद्धि के पूरे लाभ उठाने के लिए डिज़ाइन किए गए दो नए फंड्स के साथ इस क्षमता का

उपयोग करने में आपकी मदद के लिए हम तैयार हैं। टाटा एआईए टॉप 200 अल्फा 30 इंडेक्स फंड और टाटा एआईए टॉप 200 अल्फा 30 पेंशन फंड इन ट्रेंड्स का लाभ उठाने के लिए स्ट्रैटेजीकली डिज़ाइन किए गए हैं। ये फंड भारत की विकास कहानी से लाभ उठाने के लिए तैयार कंपनियों में निवेश करते हैं। चाहे आप अपनी संपत्ति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हों या एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बनाने पर, ये फंड प्रदर्शन, सुरक्षा और विकास का आदर्श संयोजन प्रदान करते हैं।

टाटा एआईए के अल्टेरनेट एंड इमर्जिंग चॅनेल्स के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, जीलानी बाशा ने बताया, भारत परिवर्तनात्मक वित्तीय वृद्धि के लिए तैयार है, ऐसी वृद्धि जो कई दशकों तक चलने की उम्मीद है। हमारे नए फंड बढ़िया जोखिम-समायोजित रिटर्न्स देने के लिए, गहन डेटा विश्लेषण के साथ, इस आकर्षक अवसर का लाभ उठाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ये फंड सकारात्मक वृद्धि ट्रेंड से लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, निवेशकों को लक्षणीय दीर्घकालिक मूल्य देकर उनकी वित्तीय सुरक्षा में लगातार सुधार करते हैं।

मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने मिलाए हाथ पेट्रोल-डीजल से ष्ट्हृत्न तक बेचने के लिए डील

मुंबई। गौतम अडानी की कंपनी अडानी टोटल गैस और मुकेश अंबानी के ज्वाइंट वेंचर रिलायंस बीपी मोबिलिटी के बीच बड़ी डील हुई है। इन दोनों कारोबारियों के फर्म ने एक-

दूसरे के फ्यूल रिटेल नेटवर्क का लाभ उठाकर वाहन ईंधन बेचने के लिए साझेदारी की है। बता दें कि ब्रिटेन की बीपी के साथ अंबानी के जियो का ज्वाइंट वेंचर जियो-बीपी है।

क्या कहा गया बयान में- एक ज्वाइंट स्टेटमेंट में बताया गया है कि जियो-बीपी, अडानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) की सीएनजी खुदरा दुकानों पर पेट्रोल और डीजल डिस्पेंसर लगाएगा। इसके साथ ही, अडानी समूह और फ्रांस की टोटल एनर्जीज का शहरी गैस वितरण संयुक्त उद्यम - एटीजीएल, जियो बीपी के ईंधन स्टेशनों पर सीएनजी डिस्पेंसर लगाएगा। इस साझेदारी के तहत समूह की मौजूदा और भविष्य की, दोनों इकाइयां आएंगी। बयान के मुताबिक इस डील के तहत चुनिंदा एटीजीएल फ्यूल आउटलेट जियो-बीपी के पेट्रोल और डीजल की पेशकश करेंगे, जबकि चुनिंदा जियो-बीपी ईंधन आउटलेट एटीजीएल के अधिकृत भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) के भीतर एटीजीएल के सीएनजी डिस्पेंसर को एकीकृत करेंगे। इस प्रकार परिवहन उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले ईंधन की आपूर्ति बढ़ाई जाएगी। बता दें कि जियो-बीपी के पास देशभर में 1,972 पेट्रोल पंप हैं, जबकि एटीजीएल 34 भौगोलिक क्षेत्रों में 650 सीएनजी स्टेशनों का नेटवर्क संचालित करती है।

अपील का भ्रम खत्म, जीएसटी पर नए नियम से व्यापारियों को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने जीएसटी खुफिया निदेशालय द्वारा जारी नोटिसों से संबंधित निर्णयों को चुनौती देने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत ऐसे नोटिस से जुड़े फैसलों की जांच, बदलाव या अपील सुनने की जिम्मेदारी विशेष रैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई है। इससे कारोबारियों को अब यह भ्रम नहीं रहेगा कि अपील के लिए किस अधिकारी के पास जाना है। यह कदम अनिश्चितता को दूर करने और जीएसटी प्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने इस संबंध में नया आदेश जारी कर दिया है। इसके तहत स्पष्ट किया गया है कि डीजीजीआई द्वारा जारी नोटिसों पर विभागीय फैसलों के खिलाफ अपील और समीक्षा किन अधिकारियों के पास की जाएगी।

ईरान-इजरायल युद्धविराम से मार्केट में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में रौनक रही। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में लगभग 1 प्रतिशतकी बढ़त देखी गई। ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम होने से दुनिया भर के बाजारों में सकारात्मक माहौल बना। इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 700.40 अंक या 0.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,755.51 और निफ्टी 200.40 अंक या 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,244.75 पर बंद हुआ। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बाजार में अभी तेजी बनी रहेगी। बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.64 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा ऑटो, एफएमसीजी, मीडिया, रियल्टी, इन्फ्रा, फार्मा और सर्विसेज इंडेक्स हरे निशान में थे। निफ्टी के प्राइवेट बैंक और पीएसई इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए।

किनमें तेजी, किनमें गिरावट- सेंसेक्स पैक में टाइटन, एमएंडएम, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, टीसीएस, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, इटरनल, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, ट्रेंट, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक और अडानी पोर्ट्स गेनर्स थे। बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक लूजर्स थे।

दूसरे बाजारों का कैसा रहा हाल- एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट फायदे में रहे, जबकि जापान का निक्की 225 में मामूली गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.01 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

रूस से भारत की प्राइवेट कंपनियां खरीद रहीं सबसे ज्यादा तेल

सरकारी कंपनियों का नाम-ओ-निशान तक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत इस साल रूस से समुद्री रास्ते से आने वाले कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। रूस के सबसे खास तेल ग्रेड का 80 प्रतिशतहिस्सा भारत ने खरीदा है। भारत की दो प्राइवेट रिफाइनरी कंपनियां ये तेल खरीद रही हैं। ये कंपनियां सस्ते दामों पर मिल रहे इस तेल का फायदा उठा रही हैं। इस कच्चे तेल को खरीदने में सरकारी कंपनियों को नाम-ओ-निशान तक नहीं है।

केप्लर नाम की एक डेटा कंपनी के अनुसार, भारत ने इस साल 24 जून तक 23.1 करोड़ बैरल यूरल्स तेल खरीदा है। यूरल्स एक तरह का कच्चा तेल है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी लिमिटेड ने मिलकर रूस से आने वाले इस तेल का 45 प्रतिशतहिस्सा खरीदा है।

भारत बना सबसे बड़ी खरीदार- भारत यूरल्स तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। साल 2024 में भारत ने इस तेल का 74 प्रतिशतहिस्सा खरीदा था। इससे पता चलता है कि भारत रूस से मिलने वाली ऊर्जा पर कितना निर्भर है। साथ ही, यह भी पता चलता है कि भारत रूस के लिए कितना महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत से रूस को बहुत पैसा मिलता है।

प्राइवेट कंपनियों ने बढ़ाई हिस्सेदारी- पिछले कुछ सालों में भारत की प्राइवेट रिफाइनरी कंपनियों ने यूरल्स तेल की खरीदारी बढ़ा दी है। साल 2025 में तो उन्होंने बहुत ज्यादा तेल खरीदा है। रिलायंस कंपनी ने इस साल 7.7 करोड़ बैरल तेल खरीदा है। अब रिलायंस दुनिया में यूरल्स तेल की सबसे बड़ी खरीदार बन गई है।

रिलायंस ने रूस के साथ की डील- रिलायंस ने रूस के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के अनुसार रिलायंस रूस से हर दिन 5 लाख बैरल तक तेल खरीदेगी। यह

सरकारी कंपनियों की कितनी हिस्सेदारी

भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियां (जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड) ने रूस के साथ कोई समझौता नहीं किया है। इन कंपनियों को तेल खरीदने के लिए कुछ खास तरह की करेंसी का इस्तेमाल करना होता है, जिससे उन्हें तेल खरीदने में दिक्कत होती है। रिलायंस और नायरा के रूस से तेल खरीदने की वजह से यूरल्स तेल की सप्लाई कम हो गई है।

5 दिन से बुलेट ट्रेन की स्पीड से दौड़ रहा यह रेलवे स्टॉक

535 करोड़ का मिला ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग के शेयर 5 दिन से बुलेट ट्रेन बने हुए हैं। इसकी कीमत आज भी शुरुआती कारोबार में 6 प्रतिशत उछल गई। यह लगातार पांचवें दिन कंपनी के शेयर में उछाल देखने को मिला। इसकी मुख्य वजह कैमरून की कंपनी कैमाल्को एस.ए. से मिला 535 करोड़ रुपये का ऑर्डर है। सुबह 9:22 बजे तक, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर टेक्समैको रेल का शेयर 184.65 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले भाव से 11.20 रुपये यानी 6.46 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है।

ऑर्डर की खास जानकारी- यह ऑर्डर दो हिस्सों में बंटा है। पहला 560 ओपन टॉप वैगन बनाने और सप्लाई करने का ठेका, जिसकी कुल कीमत 282 करोड़ रुपये (3.27 करोड़ डॉलर) है। इस काम को 24 महीने के भीतर पूरा करना होगा। दूसरा 20 साल की लंबी अवधि के मेंटेनेंस का कांट्रैक्ट, जिसका मूल्य 253 करोड़ रुपये (2.94 करोड़ डॉलर) है। इस ऑर्डर के साथ ही अगले 5 साल में 1,040 अतिरिक्त वैगन सप्लाई करने और उनके रखरखाव का विकल्प भी शामिल है।

हाल में मिले अन्य ऑर्डर्स- टेक्समैको को पिछले कुछ दिनों में दो और बड़े ऑर्डर मिले हैं। 10 जून को मुंबई रेलवे विकास निगम ने केंद्रीय रेलवे की तीसरी और चौथी लाइन के लिए ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर व अन्य कामों का 44.04 करोड़ रुपये का ठेका दिया। 3 जून को ही पश्चिमी रेलवे के लिए ऐसे ही कामों का 122.31 करोड़ रुपये का ठेका मिला, जिसे 30 महीने में पूरा करना है।

शेयर की मौजूदा स्थिति- इस समय कंपनी का शेयर अपने 52-हफ्ते के उच्चस्तर (296.60 रुपये) से 37.74 प्रतिशत नीचे चल रहा है, जबकि इसके 52-हफ्ते के निचले स्तर (115.10 रुपये) से 60.43 प्रतिशत ऊपर है। कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण 7,376.16 करोड़ रुपये है।

नोएडा में मिलेंगी छप्परफाड़ नौकरियां

केंद्र सरकार के इस फैसले से छोटी कंपनियों को होगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बुधवार को एक बड़ा फैसला लिया। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में 417 करोड़ रुपये का एक इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर बनेगा। इसका मकसद लोकल इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा कि इस क्लस्टर से लगभग 2,500 करोड़ रुपये का निवेश आने की उम्मीद है। सरकार का दावा है कि इस प्रोजेक्ट से वर्ल्ड-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर बनेगा और 15,000 नौकरियां पैदा होंगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, इस प्रोजेक्ट से वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर बनेगा और 15,000 नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने यह

भी कहा कि सरकार देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने पर ध्यान दे रही है। यह प्रोजेक्ट उसी दिशा में एक कदम है। यह क्लस्टर कई तरह के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बनाने में मदद करेगा। इनमें कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स (टीवी, फ्रिज आदि), ऑटोमोटिव और इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स (गाड़ियों और उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स), मेडिकल डिवाइस, कंप्यूटर हार्डवेयर और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट (मोबाइल, टावर आदि) शामिल हैं।

यह प्रोजेक्ट यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा बनाया जाएगा। यह यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और आने वाले पलवल-खुर्जा एक्सप्रेसवे के पास होगा।

छुट्टियों में लोगों ने जमकर किया क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल, खर्च में 15 प्रतिशतकी भारी उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड मार्केट जो थोड़ा सुस्त था, उसे छुट्टियों की वजह से थोड़ी जान मिली है। मई महीने में कार्ड से होने वाला खर्च 1.9 लाख करोड़ रुपये तक है पहुंच गया। यह पिछले महीने के मुकाबले 3 प्रतिशतऔर पिछले साल से करीब 15 प्रतिशतअधिक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डेटा के मुताबिक, यह ग्रोथ मई 2024 में दर्ज की गई 17 प्रतिशतकी साल-दर-साल ग्रोथ के बाद आई है। श्वज्ञ के मुताबिक, मई में 7 लाख 60 हजार से ज्यादा नए कार्ड जारी हुए। यह पिछले चार महीनों में सबसे ज्यादा हैं हैं। हालांकि, जितने नए कार्ड इस बार जोड़े गए, वो पिछले साल इसी दौरान जारी हुए कार्ड्स के लगभग बराबर थे। मई में क्रेडिट कार्ड से हुए लेनदेन की संख्या (कितनी बार कार्ड इस्तेमाल हुआ) की संख्या महीने दर महीने 4 प्रतिशतऔर साल-दर-साल करीब 30 प्रतिशतबढ़ी। कुल जितने क्रेडिट कार्ड अभी सर्कुलेशन में हैं, उनकी संख्या 11 करोड़ से अधिक हो गई है। ऋब्ढ्ढ के डेटा के मुताबिक, यह मई 2025 में पिछले साल के मुकाबले 8 प्रतिशतकी बढ़ोतरी दिखाता है।

नेटफ्लिक्स ने 'आप जैसा कोई' का ट्रेलर जारी किया

मुंबई, एजेंसी। जब एक शांत 42 वर्ष के पुरुष का सामना अपने उस पहलू से होता है, जिसके बारे में वह कभी जानता ही नहीं था, तब उसके द्वारा अपने जीवन के नियमों को दोबारा लिखने की शुरुआत होती है, फिर इसके बाद क्या होता है? नेटफ्लिक्स ने आप जैसा कोई का ट्रेलर जारी किया है।

इसमें आर. माधवन श्रीरेणु त्रिपाठी और फातिमा साना शेख मधु बोस के किरदार में हैं। यह सुखद फैमिली ड्रामा सबसे अप्रत्याशित परिस्थितियों में 'बराबरी वाला प्यार' खोजने के अपनेपन, संबंध और सुंदरता को पेश करता है। इस फिल्म में जमशेदपुर और कोलकाता के दो अलग-अलग समाजों में रहने वाले किरदारों की कहानी दिखाई गई है।

बीएसई ने नियमों का किया उल्लंघन, सेबी ने लगाया 25 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई पर बड़ी कार्रवाई की है। बाजार नियामक ने बीएसई पर नियम उल्लंघन को लेकर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

आरोप है कि बीएसई हितधारकों को कॉरपोरेट खुलासे तक समान पहुंच प्रदान करने में विफल रहा और कारोबार के दौरान लगातार संशोधन करने वाले ब्रोकरों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। सेबी ने फरवरी, 2021 और सितंबर, 2022 के बीच किए गए निरीक्षण के बाद यह आदेश पारित किया।

क्या कहा गया है सेबी के आदेश में- सेबी ने 45 पन्नों के अपने आदेश में कहा कि बीएसई की प्रणाली ढांचे ने इसके भुगतान करने वाले ग्राहकों और आंतरिक सूचीबद्धता अनुपालन निगरानी (एलसीएम) टीम को कॉरपोरेट घोषणाओं तक वेबसाइट के माध्यम से सार्वजनिक होने से पहले पहुंच प्रदान की, जिससे मानदंडों का उल्लंघन हुआ। नियामक ने यह भी देखा कि डेटा प्रसार प्रक्रिया में सभी हितधारकों के लिए एक साथ और समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों की कमी थी।

सूर्यकुमार यादव की जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई

फोटो पोस्ट कर दी जानकारी; लिखा- सर्जरी के बाद रिकवरी कर रहा हूं

म्यूनिक (एजेंसी)। भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का जर्मनी के म्यूनिख में पेट की दाएं ओर स्पोर्ट्स हर्निया का सफल ऑपरेशन हुआ। 34 साल के सूर्या ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, 'लाइफ अपडेट, पेट के निचले दाएं ओर स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हो गई है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सफल ऑपरेशन के बाद अब मैं रिकवरी की राह पर हूं।'

अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करेगी टीम इंडिया

भारतीय टीम को अगस्त महीने में बांग्लादेश का दौरा करना है। टीम को वहां 17 अगस्त से 3 वनडे और 3 टी-20 मैच की सीरीज खेलनी है। टी-20 सीरीज 26 अगस्त से शुरू होगी। फिलहाल, भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर गई है।

मुंबई की ओर से 700 से ज्यादा रन बनाए

सूर्यकुमार यादव ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के लिए 700 से अधिक रन बनाए। फिर वे मुंबई प्रीमियर लीग टी-20 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।

क्रिकेटर रिंकू सिंह को मिली सरकारी नौकरी, इस विभाग में करेंगे काम

लखनऊ (एजेंसी)। स्टार भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह अब सरकारी नौकरी करने जा रहे हैं। यूपी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियम-2022 के तहत रिंकू सिंह को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त करने में कदम आगे बढ़ाया है। रिंकू सिंह की नियुक्ति यूपी राज्य सरकार की उस नीति का हिस्सा है, जो यूपी राज्य से आने वाले कई अंतरराष्ट्रीय एथलीटों को सम्मानित करने के लिए अपनाई गई है, जो अपने देश का

प्रतिनिधित्व करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतते हैं। यह नीति सरकारी सेवाओं में सम्मानजनक पदों के लिए उनकी भर्ती को चिह्नित करती है। इस 27 वर्षीय यूपी के क्रिकेटर का जन्म अक्टूबर 1997 में अलीगढ़ में एक साधारण पृष्ठभूमि में हुआ था। उनके पिता घर-घर जाकर सिलेंडर बांटते थे जबकि क्रिकेटर ने खुद शुरुआत में अपने पिता की नौकरी में मदद की थी। रिंकू ने कई काम करने के बावजूद क्रिकेट के प्रति एक अटूट जुनून दिखाया, जिसने आखिरकार उन्हें मैदान पर जगह दिलाई, जहां उन्होंने कुछ शानदार प्रदर्शन करके शोहरत हासिल की। ??उनका पहला नजर में आने वाला प्रदर्शन अंतर्राष्ट्रीय स्कूल क्रिकेट में खिताब जीतना था। इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा एक अद्वितीय प्रतिभा के रूप में खोजे जाने के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए कई वर्षों तक घरेलू क्रिकेट खेला। चयक्रने 2018 में रिंकू को वापस खरीदा और तब से यह खिलाड़ी सेटअप का हिस्सा रहा है। रिंकू सिंह आईपीएल 2023 में एक प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद उभरे, जहां उन्होंने 450 से अधिक रन बनाए और विभिन्न विरोधियों के खिलाफ कई करीबी मुकाबले जीताने में टीम को मदद की। 2022 में भी उन्होंने लगभग 35 की औसत से 174 रन बनाए; हालांकि 2023 उनका सर्वश्रेष्ठ सीजन था, जहां उन्होंने 60 की औसत और 150 की स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाए और लगभग 150 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

विश्व कप जीत के 42 साल

वह दिन जिसने भारतीय क्रिकेट की कामयाबी की रखी नींव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले चार साल में जब भी 25 जून आता है तो '83' वाट्सअप ग्रुप के सबसे जिंदादिल सदस्य की यादें बाकी 13 सदस्यों को कचोटती हैं। चार साल पहले यशपाल शर्मा ने आखिरी सांसें ली थी लेकिन ऐसा एक भी दिन नहीं गया होगा जब कपिल देव की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों ने 'यश पाजी' को याद नहीं किया हो। कोरोना महामारी से पहले पंजाब के तत्कालीन चयनकर्ता यशपाल दिल्ली में रणजी मैच देखने आए थे। उन्होंने कुछ पत्रकारों को उलाहना भी दिया था कि ओल्ड टैफर्ड में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच की रिकॉर्डिंग उनके पास नहीं है जिसमें उनकी 89 रन की पारी की मदद से भारत ने 34 रन से जीत दर्ज की थी।

टूर्नामेंट में सर्वाधिक 240 रन बनाने वाले यशपाल ने कहा था, 'जिसके पास भी रिकॉर्डिंग है, मैं उसे 5000 पाउंड देने के लिए तैयार हूं। मेरे पास रिकॉर्डिंग नहीं है। वह मेरी सर्वश्रेष्ठ वनडे पारी थी। ऐसा लगता था कि

मैको (मैल्कम मार्शल) का मुझसे अलिखित करार था। मेरे आते ही दो गेंद छाती पर मारता था।% महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उनके बारे में कहा था, 'वह टीम का बहुत ही लोकप्रिय सदस्य था और हम सभी उसे याद करते हैं।

द 83 वाट्सअप ग्रुप में टीम के 14 सदस्य और प्रशासनिक प्रबंधक पीआर मान सिंह हैं। भारतीय टीम ने जब रवि शास्त्री के कोच रहते बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती या रोजर बिन्नी बीसीसीआई अध्यक्ष बने या कीर्ति आजाद ने लोकसभा चुनाव जीता, इस ग्रुप पर चर्चा का दौर चला है। गावस्कर ने कहा, 'हम लगभग हर रोज संपर्क में रहते हैं और आज तो बिल्कुल ही।

विजय माल्या के यूबी समूह ने 2008 में विश्व कप जीत की 25वीं सालगिरह पर लार्डर्स पर टीम के सभी सदस्यों के लिए समारोह का आयोजन किया था। फिर 2023 में अडाणी समूह ने 40वीं सालगिरह पर सदस्यों को सम्मानित किया। इस बार गावस्कर और शास्त्री एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए अपनी मीडिया व्यस्तताओं के कारण बाहर हैं और दिलीप वेंगसरकर भी देश में नहीं है तो जश्न नहीं हो सका। गावस्कर ने कहा ,'' हमने इस साल भी जश्न का सोचा था लेकिन श्रृंखला चालू होने के कारण स्थगित करना पड़ा। दो साल पहले अहमदाबाद में अडाणी समूह ने टीम को सम्मानित किया था।

भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक सौरव गांगुली ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में कहा था, '1983 बहुत बड़ी बात थी। कपिल देव, संधू, मदन लाल, रोजर बिन्नी, संदीप पाटिल को लॉडर्स पर देखना बहुत बड़ी बात थी। इससे हमें क्रिकेट खेलने की प्रेरणा मिली। उस जीत से जुड़े कई किस्से क्रिकेट की किवदंतियों में शामिल है। ऐसा कहा जाता रहा है कि कपिल ने जिम्बाब्वे के खिलाफ जब 175 रन की नाबाद पारी खेली थी तब बीबीसी कर्मचारियों के हड़ताल पर होने से उसकी कोई वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध नहीं है।

मशहूर पत्रकार गुलू इजेकील ने हालांकि अपनी किताब 'मिथ बस्टर्स' में लिखा कि 18 जून 1983 को बीबीसी ने मैनचेस्टर में इंग्लैंड और पाकिस्तान तथा लॉडर्स पर वेस्टइंडीज और आस्ट्रेलिया के मैच का प्रसारण किया था। बीबीसी को भारत और जिम्बाब्वे का मैच उतना महत्वपूर्ण नहीं लगा। टनब्रिज वेल्स पर वह पहला और आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था लेकिन यह मैदान भारतीय क्रिकेटप्रेमियों के लिए किसी तीर्थ से कम नहीं है। स्टेडियम के आसपास रहने वालों के पास कपिल देव की एक न एक कहानी जरूर है।

ब्रिजटाउन टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 180 पर ऑलआउट

हेड का अर्धशतक,जोसेफ और सील्स ने बिखेरा जलवा, एक ने 4 तो दूसरे ने चटकाए 5 विकेट, पहले दिन वेस्टइंडीज 57/4

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया मैच के पहले दिन बुधवार को पहली पारी में 180 रन पर ऑलआउट हो गई। दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने 4 विकेट खोकर 57 रन बना लिए हैं। ब्रैंडन किंग (23) और कप्तान रोस्टन चेज (1) नाबाद लौटे।

- **चार बल्लेबाज ही छू सके दहाई का आंकड़ा** – ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का पहली पारी में काफी निराशाजनक प्रदर्शन रहा। टीम के केवल चार बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके। ट्रेविस हेड 59, उस्मान ख्वाजा 47, कप्तान पैट कमिंस 28 और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर ने 11 रन बनाए।–
- **सील्स 5 और जोसेफ ने 4 विकेट लिए** – वेस्टइंडीज की तरफ से पहली पारी में जेडन सील्स और शमार जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी की। सील्स अपने 15.5 ओवरों के स्पेल में पांच विकेट झटके। जबकि जोसेफ ने 16 ओवरों के स्पेल में चार विकेट लिए। इन दोनों गेंदबाजों के अलावा जस्टिन ग्रीव्स ने एक विकेट हासिल लिया।
- **स्टंप तक वेस्टइंडीज ने भी चार विकेट गंवाए** – वेस्टइंडीज की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर क्रैग ब्रैथवेट (4) और जॉन कैंपबेल (7) जल्दी पवेलियन लौट गए। उसके बाद केसी कार्टी ने 20 और जोमेल वारिकान बगैर खाता खोले ही आउट हो गए। टीम का स्कोर दिन की समाप्ति तक चार विकेट के नुकसान पर 57 रन है। पहले दिन कुल 14 विकेट गिरे।

हर्षित राणा को टीम इंडिया से रिलीज किया गया

बर्मिंघम नहीं गए; पहले टेस्ट के लिए टीम में शामिल किए गए थे

फॉर्मेट	मैच	विकेट	इकोनॉमी रेट
टेस्ट	2	4	4.51
वनडे	5	10	5.69
टी-20I	1	3	8.25

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है। युवा गेंदबाज को पहले टेस्ट में कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा टीम के साथ लीड्स से बर्मिंघम नहीं गए हैं।

टीम इंडिया लीड्स से बर्मिंघम रवाना- भारतीय टीम लीड्स से बर्मिंघम के लिए रवाना हो गई। टीम अगले दो दिन आराम करेगी और फिर दूसरा टेस्ट शुरू होने से पहले ट्रेनिंग शुरू करेगी। दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से खेला जाना है। भारतीय टीम पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से पीछे है।

कोच ने राणा को टीम से रिलीज के दिए थे संकेत - कोच गौतम गंभीर ने राणा के बारे में कहा, %मैंने अभी चीफ सिलेक्टर से बात नहीं की है, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को छोटी-मोटी चोट की आशंका थी। इसलिए हमने उन्हें बैकअप के तौर पर रखा था। लेकिन अब सब ठीक लग रहा है, तो अगर सब फिट हैं, तो उन्हें वापस जाना होगा। हेडिंग्ले टेस्ट में पांच बल्लेबाजों के शतक लगाने के बाद भी टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। यह टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ कि किसी टीम ने पांच शतक लगाने के बावजूद मैच गंवाया।

शिखर धवन बने लेखक, लिखी किताब, धोनी से जुड़ा किस्सा किया साझा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अपने जीवन के संस्मरणों को कलमबद्ध किया है जिसमें रिश्तों से लेकर दोस्ती तक और मैदान के भीतर तथा बाहर के विवादों पर भी खुलकर बात की है। धवन ने अपनी किताब 'द वन = क्रिकेट, माय लाइफ एंड मोर' के बारे में कहा, 'क्रिकेट ने मुझे जीने का मकसद दिया लेकिन इस सफर में उतार चढ़ाव और खामोश पल भी रहे। इसने मुझे वह इंसान बनाया जो आज मैं हूं। मैं दिल से अपनी कहानी कह रहा हूं जो ईमानदार और किसी फिल्टर के बिना है। प्रकाशक हार्पर कोलिंस इंडिया ने कहा, 'पूरी स्पष्टवादिता और ईमानदारी के साथ लिखी गई 'द वन' शिखर धवन के आंतरिक संवाद और उन सभी कमजोरियों की अभूतपूर्व झलक पेश करती है जिन्होंने उन्हें एक चैंपियन क्रिकेटर और संवेदनशील इंसान बनाया है। कंपनी के प्रकाशक सचिन शर्मा ने कहा, 'शिखर धवन का मैदान के भीतर

और बाहर जीवन शानदार रहा है। इस संस्मरण में शिखर ने अपने जीवन, रिश्तों और हर उस अनुभव के बारे में बात की है जिसका उन्होंने सामना किया और मजबूत होकर निकले हैं।

दिल्ली में पले बढ़े धवन ने बतौर विकेटकीपर शुरूआत की थी लेकिन बाद में सलामी बल्लेबाज बने। भारत के लिए 34 टेस्ट में उन्होंने 2315 रन, 167 वनडे में 6793 रन और 68 टी20 मैचों में 1759 रन बनाए हैं। उन्होंने किताब में लिखा, 'जब मैं भारतीय टीम में आने की कोशिश कर रहा था तब सोशल मीडिया नया था और क्रिकेटरों पर इतनी नजर नहीं रखी जाती थी। लेकिन प्रिंट और प्रसारण मीडिया चरम पर था।%

उन्होंने लिखा, 'टीम चयन और व्यक्तिगत प्रदर्शन पर चर्चा होती थी और लोग पढ़ते थे। आजकल की तरह नहीं जब सोशल मीडिया रातोरात क्रिकेटर को हीरो से जीरो बना देता है।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, आईसीसी रैंकिंग में इस मुकाम पर पहुंचने वाले पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत हेडिंग्ले टेस्ट में खेली गई शतकीय पारियों के बाद आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत ने इंग्लैंड के लिए पहले टेस्ट की दोनों इनिंग में शतक लगाया था और ऐसा करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने थे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से आज जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार पंत जहां 800 रेटिंग अंक के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गए है जिससे उन्होंने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। पंत 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारत के पहले विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं।

भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भले ही 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा हो, लेकिन पंत अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में कामयाब रहे। उन्होंने पहली पारी में 178 गेंदों पर 12 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 134 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में पंत का स्ट्राइक रेट 75.28 था जबकि दूसरी पारी में यह बढ़कर 84.29 रहा।

इसके अलावा आईसीसी ताजा टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने भी शतकीय पारी के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया। डकेट पांच पायदान की छलांग

लगाकर आठवें स्थान पर आ गए हैं। इसके आलवा शुभमन गिल और अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जबकि जो रूट 889 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर, हैरी ब्रूक 874 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है, केन विलियमसन तीसरे और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जासवाल 851 रेटिंग अंक के साथ चौथे पायदान पर है।

डकेट के इंग्लैंड के साथी ओली पोप तीन पायदान ऊपर चढ़कर 19वें स्थान पर और जेमी स्मिथ 27वें स्थान पर है, दोनों के रैंकिंग में कुछ सुधार देखा गया है। जबकि भारतीय कप्तान शुभमन गिल मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद पांच पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। श्रीलंका और बंगलादेश के बीच ड्रॉ हुए पहले टेस्ट में उनके कई खिलाड़ियों की बल्लेबाजी रैंकिंग में कुछ सुधार आया है, जिसमें मुशफिकुर रहीम सबसे आगे हैं जिन्होंने गॉल में 163 रन की पारी खेली। रहीम टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में 11 पायदान की छलांग लगाकर 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि उनके साथी नजमुल हुसैन शांतो ने इसी मैच में दो शतक जड़ने के बाद 21 पायदान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने हेडिंग्ले टेस्ट में एक बार फिर पांच विकेट चटकाने के बाद शीर्ष स्थान पर अपना स्थान बरकरार रखा है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के लिए कुछ खुशी की बात है, जो इसी टेस्ट में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन के बाद टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में तीन पायदान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

स्कॉटलैंड, नेपाल और नीदरलैंड के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला के समापन के बाद ताजा टी-20 रैंकिंग में भी कुछ बदलाव हुए हैं। नीदरलैंड के तेज गेंदबाज माइकल लेविट 16 पायदान ऊपर 14वें स्थान पर और स्कॉटलैंड के ऑलराउंडर ब्रैंडन मैकमुलेन 20 पायदान ऊपर 38वें स्थान पर ने टी-20 बल्लेबाजों की नवीनतम सूची में जगह बनाई, जबकि स्पिनर माक 'वॉट ने दो पायदान की छलांग के साथ 38वें स्थान पर टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार हुआ है।

बीसीसीआई-ईसीबी सऊदी टी-20 लीग के विरोध में

नहीं देंगे खिलाड़ियों को एनओसी

सऊदी की एसआरजे स्पोर्ट्स इन्वेस्टमेंट्स 4400 करोड़ निवेश करेगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) सऊदी अरब की ओर से शुरू किए जाने वाले वर्ल्ड टी-20 लीग का विरोध करेंगे। वहीं, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस लीग के पक्ष में है और अपने यहां मैच कराने के लिए भी सहमत है। द गार्जिन की रिपोर्ट के मुताबिक, लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान ईसीबी और बीसीसीआई ने इस नई लीग का विरोध करने का फैसला किया। दोनों बोर्ड अपने खिलाड़ियों को इस लीग में खेलने के लिए 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) नहीं देंगे और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) से भी इसे मंजूरी न देने की अपील करेंगे।

ईसीबी ने आईपीएल प्लेऑफ में अपने खिलाड़ियों को खेलने की नहीं दी थी अनुमति – ईसीबी के साथ बीसीसीआई

का गठबंधन इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत-पाक के बीच तनाव के कारण आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव किया गया था। आईपीएल के प्लेऑफ के मैच के दौरान ही वेस्टइंडीज-इंग्लैंड की वनडे सीरीज के भी मुकाबले थे। इसकी वजह से ईसीबी ने जोस बटलर, जैकब बेथेल और विल जैक्स को आईपीएल में खेलने की अनुमति नहीं दी गई थी। जिसके बाद बीसीसीआई के साथ संबंध खराब होने की चर्चा हो रही थी। ईसीबी ने जोस बटलर सहित कई खिलाड़ियों को ढ्ढक्कके प्ले ऑफ में खेलने की अनुमति नहीं दी थी।

सऊदी की एसआरजे स्पोर्ट्स इन्वेस्टमेंट्स ने इस नई लीग के लिए 400 मिलियन (लगभग 4400 करोड़ रुपए) निवेश करने की योजना बनाई है, जिसमें आठ टीमें हर साल चार अलग-अलग जगहों पर टूर्नामेंट खेलेंगी, जैसे टेनिस के ग्रैंड स्लैम खेला जाता है।

- **भारत-इंग्लैंड के बिना लीग का महत्व कम हो सकता है**- भारतीय और इंग्लिश खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से इस नई लीग का महत्व कम हो सकता है। वहीं, वर्ल्ड कैलेंडर पहले ही 20 से ज्यादा ञ्20 और 10 ओवर की लीग से भरा है।
- **आईसीसी से इस लीग पर अभी आधिकारिक बयान नहीं आए** – आईसीसी ने अभी इस लीग पर कोई औपचारिक फैसला नहीं किया है। वहीं उसके बीसीसीआई के खिलाफ जाने की संभावना भी कम है। आईसीसी के नए चेयरमैन जय शाह पहले बीसीसीआई के सचिव रह चुके हैं और भारत के गृह मंत्री अमित शाह के बेटे हैं। हालांकि, आईसीसी के सऊदी अरब के साथ भी करीबी रिश्ते हैं। आईसीसी ने सऊदी की सरकारी तेल कंपनी अरामको के साथ चार साल का 70 मिलियन प्रति वर्ष का करार किया है।
- **लीग के सामने चुनौती** – आईसीसी के मौजूदा नियमों के तहत नई ञ्20 लीग में प्रत्येक टीम में केवल चार विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं, जो सऊदी अरब जैसे देश के लिए मुश्किल है, जहां स्थानीय खिलाड़ियों की संख्या सीमित है। आईपीएल बिग बैश और द हंड्रेड की सफलता की मुख्य वजह विदेशी और स्थानीय खिलाड़ियों का संतुलन है। अगर सऊदी लीग में सात खिलाड़ी सऊदी अरब या अन्य छोटे क्रिकेट देशों से होंगे, तो यह स्पॉन्सर्स और प्रसारकों के लिए आकर्षक नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

अदालत का समय बर्बाद किया, महाराष्ट्र चुनाव से जुड़ी याचिका हाईकोर्ट में खारिज

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने बुधवार को 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हुए फर्जी मतदान की याचिका को खारिज किया, जिसमें शाम छह बजे मतदान का समय समाप्त होने के बाद बढ़े हुए मतदान के आंकड़ों को लेकर एक याचिका दाखिल की गई थी। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की पीठ ने आज अपना फैसला सुनाया, इससे पहले इस फैसले को सोमवार को सुरक्षित रख लिया गया था। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि इस सुनवाई में पूरे दिन दलीलें सुनने से अदालत का कीमती समय बर्बाद हुआ। उल्लेखनीय है कि वंचित बहुजन आघाड़ी के विक्रोली कार्यकर्ता चेतन अहिरे ने इस संबंध में उच्च न्यायलय में याचिका दायर की थी, जिसकी सुनवाई आज हुई थी।

अहिरे की ओर से अधिवक्ता प्रकाश आंबेडकर ने अपनी दलीलें दीं और वंचित बहुजन आघाड़ी के नेता और अधिवक्ता आंबेडकर ने दलीलें देते हुए पूरी चुनाव प्रक्रिया पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की थी। उन्होंने अदालत के समक्ष आरोप लगाया था कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) मशीनों के आने के बाद से हमारी चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी हुई है।

इस बीच, निर्वाचन आयोग और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने याचिका का विरोध किया और उसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा किया था। मतदान अवधि समाप्त होने के बाद मतदान का मुद्दा उठाते हुए अधिवक्ता अंबेडकर ने आरोप लगाते हुए कहा था कि 76 लाख वोटों का अचानक बढ़ना एक गलती नहीं हो सकती बल्कि यह न केवल चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को बल्कि देश के लोकतंत्र पर भी सीधे तौर पर गंभीर सवाल उठाता है। उल्लेखनीय है कि 2024 के विधानसभा चुनाव में 288 सीटों के लिए मतदान हुआ था जिसमें फर्जी वोटिंग के आरोप लगे थे।

किसान के घर घुसा बाघ, वन अधिकारियों ने पकड़ा

रांची, एजेंसी। झारखंड के रांची जिले के एक गांव में बुधवार को एक वयस्क बाघ (रॉयल बंगाल टाइगर) एक किसान के घर में घुस गया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई, हालांकि बाद में वन अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया।

यह घटना झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 65 किलोमीटर दूर मुरी पुलिस चौकी के अधिकार क्षेत्र में सिल्ली प्रखंड के मरदु गांव में घटी। रांची के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) श्रीकांत वर्मा ने पीटीआई- को बताया, बाघ सुबह करीब पांच बजे पूरन चंद महतो के घर में घुस गया। वर्मा ने बताया कि जब किसान ने बाघ को घर के एक कमरे में घुसते देखा तो उन्होंने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि जब बाघ घर में घुसा तो करीब आठ साल की दो बच्चियां भी घर के अंदर थीं, लेकिन उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) से एक बचाव दल मौके पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू कर कर सफलतापूर्वक बाघ को पकड़ लिया। उन्होंने कहा, पिंजरे में बंद करने के बाद उसे बेहोश कर दिया गया। उसे एक वाहन में लादकर रांची के बिरसा जैविक उद्यान ले जाया जाएगा, जहां उसे निगरानी में रखा जाएगा। उन्होंने कहा, हालांकि, बाघ को मुक्त करने का निर्णय बाद में लिया जाएगा।

नागपुर और छत्तीसगढ़ में ट्रेन पर पत्थर फेंकने वाले किशोर हिरासत में लिए गए

नागपुर, एजेंसी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने नागपुर और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग घटनाओं में यात्री ट्रेन पर पत्थर फेंकने के आरोप में दो किशोरों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह कार्रवाई दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आरपीएफ के नागपुर मंडल द्वारा की गई। अधिकारियों ने बताया कि पहली घटना एक मई को हुई जिसके तहत छत्तीसगढ़ के दुर्ग में रेलवे पटरियों के किनारे इमली तोड़ते समय 13 वर्षीय एक लड़के ने पुरी-इंदौर एक्सप्रेस पर पत्थर फेंका।

मंत्रियों के स्टाफ पर सीएम फडणवीस ने कसी नकेल

ऐक्शन की चेतावनी; महायुति में बढ़ी दरार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की सत्ताधारी महायुति सरकार के भीतर तनातनी और गहराती दिख रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कई मंत्रियों द्वारा निजी सचिव (पीएस) और विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) की गैरकानूनी तैनाती को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की स्पष्ट हिदायतों के बावजूद कई पीएस और ओएसडी अब भी अपने पसंदीदा मंत्रियों के साथ कार्य कर रहे हैं, जिसके चलते फडणवीस ने छह ऐसे कर्मचारियों को अनुशासनात्मक नोटिस जारी किए हैं जो आदेशों की अवहेलना कर रहे थे।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जारी एक आदेश के अनुसार, फडणवीस ने मंत्रियों द्वारा प्रस्तावित कुछ निजी सचिवों और ओएसडी की नियुक्तियों को भ्रष्ट या सौदेबाज मानते हुए खारिज कर दिया था।

इस आदेश में इन कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से उनके मूल विभागों में वापस लौटने का निर्देश दिया गया, अन्यथा उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। फरवरी 2025 में, फडणवीस ने मंत्रियों द्वारा प्रस्तावित 125 नामों में से केवल 109 को मंजूरी दी थी, जिसके बाद से यह मुद्दा गठबंधन के लिए तनाव का कारण बना हुआ है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ताजा विवाद में शिवसेना के मंत्री संजय राठौड़, शंभुराज देसाई, भरत गोगावले और गुलाबराव पाटिल के साथ-साथ एनसीपी के नेता दत्तात्रेय भरने और छगन भुजबल भी शामिल हैं। इन मंत्रियों के पीएस की नियुक्तियां पहले ही अनियमितताओं के आरोपों के चलते रोक दी गई थीं। सूत्रों का कहना है कि इनमें से कई वर्षों से कार्यरत पीएस और ओएसडी पर भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति जमा करने के आरोप हैं।

विपक्ष का निशाना

विपक्ष ने इस पूरे घटनाक्रम को महायुति गठबंधन के भीतर बढ़ती असहमति का संकेत बताया है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा, यह केवल पीएस की नियुक्ति का मामला नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि सरकार के भीतर आपसी विश्वास और समन्वय की कमी है। मुख्यमंत्री के आदेशों की खुलेआम अवहेलना हो रही है, जो उनके नियंत्रण की कमजोरी को दर्शाता है।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने भी इस मुद्दे को आगामी मॉनसून सत्र में उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट पीएस और ओएसडी के खिलाफ शिकायतें मिली हैं और सरकार द्वारा जारी नोटिस एक आवश्यक कदम है। वहीं, राज्य के कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि इस मुद्दे पर पूरी स्थिति की स्पष्टता केवल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ही दे सकते हैं।

महायुति में बढ़ता तनाव

महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट), और एनसीपी (अजित पवार गुट) शामिल हैं। यह पहले भी आंतरिक मतभेदों का सामना कर चुका है। हाल ही में, बीजेपी नेता और मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे के एक बयान ने विवाद खड़ा किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र में बीजेपी की सरकार है और देवेंद्र फडणवीस सभी के पिता के रूप में हैं। इस बयान ने शिवसेना के नेताओं को नाराज कर दिया, जिन्हें लगा कि यह उनके प्रभाव को कम करने की कोशिश है।

इसके अलावा, पुणे में महायुति के सहयोगी दलों- बीजेपी, शिवसेना, और एनसीपी के नेताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंचों पर आलोचना की है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बारामती में एक रैली के दौरान शिवसेना विधायक विजय शिवतारे को निशाना बनाया, जिसके जवाब में शिवतारे ने पवार पर अहंकार का आरोप लगाया।

बेटियों ने किया अपमान, सेना से रिटायर पिता ने मंदिर को दान कर दी 4 करोड़ की संपत्ति

तिरुवन्नामलै, एजेंसी। एक रिटायर पिता को उनके बेटियों ने इस कदर अपमानित किया कि उन्होंने तंग आकर अपनी 4 करोड़ की संपत्ति एक मंदिर को दान में दे दी। उनके इस कदम के बाद अब उनकी बेटियां उन संपत्तियों के वापस पाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यह घटना तमिलनाडु के तिरुवन्नामलै जिला की है। सेना से रिटायर एस. विजयन अपनी बेटियों के अपमान से इस कदर आहत हुए कि उन्होंने यह कदम उठाया।

अरुलमिगु रेनुगम्बाल अम्मन मंदिर प्रशासन के अनुसार, 24 जून को जब मंदिर की दान पेटी खोली गई तो उसमें सिक्कों और नोटों के साथ दो मूल संपत्ति दस्तावेज भी पाए गए। एक संपत्ति 3 करोड़ की और दूसरी 1 करोड़ की थी। इसके साथ ही एक पत्र भी था, जिसमें विजयन ने स्पष्ट लिखा था कि उन्होंने स्वेच्छा से मंदिर को यह संपत्ति समर्पित की है।

मंदिर से वर्षों पुराना नाता: विजयन अरनी के पास केसवपुरम गांव के रहने वाले हैं। वह रेनुगम्बाल अम्मन के कट्टर भक्त माने जाते हैं। मंदिर अधिकारियों की जांच में पता चला कि वह पिछले 10 वर्षों से अकेले रह रहे थे। पत्नी से उनके मतभेद थे। हाल के महीनों में उनकी बेटियां उन्हें संपत्ति सौंपने के लिए दबाव डाल रही थीं और रोजमर्रा की जरूरतों को लेकर भी अपमान कर रही थीं।

विजयन ने कहा, मेरे बच्चों ने मुझे मेरे खुद के खर्च के लिए भी ताना दिया। अब मैं यह संपत्ति उस देवी को सौंप रहा हूं, जिसने मुझे जीवन भर संबल दिया।

क्या मंदिर की हो जाएगी विजयन की संपत्ति?: मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एम. सिलंबरासन ने बताया, सिर्फ दस्तावेजों को दान पेटी में डालना कानूनी रूप से संपत्ति का हस्तांतरण नहीं माना जा सकता है। जब तक दाता विधिवत रजिस्ट्रेशन विभाग के साथ पंजीकरण नहीं करते, मंदिर को कानूनी अधिकार नहीं मिलेगा। इसलिए अभी के लिए ये दस्तावेज हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ

बंदोबस्ती विभाग के पास सुरक्षित रखे गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी इस पर निर्णय लेंगे कि इन्हें कैसे आगे बढ़ाया जाए।

कौन सी संपत्तियां हैं दान में?: मंदिर अधिकारियों के मुताबिक, दान की गई संपत्तियों में 10 सेंट जमीन मंदिर के पास स्थित है। एक एक मंजिला मकान, जिसकी कीमत करीब 4 करोड़ है।

बेटियां संपत्ति वापस लेने के लिए कर रही हैं प्रयासः अब जब यह मामला सार्वजनिक हो गया है तो विजयन की बेटियां कथित रूप से संपत्ति को वापस पाने के प्रयास कर रही हैं। लेकिन विजयन ने साफ कहा, मैं अपने फैसले से पीछे नहीं हटूंगा। मंदिर से बात कर मैं कानूनी प्रक्रिया पूरी करूंगा।

कुछ लोग कहते हैं संसद सबसे ऊपर, लेकिन ऐसा है नहीं: सीजेआई गवई

अमरावती, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई ने संसद, न्यायपालिका और संविधान के बीच सर्वोच्चता की बहस को आगे बढ़ाते हुए अहम टिप्पणियां की हैं। सीजेआई गवई ने कहा है कि भारत का संविधान ही देश में सबसे ऊपर है और लोकतंत्र के तीनों अंग इसके हिसाब से ही काम करते हैं। इस दौरान सीजेआई ने यह भी कहा है कि संसद के पास संविधान में संशोधन करने की शक्ति जरूर है, लेकिन वह कभी भी संविधान के मूल ढांचे के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकती।

पिछले महीने देश के 52वें सीजेआई के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस गवई बुधवार को अपने गृहनगर पूर्वी महाराष्ट्र के अमरावती में एकन समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान जस्टिस गवई ने कहा कि कुछ लोग यह मानते हैं कि संसद संविधान के ऊपर है, लेकिन यह सच नहीं है।

भारत का संविधान ही सर्वोच्च- गवई: कार्यक्रम के दौरान जस्टिस गवई ने कहा कि इस बात पर हमेशा चर्चा होती है कि लोकतंत्र का कौन सा अंग सर्वोच्च है, कार्यपालिका, विधायिका या न्यायपालिका। उन्होंने कहा, कई लोग कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है लेकिन मेरे हिसाब से भारत का संविधान ही सर्वोच्च है। लोकतंत्र के तीनों अंग संविधान के तहत काम करते हैं।

जजों के कर्तव्यों पर जोर: सीजेआई गवई इस दौरान जजों को लेकर भी बोले। उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ आदेश पारित करने से कोई न्यायाधीश स्वतंत्र नहीं कहला सकता। उन्होंने कहा, जजों को हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारा कर्तव्य क्या है और हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास सिर्फ शक्ति नहीं है, बल्कि यह एक कर्तव्य है।

सीजेआई ने आगे कहा कि जजों को इस बात से कतई प्रभावित नहीं होना चाहिए कि लोग उनके फैसले के बारे में क्या कहेंगे या क्या महसूस करेंगे। उन्होंने कहा, हमें स्वतंत्र रूप से सोचना होगा। लोग जो कहेंगे, वह हमारी निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकता। इस दौरान उन्होंने बुलडोजर जस्टिस को रोकने जैसे फैसलों का भी जिक्र किया।

सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने खारिज की खुफिया रिपोर्ट, कहा- ईरान में परमाणु ठिकानों को बड़ा नुकसान पहुंचा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सेंट्रल इंटेलीजेंस एजेंसी (सीआईए) ने भी उन खुफिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया है कि अमेरिकी हवाई हमले में ईरान के परमाणु केंद्र पूरी तरह से तबाह नहीं हुए हैं। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने कहा कि अमेरिकी हवाई हमलों के बाद ईरान के परमाणु ठिकानों को बड़ा नुकसान पहुंचा है। रैटक्लिफ ने कहा कि हमें खुफिया जानकारी मिली है कि कई प्रमुख ईरानी परमाणु ठिकाने नष्ट हो गए हैं और उन्हें फिर से बनाने में वर्षों लग जाएंगे।

जॉन रैटक्लिफ ने कहा कि सीआईए इसकी पुष्टि करता है कि हमलों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को भारी नुकसान पहुंचा है। सीआईए उचित निर्णयकर्ताओं और निरीक्षण निकायों को पूरी तरह से सूचित रखने के लिए अतिरिक्त विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी एकत्र कर रहा है। जब भी संभव होगा हम इस मामले के राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए और पारदर्शिता प्रदान करने के हर प्रयास में अमेरिकी जनता को भी जानकारी देंगे।

पूरी तरह नष्ट किया गया ईरान का परमाणु कार्यक्रम : ट्रंप प्रशासनः इससे पहले ट्रंप ने कहा कि ईरान पर किए गए अमेरिकी हमलों से उसके परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका दिया है। वहीं दूसरी ओर, एक प्रारंभिक खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इन हमलों से ईरान को केवल मामूली नुकसान हुआ और उसका परमाणु कार्यक्रम कुछ महीनों के लिए ही रुका। ट्रंप ने कहा, यह एक विनाशकारी हमला था, जिसने उन्हें हिला दिया।

ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें कुछ भी निकालने का मौका नहीं मिला, क्योंकि हमने तेज कार्रवाई की। वैसे भी, इस तरह की सामग्री को ले जाना बहुत मुश्किल और खतरनाक होता है। अमेरिकी सांसदों को इस मुद्दे पर गोपनीय जानकारी देने के लिए जो ब्रीफिंग मंगलवार को होनी थी, अब वह गुरुवार और शुक्रवार को होगी।

ईरान पर हमला करने वाला बी-2 होगा रिटायर, यूएस एअर फोर्स में अब अदृश्य योद्धा बी-21 रेडर की एंट्री

वॉशिंगटन, एजेंसी। 22 जून 2025 की रात 12:01 मिनट पर अमेरिका के मिसौरी स्थित व्हाइट मैन एयरफोर्स के हवाई अड्डे से अमेरिका के सबसे खतरनाक और घातक माने जाने वाले बी2 बमवर्षक विमानों ने उड़ान भरी। लगभग 17 घंटे की अनथक उड़ान के बाद ये मिडिल ईस्ट में अमेरिकी कमांड सेंटर क्षेत्र में दाखिल हुए। तब तक शाम के 5 बज चुके थे। इसके लगभग एक घंटे बाद यह सभी बॉम्बर विमान ईरान की वायु सीमा में दाखिल हुए। इस बीच इन विमानों ने प्रशांत महासागर को पार किया और इन्हें हवा में ही रिफ्यूलिंग भी दी गई थी। शाम 6-40 से 7-05 बजे के बीच इन विमानों ने ईरान के फोर्डो और नतांज परमाणु ठिकानों पर बमबारी शुरू कर दी थी। जब ये विमान वापस लौट आए, तब अमेरिका ने बताया कि उनका ऑपरेशन पूरा हो गया है। यह तो हुई उस घटना की बात, जिसके बाद अमेरिका ने इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा की थी। आप यह भी जान गए कि अमेरिका ने अपने किन विमानों का उपयोग किया। अब आपको इसके आगे की कहानी बताते हैं। बी2 बमवर्षक विमान, अमेरिका का वह तीर है जिसका निशाना अचूक है। आपको यह जानकर हैरत होगी कि अगले पांच साल में इन विमानों को एयरफोर्स से रिटायर किया जाने वाला है।

अब आप सोच रहे होंगे कि जब यह अभी भी अचूक हैं तो फिर इन्हें रिटायर क्यों किया जा रहा है। दरअसल, इन विमानों की जगह लेगा बी-21 राइडर जो और अधिक मारक और अचूक है। यह नेक्स्ट जनरेशन विमान है जिसे लॉन्ग रेंज स्ट्राइक बॉम्बर कार्यक्रम के अंतर्गत विकसित किया गया है। इसकी पहली झलक दिसंबर 2022 में दिखाई गई थी। इसके बाद नवंबर 2023 इसने पहली उड़ान भरी थी। इस विमान को रेडर नाम क्यों दिया गया है, इसके पीछे भी एक ऐतिहासिक कहानी है।

75 साल बाद मिशिगन झील में विमान की खोज समाप्त, 20 साल से चल रही थी

दुर्घटना में मारे गए थे 58 लोग

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के इतिहास में सबसे भयावह विमान दुर्घटना की 75 साल बाद खोज समाप्त हो गई है। एक समूह ने अब मिशिगन झील में 1950 में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान की खोज को बंद करने का फैसला किया है। इस विमान हादसे में 58 लोग मारे गए थे। यह खोज पिछले 20 साल से चल रही थी। समूह ने खोज में नई सोनार तकनीक का इस्तेमाल कर पानी के विशाल भाग की छानबीन की और एक प्रसिद्ध लेखक क्लाइव कुसलर का भी साथ मिला।

2004 में शुरू हुई थी विमान की खोज

जब नॉर्थवेस्ट ओरिएंट फ्लाइट 2501 दुर्घटनाग्रस्त हुई थी, तब यह अमेरिका का सबसे भयानक विमान हादसा था। मिशिगन शिपव्रेक एसोसिएशन की कार्यकारी निदेशक वैलेरी वैन हेस्ट ने कहा कि यह खोज 2004 में शुरू हुई थी और अब इसे रोकने का फैसला लेना उनके लिए आसान नहीं था।

झील के 700 वर्ग मील क्षेत्र को खोजा

वैन हेस्ट ने कहा कि एक तरफ मुझे लगता है कि हम नाकाम रहे, क्योंकि हमें विमान का मलबा नहीं मिला। लेकिन दूसरी तरफ, हमने इस हादसे और मृतकों की याद को जिंदा रखने के लिए बहुत मेहनत की, इसलिए मुझे लगता है कि हमने फिर बी कुछ अच्छा किया है। उन्होंने बताया कि मिशिगन झील के करीब 700 वर्ग मील (1,813 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र को खोजा गया। वैज्ञानिकों का मानना है कि विमान छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट गया और वह कीचड़ में धंस गया, इसलिए सोनार तकनीक से भी मलबा नहीं मिल सका।

23 जून, 1950 की रात न्यूयॉर्क से सिएटल के लिए भरी थी उड़ान

प्रोपेलर से चलने वाले डीसी-4 विमान ने 23 जून, 1950 की रात को न्यूयॉर्क के लागार्डियो एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। इस विमान का गंतव्य सिएटल था और बीच में दो जगह रुकने की योजना थी। अचानक रास्ते में एक तेज तूफान आया और विमान गिर गया। मिशिगन के साउथ हेवन में विमान के कुछ टुकड़े और शरीर के अंग किनारे पर बहकर आए थे। वैन हेस्ट ने कहा कि हमें पता है कि विमान बहुत जोर से पानी से टकराया था और कोई नहीं बच सकता था। उन्होंने इस हादसे पर एक किताब भी लिखी है, जिसका नाम फैटल क्रॉसिंग है।

2017 तक मलबे की खोज के लिए कुसलर ने दिया था पैसा

क्लाइव कुसलर, जो साहसिक उपन्यास लिखते थे और पानी के अंदर जहाजों की खोज के लिए प्रसिद्ध थे, उन्होंने 2017 तक जहाज के मलबे की खोज के लिए पैसा दिया। 2020 में उनकी मृत्यु हो गई। कुसलर ने 2018 में लिखा था, मुझे उम्मीद है कि एक दिन इन लोगों के परिवारों को राहत जरूर मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129